जबलपुर बुधवार 22 अप्रैल 2026 > शक संवत 1948 वैशाख शुक्ल पक्ष पंचमी/षष्ठी विक्रम संवत 2083 | वर्ष 31 अंक 296 > मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96 | www.swatantramat.com

शीर्ष चार की दौड़ में आगे निकलने के लिए 10

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 930135969 पर कॉल करें।

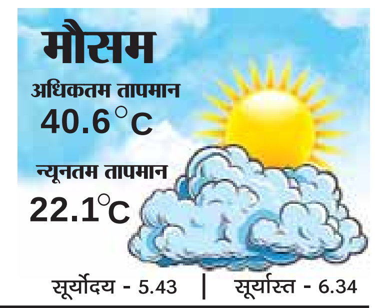

सूर्योदय - 5.43 | सूर्यास्त - 6.34

अल्काराज, सबालेंका ने लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड जीते 2

सारा में मुझे तुरंत जो चीज आकर्षित कर गई 7

उत्कृष्ट अंकों से बढ़ाया परिवार और शहर का मान 9

क्या छूने से अपवित्र हो जाते हैं देवता

सबरीमाला की सुनवाई के दौरान उठा सवाल, छठवें दिन परंपरा-प्रथा पर हुए तर्क

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला मुद्दे समेत धर्म बनाम कानून के मामले पर बहस जारी है। इस मामले में 9 जजों की बड़ी बेंच सुनवाई कर रही है, जिसमें छठें दिन भी बहस जारी रही। इस दौरान धार्मिक स्वतंत्रता, परंपराएं, आस्था और संवैधानिक अधिकारों के बीच बैलेंस पर कई महत्वपूर्ण सवाल उठे। सीनियर एडवोकेट गिरी ने दलील दी कि आर्टिकल-25 के तहत पूजा का अधिकार व्यक्ति की आस्था से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि किसी मंदिर, मस्जिद या चर्च में जाने का अधिकार व्यक्ति के विश्वास का हिस्सा है। वकील गिरी ने कहा कि पूजा करना हर व्यक्ति का अधिकार है। जो व्यक्ति किसी भगवान में विश्वास करता है, उसे हर बार मंदिर जाकर यह समझने की जरूरत नहीं कि वहां पूजा कैसे होती है। उसकी आस्था उसके साथ रहती है- चाहे वह मंदिर जाए, मस्जिद जाए या चर्च। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई व्यक्ति मंदिर ही नहीं जाता, तो उसके 'एंट्री के अधिकार' को हर स्थिति में अनुच्छेद 25 के तहत नहीं माना जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर में 'अर्चक' (पुजारी) की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। यदि किसी अन्य संप्रदाय का अर्चक मूर्ति को स्पर्श करता है, जिसे आगम परंपरा मान्यता नहीं देती, तो यह श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंचा सकता है। ऐसे में राज्य का कोई भी हस्तक्षेप धार्मिक मान्यताओं में दखल माना जाएगा। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि केवल जन्म के आधार पर किसी को पुजारी बनने से रोकना पूरी तरह अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षित नहीं है। बहस में यह मुद्दा भी उठा कि मंदिर में पुजारी कौन बन सकता है? कुछ परंपराओं में माना जाता है कि अगर गलत तरीके से या किसी अलग पंथ का पुजारी मूर्ति को छू ले, तो वह 'अपवित्र' हो सकती है। इसलिए, अगर सरकार ऐसे व्यक्ति को पुजारी बनने दे, जो परंपराओं (आगम) के अनुसार सही नहीं है, तो यह श्रद्धालुओं की आस्था के खिलाफ होगा।

क्या जन्म के आधार पर नहीं बना सकते पुजारी

इस दौरान यह भी सवाल उठा कि क्या किसी को सिर्फ जन्म के आधार पर पुजारी बनने से रोका जा सकता है? इस पर अभी साफ जवाब नहीं है। जस्टिस पी.बी. वराले ने पूछा कि आज के समय में, जब लोग पढ़े-लिखे हैं और नई सोच रखते हैं, क्या यह जरूरी है कि आस्था रखने वाला व्यक्ति तर्कहीन ही हो? जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा–अगर किसी धर्म के अंदर ही कोई व्यक्ति उसकी किसी परंपरा को गलत बताकर कोर्ट में चुनौती दे, तो क्या कोर्ट उस पर फैसला दे सकती है?

कहीं शिवलिंग को छू सकते हैं कहीं नहीं

जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने समझाया कि हर मंदिर की अपनी परंपरा होती है। कहीं आप शिवलिंग को छू सकते हैं, कहीं नहीं। यह 'छुआछूत' नहीं है, बल्कि अलग-अलग पूजा पद्धति का हिस्सा है। इस पर सीनियर वकील गोपाल सुब्रमण्यम ने कहा कि यह मामला सिर्फ एक धर्म का नहीं है, इसलिए इसे सभी धर्मों के संदर्भ में देखना चाहिए। वहीं गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि अब तक बहस ज्यादातर हिंदू धर्म के नजरिए से हुई है, जबकि हमें मुस्लिम, ईसाई और पारसी धर्मों के मामलों को भी देखना चाहिए- जैसे हिजाब विवाद या पारसी महिलाओं से जुड़े नियम।

क्या कोई पंथ अपने नियम बना सकता है?

क्या कोई धार्मिक पंथ अपने नियम बनाकर यह तय कर सकता है कि कौन उसके धार्मिक स्थल में आएगा और कौन नहीं? शंकरनारायणन ने कहा कि अगर कोई पंथ कहता है कि जो उसकी खास परंपराएं नहीं मानता, उसे अंदर नहीं आने देंगे तो क्या यह सही है? जस्टिस सुंदरेश ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 25(2) के अनुसार, सार्वजनिक मंदिर सभी वर्गों के लोगों के लिए खुले होने चाहिए। इस पर बहस है कि क्या यह नियम पंथों पर भी लागू होगा या नहीं।

क्या पंथ के बीच तनाव बढ़ेगा?

जस्टिस बागची ने पूछा, अगर एक वैष्णव को शैव मंदिर में जाने से रोका जाए, तो क्या इससे विवाद नहीं होगा? वहीं यह भी सवाल उठा कि अगर शिया मस्जिद या किसी चर्च में दूसरे संप्रदाय के लोगों को रोका जाए, तो उसका क्या नियम होगा? जस्टिस बागची ने पूछा कि अगर ऐसा हुआ तो क्या इससे सामाजिक तनाव नहीं बढ़ेगा? इस अहम मामले में संविधान पीठ धार्मिक अधिकारों और समानता के बीच संतुलन तय करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहलू पर विचार कर रही है।

कांग्रेस का पीएम के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ लोकसभा में विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लेटर लिखकर कहा कि पीएम ने 'राष्ट्र के नाम संबोधन' में विपक्षी सांसदों के वोट और उनके इरादों पर सवाल उठाए थे। यह नियमों के खिलाफ है। वेणुगोपाल ने लिखा कि पीएम ने करीब 29 मिनट के संबोधन में विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण बिल रोकने का आरोप लगाया। सांसदों के वोटिंग पैटर्न पर सवाल उठाए। उनके फैसलों के पीछे की मंशा पर भी टिप्पणी की। कांग्रेस सांसद ने मांग की है कि इस मामले को लोकसभा की विशेषाधिकार समिति को भेजा जाए और प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाए। स्पीकर को लिखे लेटर में कहा गया है कि इस तरह के बयान चुने हुए सांसदों की स्वतंत्रता और उनकी ईमानदारी पर सवाल खड़े करते हैं। इससे संसद की गरिमा और अधिकार कमजोर होते हैं। संविधान सांसदों को स्वतंत्र रूप से काम करने का अधिकार देता है। कोई भी व्यक्ति यहां तक कि प्रधानमंत्री भी, उनके वोट या आचरण पर सवाल नहीं उठा सकता। किसी सांसद ने संसद में क्या कहा या कैसे वोट किया, उसके पीछे कारण बताना गलत है। ये सदन के विशेषाधिकार का गंभीर उल्लंघन और अवमानना है। यह विधेयक महिला आरक्षण के नाम पर लाया गया था, लेकिन इसके जरिए परिसीमन से जुड़े प्रावधानों में बदलाव की कोशिश थी। विपक्ष इसी का विरोध कर रहा था।

आरोप- राष्ट्र के नाम संबोधन में विपक्षी सांसदों के वोट पर सवाल उठाए

कांग्रेस पर 59 बार टारगेट किया

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संबोधन आमतौर पर देश को जोड़ने और भरोसा बढ़ाने के लिए होता है। इस बार संबोधन में खुलकर राजनीतिक बात हुई। कांग्रेस पर 59 बार निशाना साधा गया। इसे प्रधानमंत्री के रिकॉर्ड पर एक और दाग माना जाएगा।

मप्र विधानसभा का विशेष सत्र 27 को

भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा का विशेष सत्र 27 अप्रैल को बुलाया गया है। विधानसभा सचिवालय की ओर से इसे लेकर अधिसूचना जारी कर दी गई है। इस विशेष सत्र में 'नारी शक्ति वंदन' से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इससे पहले रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विशेष सत्र बुलाने की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था कि महिलाओं से जुड़े इस महत्वपूर्ण विषय पर विधानसभा में विस्तृत चर्चा की जाएगी।

टैंकर ने कार को रौंदा, 5 की मौत

बड़वानी

मध्यप्रदेश के बड़वानी में एक तेज रफ्तार टैंकर ने कार को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उसमें सवार युवक अंदर ही फंस गए। हादसे में 3 युवकों की मौके पर मौत हो गई। वहीं दो गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा जुलवानिया टोल प्लाजा के पास मंगलवार दोपहर करीब 2.30 बजे हुआ। सभी युवक बारात में शामिल होकर लौट रहे थे।

अब पेट्रोल में 100% इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य

नितिन गडकरी बोले- तेल पर निर्भरता घटेगी

नई दिल्ली

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि भारत को आने वाले समय में पेट्रोल में 100 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य रखना चाहिए। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव की वजह से तेल के आयात पर बुरा असर पड़ सकता है। नितिन गडकरी ने इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी के कार्यक्रम में कहा, भारत को जल्द ही 100 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य रखना चाहिए। आज पश्चिम में युद्ध की वजह से हम ऊर्जा संकट का सामना कर रहे हैं इसलिए ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना हमारे लिए बहुत जरूरी है। साल 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 प्रतिशत इथेनॉल मिले हुए पेट्रोल की शुरुआत की थी। अभी भारतीय गाड़ियां ई-20 पेट्रोल पर चल सकती हैं। इसके लिए इंजन में थोड़े बदलाव किए गए हैं जिससे इंजन खराब न हो। दूसरी ओर ब्राजील जैसे देशों में 100 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का इस्तेमाल होता है। नितिन गडकरी ने बताया कि, भारत अपनी जरूरत का 87 प्रतिशत तेल दूसरे देशों से खरीदता है। उन्होंने कहा कि, हम 22 लाख करोड़ रुपए का फॉसिल फ्यूल आयात करते हैं जिससे प्रदूषण भी फैलता है। हमें वैकल्पिक ईंधन और बायो-फ्यूल के उत्पादन को बढ़ाने पर काम करने की जरूरत है। गडकरी ने ग्रीन हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन बताया और कहा कि, हाइड्रोजन फ्यूल स्टेशन चलाने का खर्चा कम करना होगा जिससे यह फायदे का सौदा बने। भारत को ऊर्जा का निर्यातक बनाने के लिए हाइड्रोजन की कीमत 1 डॉलर प्रति किलोग्राम तक लानी होगी। साथ ही, इसके ट्रांसपोर्ट की समस्या को भी सुलझाना होगा।

कचरे से हाइड्रोजन और रोजगार के अवसर

नितिन गडकरी ने कहा कि, अब कचरे से हाइड्रोजन बनाने की जरूरत है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अगर हम सर्कुलर इकोनॉमी पर ध्यान दें तो भारत में रोजगार के कई नए मौके पैदा किए जा सकते हैं। नितिन गडकरी ने पेट्रोल और डीजल गाड़ियों के इस्तेमाल को कम करने की बात कही।

बंगाल में अमित शाह की हुंकार

23 अप्रैल को ममता के गुंडे घर से बाहर न निकलें

कोलकाता

पश्चिम बंगाल के चांदीपुर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक चुनावी रैली को संबोधित किया। अपने संबोधन में शाह ने तृणमूल कांग्रेस पर चुन-चुनकर वार किए। शाह ने कहा कि ये पहले चरण की आखिरी सभा है और मैं आज चांदीपुर से दीदी को कहने आया हूं- दीदी टाटा, बाय-बाय, अब आपका समय समाप्त हो गया है। आपने बंगाल की जनता को बहुत परेशान कर लिया, अब आपकी जाने की बारी है और कमल फूल की आने की बारी है। शाह ने कहा कि मैं आज ममता के गुंडों को भी कहकर जाता हूं कि 23 तारीख को घर के बाहर नहीं निकलना, 5 तारीख को भाजपा सरकार आने वाली है। पाताल से भी ढूंढ कर सलाखों के पीछे भेजेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज मैं घुसपैठियों को कहकर जाता हूं कि 4 तारीख को काउंटिंग है और 5 तारीख को भाजपा की सरकार बनेगी। जल्दी बांग्लादेश जाने की तैयारी कर लो। अब बंगाल में भय से भरोसे की यात्रा मोदी जी के नेतृत्व में शुरू होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने देश को नक्सलवाद से मुक्त कराया है, और आज मैं कहकर जाता हूं कि भारतीय जनता पार्टी ही पूरे देश को घुसपैठियों से मुक्त कराने का काम करेगी। बंगाल की खाड़ी से लेकर हिंद महासागर तक घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं छोड़ेंगे।

शानदार समझौते के साथ होगा अंत

वॉशिंगटन। दुनिया भर की निगाहें इस समय अमेरिका और ईरान के बीच मंडरा रहे युद्ध के बादलों पर टिकी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस तनावपूर्ण माहौल में अपनी स्थिति साफ कर दी है कि शांति की समय सीमा अब समाप्त हो चुकी है। ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि 22 अप्रैल की आधी रात के बाद वह किसी भी कीमत पर संघर्षविराम को आगे नहीं बढ़ाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा है कि कूटनीति के लिए अब और समय देना मुमकिन नहीं है। ट्रंप ने कहा कि हमारे पास इतना समय नहीं है। समय सीमा 22 अप्रैल है और मैं संघर्षविराम को बढ़ाना नहीं चाहता। जब उनसे पूछा गया कि क्या समझौता न होने पर वह फिर से सैन्य कार्रवाई करेंगे, तो ट्रंप ने बिना झिझक कहा कि वह बमबारी की उम्मीद कर रहे हैं क्योंकि उनका मानना है कि इसी रवैये के साथ आगे बढ़ना बेहतर है। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका इस समय वार्ता में बहुत मजबूत स्थिति में है और वह वह काम कर रहे हैं जो पिछले 47 वर्षों में किसी राष्ट्रपति ने नहीं किया। इस युद्ध को रोकने के लिए पाकिस्तान के इस्लामाबाद में दूसरे दौर की सीधी वार्ता प्रस्तावित थी, लेकिन इसकी सफलता पर अब संकट के बादल मंडरा रहे हैं। ट्रंप ने बताया कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और सलाहकार जेरेड कुश्नर के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान के लिए रवाना हो चुका है, लेकिन उनके वहां पहुंचने को लेकर विरोधाभासी खबरें सामने आ रही हैं। दूसरी ओर, ईरान ने अभी तक यह पुष्टि नहीं की है कि वह अपना प्रतिनिधिमंडल भेजेगा या नहीं। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबफ ने दोटूक कहा है कि उनका देश धमकियों के साये में कोई बातचीत स्वीकार नहीं करेगा।

लोनिवि के 3 अफसर रिश्वत लेते पकड़ाए

बिल के बदले मांगे थे 3.50 लाख

इंदौर। इंदौर में लोक निर्माण विभाग के तीन अधिकारी मंगलवार को धार निवासी शासकीय ठेकेदार एवं पटेल इंटरप्राइजेस के संचालक राजपाल सिंह पंवार से रिश्वत लेते हुए पकड़ाए हैं। पकड़े गए अधिकारियों में कार्यपालन यंत्री, संभाग-1 जयदेव गौतम, अनुविभागीय अधिकारी टीके जैन और उपयंत्री, संभाग-1 अंशु दुबे शामिल हैं। लोकायुक्त टीम ने आरोपी जयदेव गौतम को अंतिम बिल भुगतान के बदले 1.50 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। जबकि टीके जैन को कार्यालय परिसर के पोर्च के नीचे से 1 लाख रुपए लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी अंशु दुबे ने भी 1 लाख रुपए की मांग की थी, लेकिन कम राशि उपलब्ध होने के कारण उसने रकम नहीं ली। इस प्रकार कुल 2.50 लाख रुपए की राशि जब्त की गई है।

केरलम में पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 13 की मौत

त्रिशूर

केरलम के त्रिशूर जिले में मंगलवार दोपहर करीब 3.30 बजे पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। फैक्ट्री में कई लोग झुलस गए। घायलों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, मौके से 10 शव मिले, जबकि 3 लोगों के शरीर के हिस्से मिले है। 5 घायलों की हालत गंभीर है। 17 लोगों को मामूली चोटें आई हैं। पटाखे खेतों के बिच बने शेड में बनाए जा रहे थे। हादसे के समय करीब 40 लोग मौजूद थे। फायर ब्रिगेड, पुलिस और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंचीं, लेकिन रुक-रुक कर विस्फोट होने से रेस्क्यू में दिक्कत आई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को केरल के त्रिशूर में एक पटाखा बनाने वाली यूनिट में हुए धमाके में लोगों की जान जाने पर दुख जताया और मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

विज्ञान और धर्म दोनों से नहीं मिली शांति: भागवत

दुनिया अब भारत के ज्ञान से उम्मीद लगा रही

अगरतला

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि 2000 साल तक शासन, धर्म और विज्ञान के अलग-अलग प्रयोगों के बाद अब दुनिया भटक गई है और भारत के ज्ञान की ओर देख रही है। उन्होंने यह बात त्रिपुरा के मोहनपुर में धार्मिक कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि कुछ 'दुष्ट शक्तियां' इस बात से चिंतित हैं कि अगर भारत अपनी सदियों पुरानी सभ्यतागत ताकत के सहारे आगे बढ़ा, तो उनकी दुकानें बंद हो जाएंगी। भागवत मां सौंदर्य चिन्मयी मंदिर के प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के लोगों के बीच धार्मिक और भाषाई आधार पर फूट डालने की कोशिशें की जा रही हैं। भारत की असली ताकत उसकी विविधता में एकता में निहित है। भागवत ने कहा, जिन देशों का इतिहास 4,000 या 5,000 साल से ज्यादा पुराना नहीं है, वहां एक धर्म और एक भाषा हो सकती है, लेकिन भारत पूरी तरह से अलग है। इसका इतिहास, परंपरा और संस्कृति बहुत पुरानी और समृद्ध है। उन्होंने लोगों से एकजुट रहने और फूट डालने की कोशिशों को नाकाम करने का आग्रह किया। कहा, हालात चाहे जैसे भी हों, डरने की कोई जरूरत नहीं है। मौजूदा विश्व व्यवस्था में, अक्सर शक्ति ही सही को दबा देती है। अगर आपके पास शक्ति है, तो आपकी ताकत साबित हो जाएगी, अगर आप सही रास्ते पर भी हैं, लेकिन आपके पास शक्ति नहीं है, तो कोई आपकी बात पर ध्यान नहीं देगा। इसलिए, ज्ञान और शक्ति, दोनों अर्जित करें। भागवत ने कहा कि मंदिर केवल पूजा-पाठ के स्थान नहीं हैं, बल्कि ऐतिहासिक रूप से वे सामाजिक जीवन और ज्ञानोदय के केंद्र रहे हैं।

जितना विकास, उतना ही पर्यावरण का विनाश

भागवत ने कहा कि पहले सत्ता राजा को दी गई, लेकिन बाद में राजा ही जनता का शोषण करने लगा। इसके बाद लोगों ने भगवान को सर्वोच्च मानकर धर्म बनाए, लेकिन इससे भी खून-खराबा नहीं रुका। विज्ञान के दौर में भी मानव की समस्याएं खत्म नहीं हुईं। लोगों ने कहा कि हम वैज्ञानिक हैं, जब तक भगवान लैब में नहीं दिखेगा, हम नहीं मानेंगे। इसके बाद विज्ञान का दौर आया। कई सुविधाएं और आराम मिले, लेकिन संतोष नहीं आया। आज भी दुनिया में दुख है, परिवार टूट रहे हैं, अपराध बढ़ रहे हैं। युद्ध शुरू होते हैं तो रुकते नहीं। विकास जितना बढ़ रहा है, पर्यावरण उतना ही नष्ट हो रहा है।

विद्यार्थी हर क्षेत्र में प्रगति कर देश के सर्वांगीण विकास में दें अपना योगदान : कलेक्टर

कलेक्टर ने हाई स्कूल एवं हायर सेंकेण्डरी की परीक्षा में मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित

शहडोल (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने शहडोल जिले के माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा कक्षा10वीं एवं कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा के प्रावीण्य सूची में आने वाले विद्यार्थियो, अभिभावको एवं शिक्षको को फूलमाला पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि विद्यार्थी देश के भविष्य है, देश और समाज के सर्वांगीण विकास में विद्यार्थियो की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासनिक अधिकारी आदि महत्वपूर्ण पदो में आसीन होकर देश और समाज की सेवा करें।

उन्होंने कहा कि पहली कक्षा से बारहवी कक्षा तक की पढ़ाई भविष्य बनाने की मजबूत नींव है, शिक्षा कभी व्यर्थ नही जाती है उसका उपयोग समय आने पर अवश्य होता है। उन्होंने कहा कि निरंतर अच्छा से अच्छा प्रयास कर नई ऊचाईयां को छूए।

कलेक्टर ने मेरिट सूची के विद्यार्थी, विद्यालयो के शिक्षको एवं अभिभावको को मध्यप्रदेश की टॉप10 सूची में स्थान लाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही कलेक्टर ने विद्यार्थियो से भविष्य की पढाई के बारे में भी जानकारी ली। कलेक्टर ने शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ब्यौहारी के कक्षा दसवीं में अध्यनरत योगेंद्र सिंह, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बाणसागर में अध्यनरत कुमारी अनामिका कुशवाहा, कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जयसिंहनगर में अध्यनरत कुमारी दीक्षा मिश्रा, हायर सेकेंण्डरी विद्यालय के माही मिश्रा, मान्यता साहू, निशिका गुप्ता, ऋषभ पाण्डेय, हाई स्कूल के श्रेया साहू, आर्यिका नामदेव, नेहा सिंह, हर्षिल गुप्ता, अपेक्षा गुप्ता एवं आरायना गुप्ता को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिंहा, जिला षिक्षा अधिकारी आर.के. मंगलानी सहित शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहें।

श्मशान घाट की जमीन पर अवैध ईंट भट्टे पर्यावरण और जलस्त्रोतों पर संकट, प्रशासन खामोश

धनपुरी। जिले के धनपुरी नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 05 में श्मशान घाट के लिए आरक्षित शासकीय भूमि पर अवैध रूप से ईंट भट्टों का संचालन किए जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, वर्षों से रमेश प्रजापति ठेकेदार द्वारा यहां मिट्टी का अवैध उत्खनन कर भट्टे लगाए जा रहे हैं, जिससे पर्यावरण और जलस्त्रोतों पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। विलियर्स नंबर एक नर्सरी क्षेत्र में स्थित प्राकृतिक जलश्रोत (झिरिया), जो स्थानीय लोगों के पेयजल और दैनिक उपयोग का मुख्य स्त्रोत है, अब मिट्टी की लगातार खुदाई के कारण प्रभावित हो रहा है। क्षेत्र

में मौजूद धार्मिक स्थल और हरियाली भी इस अवैध गतिविधि से खतरे में है। ईंट निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर जेसीबी मशीनों से खुदाई की जा रही है, जिससे कई वर्षों पुराने पेड़ जड़ों समेत उखड़ रहे हैं। इससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ने का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, भट्टे संचालक द्वारा बुढार साइडिंग और रेलवे वैगनों से कोयला मंगवाकर बड़े पैमाने पर भंडारण किया जा रहा है। वहीं, पास के नालों और अन्य स्थानों से बिना ट्रांजिट परमिट (ञ्जक्क) के अवैध रेत लाकर उपयोग में ली जा रही है। शासकीय और वन भूमि सहित आदिवासी क्षेत्रों में भी खुदाई कर बड़े-बड़े गड्ढे बना दिए गए हैं। इससे भूमि बंजर होती जा रही है और भविष्य में श्मशान घाट के उपयोग पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। साथ ही, करोड़ों रुपये की लागत से बनाए गए पेयजल संपवेल पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। नगरपालिका परिषद और थाना धनपुरी से महज कुछ दूरी पर संचालित इन अवैध भट्टों की जानकारी अधिकारियों को न होना लोगों के लिए आश्चर्य का विषय है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी कब इस गंभीर मुद्दे पर संज्ञान लेकर कार्रवाई करते हैं।

कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित हुई साप्ताहिक जनसुनवाई

शहडोल(स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जनसुनवाई में शहडोल जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी तथा निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में ग्राम मल्दा निवासी काशिम खान ने सीसी रोड़ निर्माण, ग्राम सन्नौसी निवासी रामप्रकाश पटेल ने धान विक्रय किये जाने की राशि दिलवाने, ग्राम मीठी निवासी रामसुजान जायसवाल ने भूमि का सीमांकन कराने, वार्ड नम्बर 16 शहडोल निवासी रामभजन पटेल ने नल कनेक्शन, ग्राम दुलादर निवासी हेमा शुक्ला ने विद्युत कनेक्शन लगवाने, वार्ड नम्बर 2 शहडोल निवासी चांदनी कोल ने वार्ड नम्बर 2 में हुए अतिक्रमण का हटवाने संबंधी आवेदन जनसुनवाई में दिए। कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में प्राप्त अन्य आवेदनों को भी कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर प्रेषित कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

रिलायंस सीबीएम फायर विभाग द्वारा अग्निशमन प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

शहडोल(स्वतंत्र मत)।

सर्विस सप्ताह के अवसर पर, मंगलवार को बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज, शहडोल में एक व्यापक अग्निशमन प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य कॉलेज स्टाफ के बीच आपातकालीन तैयारी एवं जागरूकता को सुदृढ़ करना था। यह कार्यक्रम रिलायंस सीबीएम फायर विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसके अनुभवी अधिकारियों द्वारा अग्नि सुरक्षा तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं लाइव प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को अग्निशामक यंत्रों के उचित उपयोग, सुरक्षित निकासी (इवैक्यूएशन) प्रक्रियाओं तथा प्रारंभिक स्तर की आग को बढ़ने से पूर्व नियंत्रित करने के प्रभावी उपायों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। इस अवसर पर उपस्थित फायर अधिकारियों ने अपने संबोधन में अग्नि आपात स्थितियों के दौरान सतर्कता, त्वरित प्रतिक्रिया एवं समुचित समन्वय के महत्व पर विशेष बल दिया, विशेषकर अस्पतालों एवं मेडिकल कॉलेजों जैसे संवेदनशील एवं उच्च-जोखिम वाले संस्थानों के संदर्भ में। कार्यक्रम में बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज से डॉ. अब्दुल सबीर खान सहित अनेक चिकित्सा कर्मियों की उपस्थिति रही। रिलायंस सीबीएम की ओर से प्रेम राठौर, अमितेश पांडेय एवं प्रदीप द्विवेदी ने प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कॉलेज स्टाफ ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा आपातकालीन परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु आवश्यक व्यावहारिक कौशल एवं अनुभव अर्जित किया।

इन्दौर राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के लिए बालाघाट के खिलाड़ियों का चयन

बालाघाट। खेल और युवा कल्याण विभाग के जिला कराटे प्रशिक्षण केंद्र में जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता का एक दिवसीय आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह प्रतियोगिता जिला इंडियन कराटे संघ के मार्गदर्शन में आयोजित की गई, जिसमें जिले सहित विभिन्न विकासखंडों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिला कराटे प्रशिक्षक सजिन्द्र कृष्णन ने बताया कि प्रतियोगिता में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कराटे सेंटर के लगभग 25 खिलाड़ियों सहित कटंगी, मलाजखंड, किरनापुर और बेहर जैसे विकासखंडों से करीब 150 खिलाड़ियों ने भाग लिया। मुलना स्टेडियम कराटे सेंटर के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सब-जूनियर और केडेट वर्ग में सर्वाधिक स्वर्ण एवं रजत पदक हासिल किए। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शिवाय वासनिक, सीरत भगत, मानस अविनाशी, सत्यम बर्वे, आराध्य तिवारी, वंश लिल्हारे, अविका बघेल, त्विषा सोमनकर, आराध्या भागडकर, श्रुतकीर्ति छारी, सईद आहिल अली, केनिशा खजरे, कृति पटले, सांझ मोतीचूर, प्रियांश तिलासे, आदविक बोपचे, आदित्य राणा, करन चौधरी, मेघ बिसेन, विहान ऐलकर, समीर मोतीचूर, आरव साठे, आदर्श गुप्ता, तेजस्वी शर्मा और इसराख शेख शामिल हैं। इन सभी खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के लिए किया गया है।

पड़रिया रंगमंच में प्याऊ का शुभारंभ

मण्डला/नारायणगंज। विकासखंड नारायणगंज अंतर्गत पड़रिया रंगमंच में जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ किया गया। यह पहल जन अभियान परिषद के जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल शक्ति से नवभक्ति, शुद्ध जल, स्वच्छ जल, जल स्त्रोत सेवा समागम कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद पंचायत नारायणगंज परिसर में किया गया जिसमें ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति पड़रिया के सहयोग से ग्राम की महिला मंडल द्वारा जल मंदिर स्थापित किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जनपद पंचायत में आने वाले नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है।

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

शहडोल। कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने शहडोल संभाग के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और उनके निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में उमरिया जिले के ग्राम धनवाही निवासी धीरा बैगा ने निजी भूमि में हो रहे निर्माण कार्य एवं खनन पर रोक लगवाने, शहडोल जिले के ग्राम बलपुरवा निवासी संगीता सेन ने प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि दिलाने, ग्राम बसोहरा निवासी दीनदयाल सिंह ने मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह में नाम जुडवाने, ग्राम निकई निवासी मोहन लाल साहू ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलवाने हेतु आवेदन जनसुनवाई में दिए। कमिश्नर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य आवेदकों ने भी अपनी शिकायतें एवं समस्याओं संबंधी आवेदन कमिश्नर को दिए।

मुरझड़ के पास बाघ का मुमेंट, वीडियो वायरल

बालाघाट। मुरझड़ क्षेत्र में बाघ की लगातार बढ़ती हलचल ने ग्रामीणों और राहगीरों की चिंता बढ़ा दी है। जानकारी के मुताबिक कुछ दिन पहले बाघ ने एक बैल का शिकार किया था, जिससे इलाके में पहले ही दहशत का माहौल बना हुआ था। वहीं 21 अप्रैल की सुबह करीब 9 बजे नाले के पास राहगीरों को बाघ नजर आया, जिसे देखकर लोगों में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद कार सवार कुछ लोगों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जो अब तेजी से फैल रहा है। बाघ खुले क्षेत्र के पास नजर आया, जिससे राहगीरों में भी डर का माहौल पनप गया है। ग्रामीणों का मानना है कि बैल का शिकार करने के बाद बाघ अभी भी उसी इलाके में सक्रिय है और भोजन की तलाश में वह आसपास ही मूवमेंट कर रहा है।

कश्मीरी नाले का पुलिया बनाने सांसद, विधायक व कलेक्टर से लगाई गुहार, नहीं बनी पुलिया

लोहे का पुलिया बना परेशानी का सबब, गांव तक नहीं पहुंच पाती एंबुलेंस

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

जिले के बैहर तहसील अंतर्गत ग्राम माना से लपटी के बीच ग्राम छिपीटोला जाने के लिए कश्मीरी नाले पर लोहे का पुलिया बनाया गया है। यहां से बाइक व लोग पैदल तो निकल जाते हैं, लेकिन चार पहिया व एंबुलेंस का निकलना मुश्किल है। ऐसे में यदि गांव में किसी व्यक्ति का स्वास्थ्य खराब हो जाता है तो मरीज को बाइक या फिर अन्य साधन से पुलिया तक एक किलोमीटर तक लाना पड़ता है। इसके बाद ही मरीज को एंबुलेंस से अस्पताल तक पहुंचाते हैं। नाले पर नया पुलिया बनाने तीन वर्ष के भीतर सरपंच व ग्रामीणों ने मिलकर सांसद, विधायक से लेकर कलेक्टर को 10 बार शिकायत कर चुके है। इसके बाद भी नाले पर पुलिया बनाने को लेकर कोई गंभीर नहीं हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि आरईएस विभाग ने करीब 14 पूर्व कश्मीरी नाले पर पुलिया बनाया था। वर्ष 2023 के अगस्त माह में लगातार दो-तीन दिन तक आई वर्षा में माना से लपटी के बीच कश्मीरी नाले पर बना पुलिया बह गया। जिसके बाद बांस की टाटी बनाकर आना जाना कर रहे थे। नया पुलिया बनाने की मांग को लेकर गांव के लोग दो बार जिला मुख्यालय में आकर प्रदर्शन किए थे। उसके बाद वैकल्पिक तौर पर शासन प्रशासन ने लोहे का पुलिया बना दिया, जहां से बाइक व पैदल ही लोग आना-जाना कर रहे हैं और चार पहिया वाहन का आना जाना बंद हो गया है।

गर्मी व ठंड में कोई परेशानी नहीं होती है, लेकिन वर्षाकाल के दिनों में लोगों के लिए आफत बढ़ जाती है। इस पुलिया से माना, लपटी, छिपीटोला सहित छह गांवों लोगों का आना जाना होता है।

इनका कहना है

तीन वर्ष पूर्व वर्षा के दिनों में दो-तीन दिन लगातार वर्षा होने पर कश्मीरी नाले पर बना पुलिया बह गया था। नया पुलिया बनाने के लिए अभी तक सांसद, विधायक, कलेक्टर को 10 बार शिकायत कर चुके है, लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। ठंड व गर्मी में नाले पर पंचायत की तरफ से पाइप पुलिया बनाकर आना जाना होता है। वर्षाकाल लगने पर गांव तक एंबुलेंस तक नहीं पहुंच पाती है। लपटी व छिपीटोला के लोग बीमार होते है या फिर गर्भवती महिला को अस्पताल लेकर जाना है तो बाइक से एक किमी तक जैसे तैसे लाना पड़ता है। उनकी मांग है कि नाले पर नया पुलिया बनाया जाए, ताकि हो रही परेशानी दूर हो सके।

भागवती उइके, सरपंच, ग्राम पंचायत माना

बैहर के ग्राम माना से लपटी के बीच कश्मीरी नाले पर बना पुलिया वर्षा की बाढ़ में तीन वर्ष पूर्व बह गया था। वहां वैकल्पिक तौर पर लोहे का पुलिया गांव के लोगों के लिए आने जाने बनाया गया है। पुलिया किस विभाग से बनाया गया था, इसके संबंध में विभागीय अधिकारी से बातचीत की जाएगी।

मृणाल मीना, कलेक्टर, बालाघाट।

फॉरेंसिक नर्सिंग के क्षेत्र में विशेषज्ञों ने दिया व्याख्यान, सम्मिलित हुए सैकड़ों प्रतिभागी

जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंस एंड रिसर्च में राष्ट्रीय वर्चुअल लघु अवधि पाठ्यक्रम का सफल आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग सांइस एंड रिसर्च दिनांक 13 अप्रैल से 21 अप्रैलतक प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से एक बजे तक फॉरेंसिक नर्सिंग विषय पर एक राष्ट्रीय वर्चुअल शॉर्ट टर्म कोर्स का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य नर्सिंग विद्यार्थियों एवं स्वास्थ्य पेशेवरों को फॉरेंसिक नर्सिंग के क्षेत्र में ज्ञान एवं कौशल प्रदान करना था, जो स्वास्थ्य सेवाओं को विधिक प्रणाली से जोड़ता है। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों एवं शहरों से 300 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की, जिससे इसकी व्यापकता और महत्व स्पष्ट होता है। यह कार्यक्रम संस्थान की प्राचार्य एवं आयोजन अध्यक्ष प्रो. डॉ. पिन्सी शाजी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. अराधना धन्यवाद द्वारा किया गया। आयोजन टीम में प्रियंका गैगोले, आशीष दाऊद, अभिषेक एक्का शामिल रहे, जबकि ऑडिटोरियम प्रबंधन में मोहम्मद अलीम खान, अरविंद यादव एवं सुश्री पूर्वी का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए।

ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी सिद्ध हुआ आयोजन

उद्घाटन सत्र में डॉ. महाराज सिंह ने फॉरेंसिक नर्सिंग के मूल सिद्धांतों एवं नर्सों की भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात डॉ. अनु गौबा ने हिंसा एवं यौन शोषण के मामलों में नर्सों की जिम्मेदारियों पर विस्तृत जानकारी दी। उमावली एस ने स्वास्थ्य सेवाओं में मानवाधिकारों के महत्व को समझाया, जबकि प्रो. डॉ. एमएस विन्सी ने कानूनी ढांचे एवं मेडिको-लीगल प्रक्रियाओं पर प्रकाश डाला। आगे के सत्रों में डॉ. रंजना शर्मा ने फॉरेंसिक नर्सिंग के उभरते क्षेत्रों की जानकारी दी तथा अंतिम सत्र में डॉ. जयदीप आर ने अपराध स्थल प्रबंधन एवं साक्ष्य संरक्षण की तकनीकों को विस्तार से समझाया। यह कार्यक्रम अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी सिद्ध हुआ, जिसने प्रतिभागियों को स्वास्थ्य एवं कानून के समन्वय की गहन समझ प्रदान की। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें सभी वक्ताओं, आयोजकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया। संस्थान प्रबंधन ने इस सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित व्यक्तियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

उपार्जन व्यवस्था के खिलाफ लामबंद हुए किसान

स्लॉट बुकिंग अटकी, किसान संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर सहित मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की व्यवस्था पटरी से उतरती दिख रही है। सैटेलाइट सर्वे के माध्यम से किए जा रहे खसरा सत्यापन में भारी विसंगतियां सामने आई हैं, जिसके चलते हजारों किसान अपनी फसल बेचने के लिए स्लॉट बुकिंग नहीं कर पा रहे हैं। किसानों का आरोप है कि सैटेलाइट आधारित सत्यापन जमीनी हकीकत से कोसों दूर है। इसके कारण पोर्टल पर खसरों का मिलान नहीं हो रहा है। एक तरफ तकनीकी खराबी ने किसानों को परेशान कर रखा है, वहीं दूसरी ओर नरवाई जलाने पर प्रशासन द्वारा की जा रही दंडात्मक कार्रवाई और एफआईआर ने आग में घी डालने का काम किया है। किसान संगठनों का कहना है कि प्रशासन दमनकारी नीतियां छोड़कर व्यवस्था सुधारने पर ध्यान दे।

भारतीय किसान संघ की मांगें

भारतीय किसान संघ ने सरकार को दो टूक चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो किसान सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे। संघ ने मांग की के स्लॉट बुकिंग की तारीख 10 मई और खरीदी की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 मई की जाए।

त्रुटिपूर्ण सैटेलाइट सर्वे को अमान्य कर पटवारी द्वारा की गई मैन्युअल गिरदावरी के आधार पर स्लॉट बुकिंग तुरंत शुरू की जाए। प्रत्येक पंजीकृत किसान से उसकी निर्धारित सीमा तक गेहूं की अनिवार्य खरीदी सुनिश्चित हो। आसपास के क्षेत्रों जैसे पनागर, पाटन और सिहोरा में भी किसान इस अव्यवस्था से खासे नाराज हैं। यदि प्रशासन ने स्लॉट बुकिंग के पोर्टल को सुचारू नहीं किया और सर्वे की विसंगतियों को दूर नहीं किया, तो आगामी दिनों में उपार्जन केंद्रों पर खरीदी का काम पूरी तरह ठप हो सकता है।

धूमधाम से मनाई गयी आदि शंकराचार्य की जयंती

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

अखिल भारतीय गोस्वामी सभा की ओर से वार्ड क्रमांक 74 कुदवारी आदिगुरू शंकराचार्य मठ में स्थापित प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर शिव रूद्राभिषेक के साथ विधिवत पूजन किया गया। आदिगुरू शंकराचार्य का दर्शन भारतीय संस्कृति, धर्म, जीव को ही ब्रम्ह है का उद्घोष करते हुये महाआरती में सभी गोस्वामी एवं समस्त श्रद्धालुजन की उपस्थिति में आदिगुरू शंकराचार्य जयंती महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में सुरेन्द्र गिरी, इन्द्रपुरी, राजेश गिरी, अमरेश गिरी, बबलू गिरी, सुधांश गिरी, मुरानीपुरी, राम गिरी, विनोद गिरी, पंकज गिरी, हूमन गिरी, अंकित गिरी आदि श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

विशाल भंडारे का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। माँ सिद्धिदात्री मंदिर समिति एवं 360, गौत्रीय खटीक समाज द्वारा विशाल भण्डारे 20 अप्रैल, सोमवार को प्रातः 10 बजे से किया गया भण्डारे का आयोजन भानतलैया खटीक मोहल्ला में जनसहयोग से सम्पन्न हुआ। जिसमें विधायक लखन घनघोरिया, अशोक रोहाणी और महेन्द्र जांगडे, अखिल पटारिया, राजू पटारिया, रमेश पिपरा, जागेश पिपरी, जीत जांगड़े, राजेन्द्र किरार आदि उपस्थित रहे।

तपता सूरज ढा रहा सितम, अग्निपरीक्षा जैसे बीत रहे दिन

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर में इन दिनों सूर्यदेव के तेवर बेहद तल्ख नज़र आ रहे है , जिससे आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित है । मंगलवार को शहर का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह से ही तीखी धूप ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए थे और दोपहर होते-होते गर्म हवाओं के थपेड़ों ने लोगों को घरों में कैद होने पर मजबूर कर दिया। 7 मील प्रति घंटे की रफ्तार से चली पश्चिमी हवाओं ने झुलसाने वाली गर्मी का अहसास कराया, जिससे सड़कों पर दोपहर के समय सन्नाटा पसरा रहा। भीषण गर्मी और कम आर्द्रता के कारण डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ गया है।

डिजिटल शिक्षा की ओर बढ़ते कदम

200 शिक्षकों को डिजिटल बनाने का मिशन, पांच दिवसीय हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग का बैच शुरू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

आज के डिजिटल युग में शिक्षकों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रगति शैक्षिक अध्ययन संस्थान में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। संस्थान द्वारा आयोजित हैंड्स-ऑन कंप्यूटर प्रशिक्षण श्रृंखला के अंतिम बैच का शुभारंभ मंगलवार, 21 अप्रैल से किया गया। इस पांच दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण में मध्य प्रदेश के 9 विभिन्न जिलों के लगभग 55 शिक्षक और प्रशिक्षणार्थी हिस्सा ले रहे हैं।

संस्थान की प्राचार्य श्रीमती एफ. इक्का के मार्गदर्शन में संचालित इस कार्यक्रम का लक्ष्य नवाचारपूर्ण शिक्षण को बढ़ावा देना है। प्राचार्य ने अपने संदेश में कहा कि शिक्षकों का तकनीकी रूप से दक्ष होना अब समय की मांग है, जिससे विद्यार्थियों के लिए आधुनिक और प्रभावी शिक्षण का मार्ग प्रशस्त होगा।

प्रशिक्षण का स्वरूप

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव ने बताया कि 25 अप्रैल तक चलने वाले इस सत्र में कंप्यूटर विशेषज्ञ राज शर्मा एवं जितेश गुप्ता द्वारा प्रतिभागियों को एम.एस. ऑफिस और अन्य महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों का व्यावहारिक ज्ञान दिया जा रहा है। प्रशिक्षण प्रतिदिन सुबह 11:30 से शाम 4 बजे तक चलेगा। इस श्रृंखला के माध्यम से कुल 200 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। अंतिम बैच में प्रदेश के अलग-अलग कोनों से आए शिक्षक कंप्यूटर की बारीकियां सीख रहे हैं। कंप्यूटर शिक्षक श्रीमती राजकुमारी दुबे ने भी प्रतिभागियों को निरंतर अभ्यास के जरिए डिजिटल दक्षता हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

बस स्टैंड पर जमे अतिक्रमणों पर चला बुलडोजर

सिहोरा (स्वतंत्र मत) । शहर में यातायात व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से नगर पालिका ने बस स्टैंड क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए 35 अस्थाई अतिक्रमण हटा दिए। लंबे समय से अतिक्रमण के कारण बस स्टैंड पर जाम की स्थिति बनी रहती थी, जिससे आमजन और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। नगर पालिका अधिकारी जयश्री चौहान के नेतृत्व में अतिक्रमण अमले और पुलिस बल की मौजूदगी में यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कुछ स्थानों पर विरोध भी सामने आया, लेकिन प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी रखी। अधिकारियों ने बताया कि हटाए गए अस्थाई अतिक्रमणकारियों को नए बस स्टैंड में व्यवस्थित रूप से स्थान देने पर विचार किया जा रहा है।

परशुराम खेल रत्न अलंकरण से रॉबर्ट मार्टिन हुए सम्मानित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कॉरपोरेशन एमेच्योर कुश्ती संघ जबलपुर एवं क्रीड़ा भारती महानगर के संयुक्त तत्वाधान में अध्यक्ष पंडित रामदत शुक्ला ऑल इंडिया गोल्ड मेडलिस्ट के निर्देशन में परशुराम प्रकटोत्सव समारोह का आयोजन शांति नगर रांझी में किया गया। आयोजन मुख्य अतिथि अशोक रोहाणी विधायक केंट क्षेत्र, विशिष्ठ अतिथि प्रकाश धीरावांणी, प्रशांत मिश्रा और तजिंदर सिंह टीटू की उपस्थिति में संस्कारधानी की प्रतिश्ठित खेल विभूतियों का सम्मान शाल, साफा एवं प्रतीक चिन्ह देकर किया गया। इस अवसर पर रॉबर्ट मार्टिन को उनके खेल, समाज और शिक्षा के क्षेत्र में अति सराहनीय कार्य को देखते हुए उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्वीमिंग कोच एवं सेकेट्री सुनील पटेल के द्वारा किया गया।

पुष्प वर्षा के बीच निकली ऐतिहासिक कलश यात्रा

जयघोषों से गूंजा बड़ा फुहारा, हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। छोटा फुहारा स्थित सार्वजनिक शिव मंदिर, सूजी मोहल्ला में आयोजन समिति के संरक्षक एवं पूर्व महापौर प्रभात साहू के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में आयोजित श्री राम दरबार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसने पूरे क्षेत्र को राममय बना दिया। मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर बड़ा फुहारा क्षेत्र के प्रमुख मार्गों से गुजरती हुई यह यात्रा पुनः मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई। सिर पर कलश धारण किए महिलाओं की आस्था, युवाओं का उत्साह एवं भक्ति गीतों की मधुर ध्वनि ने वातावरण को पूर्णतः आध्यात्मिक रंग में रंग दिया।

ढोल-नगाड़ों की गूंज और पुष्प वर्षा के साथ यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू', पर्यटन विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष विनोद गोटिया, सतीश उपाध्याय,राम दुबे, योगेंद्र दुबे,वीरेंद्र साहू,पार्षद कविता रैकवार, सुबोध साहू,दीप महदेले, राजा सराफ एवं सीताराम सेन की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने भगवान श्री राम के दरबार में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस चार दिवसीय महोत्सव के अंतर्गत आगामी दिनों में प्राण प्रतिष्ठा, महा आरती एवं प्रसाद वितरण जैसे दिव्य धार्मिक आयोजन संपन्न होंगे।

दादा ठन ठन पाल निर्वाण दिवस पर सम्मान समारोह संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नर्मदा खंड के सिद्ध संत दादा ठन ठन पाल महाराज का चैत्र शुक्ल एकादशी निर्वाण दिवस आनंद महोत्सव नरसिंह मंदिर शास्त्री बीच में जगद्गुरु नर्सिंह देवाचार्यजी महाराज के सानिध्य में मनाया गया। मंगलवार को नरसिंह मंदिर में संकीर्तनाचार्य की उपाधि सुरेंद्र गिरी गोस्वामी एवं सुरेश विश्वकर्मा शाल श्रीफल माला से सम्मानित किया गया एवं सह संकीर्तनाचार्य से श्याम मनोहर पटेल को अलंकृत किया गया। जगद्गुरु नर्सिंह देवाचार्यजी महाराज ने बताया दादा ठन ठन पाल दूसरों का दुख स्वयं ले लेते थे, उनके मुखर बिंदु से जो शब्द भी निकलता था वह स्वयं सिद्ध निकलता था। आज भी जबलपुर में उनके सैकड़ो ऐसे उदाहरण है लोगों की मनोकामनाएं पूर्ण हुई दादाजी का सीताराम संकीर्तन की गांव-गांव में अलख जगाने में विशेष योगदान था। इस अवसर पर नर्मदा महा आरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल, सुषमाशंकर पटेल, डॉ शंकर पांडे आदि उपस्थित रहे।

हनुमानताल में गोरखपुर सीएसपी ने संभागीय गश्त में पकड़े जुआड़ी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हनुमानताल थानातंर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र के पास संचालित जुआ फड़ पर बीती रात गोरखपुर सीएसपी एमडी नागोतिया की टीम ने संभागीय गस्त के दौरान दबिश देकर दस जुआरियों को धर दबोचा। जिनके पास से पुलिस ने ताश के 52 पत्तें व पचास हजार तीन सौ रुपये की नगदी जब्त की है। उक्त कार्रवाई से हनुमानताल पुलिस की कार्यप्रणाली कटघरे में आ गई है, जिसका परिणाम आगामी दिनों में सामने आने की संभावना है। जानकारी अनुसार हनुमानताल आंगनबाड़ी केन्द्र के पास स्थित मैदान पर काफी दिनों से जुआरी फड़ संचालित कर रहे थे, लेकिन हनुमानताल पुलिस अपनी आंखे बंद किये हुए थी। जिसकी शिकायत उच्चाधिकारियों तक पहुंची। बीती रात गोरखपुर सीएसपी एमडी नागोतियों की संभागीय गस्त थी, जिन्होंने अपनी स्क्वॉड व हनुमानताल थाने के चुनिंदा कर्मियों को लेकर मौके पर रेड मारी। जहां से पुलिस ने अनिकेत जांगड़े उर्फ अनिकेत खटीक, आदित्य खटीक, सुमित खटीक, अंकित खटीक, अनुराग विश्वकर्मा, अंकित कुमार बेन, शिव खटीक सभी निवासी सिद्धदात्री मंदिर के पास खटीक मोहल्ला, धर्मेन्द्र खटीक निवासी बकरा मंडी खटीक मोहल्ला, शिवम सोनी निवासी खाई मोहल्ला हनुमानताल, अभिषेक खटीक निवासी बड़ी खेरमाई खटीक मोहल्ला हनुमानताल को हिरासत में लिया। जिनके पास से पुलिस ने ताश के 52 पत्तें व पचास हजार तीन सौ रुपये की नगदी जब्त की।

बेलखेड़ा के ग्राम कुसली में वारदात

शराब के लिये रुपये न देने पर युवक पर रॉड से हमला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

बेलखेड़ा थानातंर्गत ग्राम कुसली में एक लगुन कार्यक्रम में शामिल होने गये युवक से तीन बदमाशों ने शराब के लिये रुपयों की मांग कर उस पर रॉड से हमला कर दिया। जिससे युवक को गंभीर चोटे आ गई, जिसे उपचार के लिये एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने बताया कि कुसली निवासी अनुज सोनी अपने दोस्त सम्यक जैन के साथ कार से यशवंत लोधी के यहां आयोजित लगुन कार्यक्रम में गये थे।

कार्यक्रम से लौटने के दौरान सम्यक कार निकालने लगा, तभी कुसली निवासी दुर्गेश उर्फ भूरा एवं सुनाचर निवासी देवी सिंह लोधी तथा अरूण ठाकुर आये दुर्गेश शराब पीने के लिये 1 हजार रूपये मांगने लगे। इसके बाद आरोपियों ने गालीगलौज करते हुए सम्यक पर रॉड से हमला कर दिया। जिसे उसके हाथ, पैर में गंभीर चोटे आ गई। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पुलिस पर गंभीर आरोप लगाकर ग्रामीणों ने किया जबलपुर-मंडला रोड पर चकाजाम

बरेला थाना क्षेत्र का मामला, अवैध खनन रोकते वक्त युवक की डूबने से हुई थी मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

बरेला थाना अंतर्गत जमतरा गांव में नर्मदा नदी से रेत खनन के दौरान डूबने से हुई युवक की मौत के मामले में मंगलवार को ग्रामीणों ने जबलपुर-मंडला रोड पर चकाजाम कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची ने समझाइश के बाद ग्रामीणों का प्रदर्शन खत्म करवाया।

ये है पूरा घटनाक्रम

दरअसल सोमवार को जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने रेत खनन की शिकायत पर जमतरा गांव में बने नर्मदा तट पर दबिश दी थी।

इस दौरान टीम को देख वहां से रेत निकाल रहा मानक वर्मा का युवक घबराकर नर्मदा नदी में कूद। जिसका शव कुछ देर बाद घाट किनारे मिला। इधर मंगलवार को पीएम के बाद जैसे ही मानक का शव गांव लाया गया तो सैकड़ों ग्रामीण जमा हुए और जबलपुर-मंडला रोड पर चक्काजाम कर दिया। जानकारी लगते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पुहंची और प्रदर्शनकारियों की समझाने में जुटी रही

दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग

प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों की मांग है कि दोषी पुलिस-प्रशासन अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। आरोप है कि एक सिपाही ने युवक को जानबूझकर नदी में डुबाया, जिससे उसकी मौत हुई। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मृतक के परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग उठाई। प्रशासन के आश्वासन के बाद परिजन और ग्रामीण शांत हुए और चक्काजाम समाप्त किया गया।

परिवार को मिली पांच लाख की सहायता राशि

इस घटना को लेकर एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत ली गई है, जिसकी जांच करवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि रेडक्रास फंड से एक लाख रुपए की राशि दी गई है। शासन की ओर से चार लाख रुपए दिए जाते हैं, वह भी दिए गए हैं। मर्ग दर्ज कर जांच जारी है।

शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक जल संकट, पानी के लिये संघर्ष

योजनाओं समेत आधुनिक संसाधनों ने छोड़ा साथ, झिरिया से बुझ रही प्यास

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले के एकोड़ी, घंघरिया और समरिया जैसे गांव आज उस सच्चाई का आईना बन गए हैं, जिसे हम अक्सर आंकड़ों और योजनाओं के शोर में नजरअंदाज कर देते हैं। यह विडंबना ही है कि एक ओर सरकारें हर घर नल, हर घर जल का दावा करती हैं, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण एक-एक बूंद पानी के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं। कई नल जल मिशन के तहत कार्य अधूरे पड़े है तो कही हेंडपम्प खराब है. मजबूरीवश ग्रामीण नदी-नालो मे झिरिया बनाकर अपनी प्यास बुझा रहे है। ऐसे में उन्हे कडे संघर्ष के साथ साथ कई संक्रमित बिमारीयों का भी सामना करना पड़ रहा है।

दरअसल, बालाघाट जिले के ग्रामीण इलाकों में जल संकट लगातार गंभीर होता जा रहा है। एकोड़ी, घंघरिया और समरिया जैसे गांवों में हालात इतने खराब हैं कि लोगों को पीने के पानी के लिए रोजाना जद्दोजहद करनी पड़ रही है। प्रशासनिक प्रयासों के बावजूद स्थिति में कोई ठोस सुधार नजर नहीं आ रहा है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश भी बढ़ने लगा है। एकोड़ी गांव की स्थिति बेहद चिंताजनक है। यहां पूरे गांव के लिए मात्र एक ही हेडपंप सही हालत में है, जिससे लोग पीने का पानी प्राप्त कर रहे हैं। गांव के अन्य हेडपंप या तो खराब हो चुके हैं या उनसे निकलने वाला पानी जंग लगा और दूषित है, जो उपयोग के लायक नहीं है। ऐसे में सुबह होते ही ग्रामीणों की भीड़ एकमात्र हेडपंप के पास जुट जाती है। पानी भरने की जल्दबाजी और कमी के कारण कई बार लोगों के बीच कहासुनी और विवाद की स्थिति भी बन जाती है। ग्राम एकोडी की जीरनबाई बावने समेत अन्य महिलाओं का कहना है कि उन्हे पानी के लिये रोजाना संघर्ष करना पड़ रहा है।

ग्राम एकोडी में पेयजल को लेकर संघर्ष पर एक नवविवाहिता रोशनी बावने का भी दर्द झलकता नजर आया। एक नवविवाहिता के जीवन में मायके से ससुराल तक का सफर सिर्फ रिश्तों का नहीं, बल्कि परिस्थितियों का भी होता है। जहाँ मायके में पानी जैसी बुनियादी सुविधा उपलब्ध थी, वहीं ससुराल में इसकी कमी ने उसके रोजमर्रा के जीवन को संघर्ष में बदल दिया। हर घर तक पानी पहुँचना केवल सुविधा नहीं, बल्कि सम्मान और समानता का अधिकार भी है। गांव में नल जल योजना के तहत पानी टंकी का निर्माण पिछले दो साल से अधूरा पडा है। जिसे लेकर गांव के युवा हितेश पथिये ने सीएम हेल्पलाईन में शिकायत भी दर्ज करवाई है। उनका कहना है कि सब्र का बांध टूट गया है, अब शायद शिकवा-शिकायतें के भरोसे ही समस्याओं का निराकरण हो पायेगा।

इसी तरह घंघरिया गांव के हालात भी कम गंभीर नहीं हैं। चांगोटोला क्षेत्र के घंघरिया गांव में ग्रामीण पानी के लिए प्राकृतिक स्त्रोतों पर निर्भर हो गए हैं। गांव के पास बहने वाली मनकुंवर नदी में ग्रामीणों ने गहरा गड्डा खोदकर झिरिया तैयार किया है, जिससे वे अपनी प्यास बुझा रहे हैं। यही पानी घरेलू जरूरतों के लिए भी इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी बढ़ रहे हैं। हालांकि सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना के तहत इन गांवों में पाइपलाइन बिछाई गई है, लेकिन इसका लाभ ग्रामीणों तक नहीं पहुंच पा रहा है। घंघरिया गांव में नलों से पानी की आपूर्ति बेहद सीमित है। कई दिनों तक पानी नहीं आता और जब आता भी है, तो बहुत कम मात्रा में मिलता है, जिससे ग्रामीणों की जरूरतें पूरी नहीं हो पातीं। ऐसे हालातो में उनके लिये मनकुंवर नदी पर बनाया गया झिरिया में विकल्प होता है। जहां का पानी वे अपने इस्तेंमाल में लाते है। कुछ ऐसे ही मिलते जुलते हालात बैहर क्षेत्र के सामरिया गावं के भी है। यहाँ के ग्रामीणो ने भी नदी मे झिरिया बनाया है और वहां का पानी इस्तेमाल करते है। भीषण गर्मी की कहानी तो अलग रही, समरिया के ग्रामीणों को बारिश मे ही हैडपंप से निकलने वाला गन्दा पानी उपयोग करना पड़ता है। ग्राम समरिया निवासी वैशाखुसिंह धुर्वे बताते है कि गंदे पानी के उपयोग से पूरे गांव में कई बिमारीयां होती है और गांव के बच्चे अक्सर बिमार ही रहते है। दांत-खाज-खुजली जैसे त्वचा रोग उनका साया बन चुका है।

तापमान के लगातार बढ़ते पारे के साथ जल संकट भी गहराता जा रहा है। शासन की नल-जल योजनाएं कई क्षेत्रों में दम तोड़ती नजर आ रही हैं। इन गांवो की समस्या देखने के बाद कह सकते है कि जिले के अनेक गांव ऐसे होगें, जहां पानी की समस्या अब विकराल रूप ले चुकी है और आने वाले समय में यह इतिहास का कड़वा अध्याय बनने की ओर बढ़ रही है। हैंडपंप हवा उगल रहे हैं, नदियां, तालाब और कुएं सूखते जा रहे हैं। हालात इतने भयावह हैं कि अब ये दृश्य केवल तस्वीरों की सुर्खियां नहीं, बल्कि रोजमर्रा की सच्चाई बन चुके हैं। घांघरिया गांव के पास बहने वाली मनकुंवर नदी, जो कभी जीवनदायिनी थी, अब रेत खनन के कारण सूखने की कगार पर है। जलस्तर इतना गिर चुका है कि लोगों को झिरिया बनाकर पानी निकालना पड़ रहा है। एकोड़ी गांव में भी स्थिति भयावह है। यहां हैंडपंप तो मौजूद हैं, लेकिन उनसे स्वच्छ पानी नहीं निकलता। यदि मानव ने अब भी प्रकृति के नियमों को नहीं समझा और जल संरक्षण की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए, तो आने वाला समय केवल सूखे और संकट की भयावह कहानी लिखेगा।

बोतल में पेट्रोल लेकर कलेक्ट्रेट पहुंची महिला, प्रशासन को दी आत्मदाह की चेतावनी

बालाघाट। जिले के कलेक्टरेट परिसर में उस समय हड़कंप मच गया जब एक महिला पेट्रोल से भरी बोतल और माचिस लेकर पहुंच गई और प्रशासन के खिलाफ तीखे आरोप लगाने लगी। महिला की पहचान नवसाद कुरैशी निवासी सिकंदरा के रूप में हुई है प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला कलेक्टरेट परिसर में पहुंचते ही भावुक हो गई और जोर-जोर से अपनी समस्या बताने लगी। जहां उसने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि पिछले पांच महीनों से वह अपनी जमीन के सीमांकन के लिए लगातार गुहार लगा रही है, लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। महिला का कहना है कि वह वर्ष 2025 से अब तक करीब 10 बार आवेदन कर चुकी है, बावजूद इसके अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इस दौरान उसने संबंधित पटवारी राकेश सोनी पर रिश्वत लेने और काम नहीं करने का भी आरोप लगाया है। इतना ही नहीं, महिला ने एक शिक्षक किशोर कटरे पर भी आरोप लगाया कि उसने उसकी भूमि पर जबरन अतिक्रमण कर लिया है, जिसके कारण उसे लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महिला के इस कदम से मौके पर मौजूद लोगों में हडकंच मच गया। वही सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी और कलेक्टेट परिसर में तैनात सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे और समझाइश देकर स्थिति को नियंत्रित किया। अधिकारियों ने महिला को आश्वासन दिया कि कल ही उसकी शिकायत को संज्ञान मे लेकर आवेदन के अनुसार भूमि का सीमांकन किया जायेगा। लेकिन इस घटना ने एक बार फिर प्रशासनिक व्यवस्था और शिकायत निवारण प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़िता नौशाद कुरेशी ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि वह पिछले कई महीनों से अपने मकान से लगी लगभग 14 डिसमिल जमीन के सीमांकन के लिए लगातार प्रशासन से गुहार लगा रही हैं। उन्होंने आवेदन, निवेदन और ज्ञापन देने के साथ-साथ सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।महिला का आरोप है कि उनकी जमीन पर पड़ोसियों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है। कई बार संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे भी, लेकिन सीमांकन की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। इससे वह मानसिक रूप से काफी परेशान हो चुकी हैं।इसी आक्रोश और निराशा के चलते 21 अप्रैल को दोपहर करीब 12 बजे महिला हाथों में पेट्रोल की बोतल और माचिस लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंच गई। वहां उसने रोते-बिलखते अपनी व्यथा मीडिया के सामने रखी और कहा कि अब उसके पास कोई विकल्प नहीं बचा है, इसलिए वह आत्मदाह जैसा कदम उठाने को मजबूर हो रही है।हालांकि मौके पर उसने तत्काल कोई कदम नहीं उठाया और अधिकारियों को एक दिन का समय देते हुए ज्ञापन सौंपा। महिला ने स्पष्ट कहा कि यदि 22 अप्रैल तक उसकी जमीन का सीमांकन नहीं किया गया, तो वह कलेक्ट्रेट परिसर में ही खुद पर पेट्रोल डालकर आत्महत्या कर लेगी।

दुगलई नाले में डूबने से 8 वर्षीय मासूम की मौत

बालाघाट। ग्रामीण थाना नवेगांव अंतर्गत दुगलई समनापुर में एक 8 वर्षीय बालक की नहाते समय नाले में डूबने से मौत हो गई। मृतक बालक का नाम दिव्यांश पिता मोहनसिंह इनवाती उम्र 8 वर्ष है जो ग्राम टाकाबर्रा लामता का निवासी है। जिसका पुलिस ने शव बरामद कर आवश्यक कार्यवाही की और शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है। जानकारी अनुसार, बालक दिव्यांश अपने मामा की बेटी की शादी में अपने माता-पिता और परिजनों के साथ 15 अप्रैल को ग्राम दुगलई आया हुआ था। शादी समारोह खत्म होने के बाद माता-पिता अपने गांव टाकाबर्रा लौट गए थे और दिव्यांश मामा गांव में ही रह गया था। दिव्यांश घर के पास में ही सुबह शाम अन्य दोस्तों के साथ बकरी चराने जाता था। 20 अप्रैल की शाम को दिव्यांश सहित तीन बालक बकरी चराने गए थे। शाम 5 बजे करीब एक बालक बकरी की ओर चला गया और दिव्यांश के साथ में एक बालक नाले में नहाने लगे। तभी दिव्यांश गहरे पानी में चला गया और लापता हो गया। जिसकी जानकारी एक बालक ने घर पहुंचकर दी और बताया कि दिव्यांश नाले में डूब गया है। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और नाले से दिव्यांश को निकाला गया, लेकिन उसकी मौत हो गई थी। इधर, सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्यवाही के पश्चात शव बरामद कर जिला अस्पताल के फ्रीजर में रखवाया। 21 अप्रैल की सुबह शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। बहरहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया गया है।

जमीनों के नाम ठगी करने वाले दो भाई गिरफ्तार

कटंगी(स्वतंत्र मत)

पाप का घड़ा एक दिन फुटता ही है। यह महज एक कहावत नहीं है बल्कि कड़वी सच्चाई है और आज यह कहावत फिर एक बार सहीं साबित हुई है। दरअसल, लंबे समय से जमीन की खरीदी-ब्रिकी करने वाले दो भाईयों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बालाघाट जिले की कटंगी पुलिस ने जमीनों के नाम पर दर्जनों लोगों से ठगी करने वाले दो सगे भाई मोहित और दीपक श्रीवास को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि इन दोनों भाईयों ने मिलकर एक ही जमीन को चार लोगों को दिखाकर उनसे खरीदी-ब्रिकी का सौदा कर लाखों रुपये वसूल किए है। शिकायत मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की और सबूतों के आधार पर दोनों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने रविवार-सोमवार की दरम्यिनी रात्रि करीब डेढ़ बजे उस वक्त आरोपियों को उनके घर से गिरफ्तार किया जब दोनों भाई एसी की ठंडी हवा में आराम से गहरी नींद में सोए हुए थे। जमीनों के नाम पर ठगी करने वाले दो भाइयों की गिरफ्तारी ने पूरे इलाके में हलचल मचा दी है। इन दो भाईयों के द्वारा ठगे गए लोगों को जैसे ही उनकी गिरफ्तारी की खबर मिली वह खुशी से झूम उठे और उन्हें देखने के लिए थाने पहुंचने लगें। दरअसल, लंबे समय से पीड़ित इन दोनों ही भाईयों की शिकायत कर पुलिस से कार्रवाई की मांग कर रहे थे। सोमवार को पुलिस ने दोनों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया और पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 318 (4), 336 (3), 338, 3 (5) की कार्रवाई की है। एसडीओपी विवेक कुमार शर्मा ने आरोपियों की गिरफ्तारी के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि आरोपियों ने प्रार्थी संदीप बोपचे निवासी कालीमाठी, रहीम कुरैशी, आयशा खान और परवेज खान तीनों निवासी कटंगी को प.ह.न. 27 खसरा नंबर 179/6/1 की जमीन दिखाकर खरीदी-ब्रिकी का सौदा किया। जबकि यह जमीन आरोपियों के नाम नहीं थी। पुलिस ने जब नगर परिषद और एसडीएम कार्यालय से जानकारी ली तो पता चला कि खसरा नंबर पर कोई कॉलोनी की अनुमति नहीं है और ना ही जमीन आरोपियों के नाम है। एसडीओपी ने बताया कि इन दोनों भाईयों के खिलाफ और भी लोगों ने शिकायती आवेदन दिया है जिनकी विस्तृत जांच जारी है। बता दें कि इन दोनों भाईयों ने ना केवल शहर और गांव के भोले-भाले लोगों को अपनी जाल में फंसाया बल्कि कई नौकरीपेशा लोग भी इनका शिकार हुए है लेकिन लोक लाज की वजह से वह कभी सामने आकर शिकायत नहीं करवा पाए। आम लोग जो इनसे ठगी का शिकार हुए वह करीब ढाई वर्षों से इनकी पुलिस में शिकायत करते हुए आ रहे है किंतु पुलिस ने पहली बार शिकायत पर जांच करते हुए आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबृद्ध किया है। गौरतलब हो कि पीड़ितों के द्वारा कटंगी थाने में एक नहीं बल्कि कई बार दोनों भाईयों की लिखित शिकायत की गई। पीड़ितों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में भी शिकायत की किंतु पुलिस ने इन शिकायतों को कभी गंभीरता से नहीं लिया। ऐसे में पीड़ितों ने आए दिन सीएम हेल्पलाईन में शिकायत कर पुलिस की कार्यशैली पर ही सवाल खड़े कर दिए। आखिरकार जब सीएम हेल्पलाइन में रैंकिग गिरने और वरिष्ट अधिकारियों से फटकार मिलने लगी तो पुलिस ने इस मामले में गंभीरता दिखाते हुए जांच शुरू की और पुलिस चाहकर भी आरोपियों को नहीं बचा पाई। पुलिस ने मजबूरी में ना सहीं परंतु पीड़ितों की दो वर्षों की लंबे लड़ाई के बाद आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबृद्ध किया आज जब दोनों ही आरोपियों को पुलिस न्यायालय के समक्ष पेश कर रही थी तो वह अपना मुंह छुपाते हुए नजर आ रहे थे। बताना जरूरी है कि कई लोगों ने अपने जीवन भर की पूंजी इन दोनों भाईयों के चक्कर में गंवा दी हैं जो अब वापस मिलने की उम्मीद भी नहीं है लेकिन आज जब पुलिस ने इन दोनों भाईयों को हथकड़ी पहना दी तो पीड़ितों को संतोष मिला और उनका कानून पर विश्वास स्थापित होते हुए दिखाई दिया। असल में लोगों ने स्वयं की जमीन पर पक्की छत का सपना देखते हुए इन दो भाईयों से जमीनों का सौदा किया था लेकिन जब जमीन की रजिस्ट्री की बात आई तो पता चलता कि ना पैसा देने के बाद ना जमीन उनकी है और ना ही पैसा उन्हें वापस मिलेगा। खैर, पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है और पुछताछ के लिए रिमांड ली है इन दो भाईयों ने करीब डेढ़ करोड़ रुपए से अधिक की राशि जमीनों की खरीदी-ब्रिकी के फर्जी सौदे से अर्जित की है।

वैवाहिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने उमरिया आये छत्तीसगढ़ के पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव

उमरिया (स्वतंत्रमत)। छत्तीसगढ़ के पूर्व उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव (टी.एस बाबा) अपने पूरे परिवार के साथ मंगलवार 21 अप्रैल को अम्बिकापुर से उमरिया नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी ओमप्रकाश शुक्ला के निज निवास घघरी नाका ताला बांधवगढ़ रोड पहुंचें, जहां उन्होंने शुक्ला पारिवार में आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होकर मुलाकात किया और आशीर्वाद दिया। यह कार्यक्रम ओम प्रकाश शुक्ला के भतीजे तथा सोमप्रकाश शुक्ला के ज्येष्ठ पुत्र आदर्श शुक्ला के विवाह के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। टी एस सिंहदेव के आगमन से पूरे परिवार और क्षेत्र में विशेष उत्साह का माहौल देखने को मिला।

तीन दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन 22 से 24 अप्रैल तक

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिला शिक्षा अधिकारी आर एस मरावी ने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र. भोपाल एवं जिला प्रशासन उमरिया के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला स्तरीय पुस्तक मेले का तीन दिवसीय आयोजन 22 अप्रैल से 24 अप्रैल तक जिला मुख्यालय की शा. उत्कृष्ट उ.मा.वि. उमरिया में प्रात: 7 बजे से 12 बजे तक किया जावेगा। पुस्तक मेले में विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम से संबंधित तथा प्रतियोगी परीक्षाओं एवं सामान्य ज्ञान इत्यादि से संबंधित विभिन्न प्रकार की ज्ञान वर्धक पुस्तकें उपलब्ध रहेंगी जिसे छात्र, अभिभावक या अन्य नागरिक अपनी आवश्यकतानुसार उचित दर पर क्रय कर सकेंगे।

कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्याएं, निराकरण के दिए निर्देश

उमरिया (स्वतंत्रमत)

आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के प्रति शासन एवं प्रशासन प्रतिबद्ध है। मंगलवार 21 अप्रैल को कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने जनसुनवाई में पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ 60 नागरिकों की समस्याएं सुनीं और प्रत्येक प्रकरण को संबंधित विभागों को तत्काल निराकरण हेतु प्रेषित किया। जनसुनवाई न केवल शिकायत दर्ज करने का मंच है,बल्कि लोगों का शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास की एक कड़ी भी है कि उनकी समस्याओं के प्रति प्रशासन सजग और उत्तरदायी है।

ग्रामीण समस्याओं से लेकर व्यक्तिगत सहायता तक हर मुद्दे पर ध्यान

जनसुनवाई में विभिन्न प्रकार की समस्याएं सामने आईं, जिनमें बुनियादी सुविधाओं से लेकर व्यक्तिगत सहायता तक के मामले शामिल रहे। रामखेलावन, बीरन, मुनीम, विपेन्द्र, जानकी तथा सोमती कोहका (47) ने हैंडपंप सुधार की मांग रखी, जबकि ग्राम तेंदुहा के प्रेमलाल प्रजापति ने विवाह सहायता दिलाने का आवेदन प्रस्तुत किया। भरत कुमार (चंदिया) ने धान विक्रय का भुगतान कराने की समस्या बताई, वहीं ग्राम टिकुरी के दयाराम कोरी ने पुस्तैनी भूमि से अवैध कब्जा हटवाने की गुहार लगाई।

राजस्व एवं रिकॉर्ड से जुड़ी समस्याओं पर विशेष फोकस- राजस्व संबंधी मामलों में भी नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं। तहसील मानपुर के छोटा बैगा ने हल्का पटवारी द्वारा किए गए नक्शा तरमीम को कम्प्यूटर में फीड कराने की मांग की।इसी तरह, समती बाई (चंदिया) ने नक्शा तरमीम कराने तथा ग्राम दुब्बार की गइली बाई बैगा ने रिकॉर्ड सुधार से संबंधित आवेदन दिया।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ दिलाने की पहल- सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मामलों में भी प्रशासन ने तत्परता दिखाई। बिरसिंहपुर पाली की सरफुनिया ने पति की मृत्यु उपरांत अनुग्रह सहायता दिलाने का आवेदन दिया, जबकि गोरइया निवासी सत्यराज सिंह ने खाद्यान्न पात्रता पर्ची के लिए गुहार लगाई।

कलेक्टर ने केंद्रीय विद्यालय का किया निरीक्षण निर्माण कार्यों और व्यवस्थाओं को लेकर दिए निर्देश

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मंगलवार 21 अप्रैल को कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने केंद्रीय विद्यालय का निरीक्षण कर विद्यालय से संबंधित विभिन्न समस्याओं, वर्तमान एवं नवीन भवन के निर्माण कार्यों एवं व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान अवगत कराया गया कि विद्यालय निर्माण हेतु भूमि का सीमांकन पंचनामा पूरा किया जा चुका है तथा टेंडर प्रक्रिया के लिए प्रस्ताव केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा भेजा जाना है। कलेक्टर ने ड्रॉइंग एवं डिजाइन का कार्य जल्द से जल्द प्रारंभ करने तथा संबंधित विभागों को प्रक्रिया को फास्ट ट्रैक करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नवीन केंद्रीय विद्यालय भवन निर्माण शुरू होते ही अप्रोच रोड का कार्य भी पूरा कर लिया जाएगा। जिला प्रशासन की ओर से निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया। विद्यालय में मौजूद एस्बेस्टस शीट की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने तकनीकी टीम से जांच कराकर बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वर्तमान विद्यालय की पहुंच रोड के सुधार के लिए भी मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा कराए जाने के निर्देश दिए साथ ही आवश्यक मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्यों के लिए जल्द ही प्रक्रिया शुरू करने की बात कही। छात्रों के लिए पेयजल व्यवस्था सुधारने हेतु वाटर कूलर और वाटर फिल्टर लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही,पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच प्रत्येक माह पीएचई विभाग द्वारा किए जाने के निर्देश दिए गए। आरआई प्रशिक्षण के अंतर्गत बोरवेल के पानी को 2000 लीटर की टंकी में संग्रहित कर आरओ सिस्टम के माध्यम से शुद्ध करने की व्यवस्था सीएमओ के माध्यम से कराने की बात कही गई। अप्रोच रोड की मरम्मत का कार्य नगर पालिका द्वारा शीघ्र कराया जाएगा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्पोर्ट्स टीचर से खेल गतिविधियों की जानकारी ली। इसके उपरांत उन्होंने आरआई ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का भी निरीक्षण किया।

भ्रष्ट अधिकारी को मिला संरक्षण, नहीं हो सकी जांच

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वाटरशेड के कामों में सरकारी धन की गफलत

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वाटरशेड विकास 2.0 परियोजना के अंतर्गत किए जा रहे कामों पर सवाल खड़े हो गए हैं। वर्षो से पदस्थ कार्यक्रम परियोजना अधिकारी सरकारी धन की होली खेलने के लिए चर्चित रहे हैं बीते माह यह मामला विधानसभा में भी उठाया जा चुका है। जहां जैसे तैसे मामले को दबाया गया है। सूत्रों के हवाले जिले भर में इस योजना के अंतर्गत करोड़ो रूपए के काम चल रहे हैं। इन कामों की जिम्मेदारी निभा रहे अधिकारी और कर्मचारी जमकर सरकारी धन की होली खेल रहे है वहीं पदस्थ अधिकारी की शिकायत भी लंबित बताई जाती है जिस पर अब तक कोई कार्यवाही नही हो पाई है मामला जिला पंचायत से जुड़ा होने के कारण जबावदार वरिष्ठ अधिकारी मामले को दबा रहे हैं। जबकि यह सिंचाई योजना प्रधानमंत्री की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक कहीं जाती है।

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत जिले में संचालित वाटरशेड (जलागम) विकास कार्य इन दिनों गंभीर आरोपों के घेरे में हैं। किसानों की आय बढ़ाने जल संरक्षण को मजबूत करने और हर खेत को पानी पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना का मंडला जिले में क्रियान्वयन अब सवालों के कटघरे में खड़ा दिखाई दे रहा है। जिले के कई ग्राम पंचायतों से लगातार ऐसी शिकायतें सामने आ रही हैं कि वाटरशेड विकास के नाम पर पानी की तरह पैसे तो खर्च किए जा रहे हैं लेकिन जमीनी स्तर पर कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता दोनों ही नदारद हैं। कागजों में तालाब, चेकडैम, कंटूर बंडिंग, गली प्लग, खेत तालाब और अन्य जल संरचनाओं का निर्माण पूर्ण दर्शाया गया है जबकि वास्तविकता में कई स्थानों पर ये कार्य अधूरे पड़े हैं या फिर बेहद घटिया स्तर पर किए गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि योजना के तहत स्वीकृत कार्यों में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। मजदूरों के नाम पर फर्जी मस्टर रोल तैयार कर भुगतान निकाल लिया जाता है जबकि वास्तविक मजदूरों को पूरा मेहनताना तक नहीं मिल पाता। कई गांवों में ऐसे भी उदाहरण सामने आए हैं जहां बिना किसी कार्य के ही कागजों में निर्माण दिखाकर राशि आहरित कर ली गई। इससे स्पष्ट होता है कि योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचने के बजाय कुछ लोगों की जेबें भरने का जरिया बन गया है।

वाटरशेड विकास का मूल उद्देश्य वर्षा जल को संरक्षित कर भूजल स्तर को बढ़ाना और सूखे की स्थिति में किसानों को सिंचाई के लिए स्थायी समाधान उपलब्ध कराना है। लेकिन मंडला जिले के कई क्षेत्रों में आज भी किसान पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। जिन खेतों में सिंचाई की सुविधा पहुंचनी थी वहां आज भी बारिश पर निर्भरता बनी हुई है। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि योजना का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है। सूत्रों के अनुसार पंचायत स्तर पर जिम्मेदार अधिकारियों, तकनीकी कर्मचारियों और ठेकेदारों के बीच मिलीभगत के चलते इस प्रकार की अनियमितताएं सामने आ रही हैं। निर्माण कार्यों में मानक सामग्री का उपयोग नहीं किया जा रहा जिससे थोड़े समय में ही संरचनाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। कई स्थानों पर बनाए गए चेकडैम और जल संरचनाएं पहली ही बारिश में बह गईं या टूट गईं जिससे सरकारी धन का सीधा नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि जब वे इन गड़बड़ियों की शिकायत करते हैं तो उनकी आवाज को दबाने का प्रयास किया जाता है। कई मामलों में शिकायतों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती जिससे भ्रष्टाचार को और बढ़ावा मिलता है।

यह स्थिति न केवल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है बल्कि आम जनता के भरोसे को भी कमजोर करती है विशेषज्ञों का मानना है कि वाटरशेड जैसी योजनाओं में नियमित मॉनिटरिंग, तकनीकी निरीक्षण और सामाजिक अंकेक्षण सोशल ऑडिट बेहद जरूरी होता है। यदि इन प्रक्रियाओं को गंभीरता से लागू नहीं किया जाए तो योजनाएं भ्रष्टाचार का अड्डा बन जाती हैं। जिले में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है जहां कागजी प्रगति और वास्तविक विकास के बीच बड़ा अंतर साफ नजर आता है। जिले में कई ऐसे गांव हैं जहां वाटरशेड कार्यों के लिए लाखों रुपये स्वीकृत किए गए लेकिन वहां न तो कोई स्थायी जल संरचना दिखाई देती है और न ही किसानों को इसका लाभ मिल रहा है। इससे यह सवाल उठता है कि आखिर यह राशि कहां खर्च हो रही है और इसकी जवाबदेही कौन लेगा। सरकार द्वारा इस योजना के तहत पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं लेकिन उनका पालन जमीनी स्तर पर होता नहीं दिख रहा है।

अधिकारियों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण और रिपोर्टिंग की जाती है, फिर भी यदि इस प्रकार की अनियमितताएं सामने आ रही हैं, तो यह पूरी प्रणाली की कार्यक्षमता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। किसानों का कहना है कि यदि वाटरशेड विकास कार्य सही तरीके से किए जाएं तो उन्हें सिंचाई के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और उनकी फसल उत्पादन क्षमता में भी वृद्धि होगी। लेकिन वर्तमान स्थिति में यह योजना उनके लिए लाभकारी साबित होने के बजाय निराशा का कारण बनती जा रही है। इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब केंद्र और राज्य सरकारें किसानों के हित में योजनाएं चला रही हैं और उन पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं तो आखिर जमीनी स्तर पर इसका परिणाम क्यों नहीं दिखाई दे रहा क्या जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका सिर्फ कागजी कार्रवाई तक सीमित रह गई है।

ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने मांग की है कि मंडला जिले में वाटरशेड विकास कार्यों की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और जिन अधिकारियों व ठेकेदारों की भूमिका संदिग्ध पाई जाए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही भविष्य में इस प्रकार की गड़बड़ियों को रोकने के लिए निगरानी तंत्र को मजबूत किया जाए और सामाजिक अंकेक्षण को अनिवार्य रूप से लागू किया जाए।

छात्रावास में व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

शंकर शाह रघुनाथ शाह शासकीय बालक आश्रम एवं सीनियर बालक छात्रावास रामनगर का निरीक्षण जनजातीय कार्य विभाग अधिकारी विष्णु सिंगोर द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं छात्रों की उपस्थिति एवं शैक्षणिक स्तर का जायजा लेकर बालक आश्रम में कक्षा 3 के छात्रों से अंग्रेजी एवं गणित विषय में सामान्य शैक्षणिक संवाद किया। इस दौरान छात्रों का गणित एवं अंग्रेजी विषय में शैक्षणिक स्तर अपेक्षाकृत कमजोर पाया गया। इस पर कक्षा शिक्षिका को विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान भृत्य संजय कुंजाम 6 अप्रैल से बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित मिले उन्हें जिला कार्यालय में उपस्थित होकर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। वहीं सीनियर बालक छात्रावास रामनगर में छात्रों की उपस्थिति कम पाई गई। अधीक्षक को छात्रावास भवन की पुताई कराने, सूचना पटल में वरिष्ठ अधिकारियों के नाम एवं मोबाइल नंबर अपडेट करने, साथ ही स्नान कक्ष, शौचालय, रसोईघर एवं भंडार कक्ष की साफ-सफाई एवं आवश्यक मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, किए गए कार्यों का पालन प्रतिवेदन जिला कार्यालय को भेजने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान समस्त व्यवस्थाओं को शीघ्र दुरुस्त करने पर विशेष जोर दिया गया।

निर्माण कार्यों में नही चलेगी लापरवाही : कलेक्टर

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत जिले में संचालित कार्यों की प्रगति को लेकर कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने विभागीय समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी निर्माण एवं मरम्मत कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं बैठक के दौरान वर्ष 2026-27 में प्रस्तावित कार्यों सहित वर्तमान में प्रचलित निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्री धोटे ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक नए कार्य के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय की जाए और उसका नियमित फॉलोअप सुनिश्चित किया जाए ताकि किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने मरम्मत कार्यों को निरंतर जारी रखने पर जोर देते हुए कहा कि अधिकारी नियमित रूप से फील्ड विजिट कर कार्यों का भौतिक सत्यापन करें। साथ ही लंबित निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए कलेक्टर ने विशेष रूप से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि उपयोग में लाई जा रही सामग्री का नियमित परीक्षण किया जाए उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक कार्य का निरीक्षण कर गुणवत्ता परीक्षण उपरांत विस्तृत प्रतिवेदन तैयार किया जाए कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि कार्यों में लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि तय मानकों का पालन करते हुए ही कार्य संपादित किए जाएं ताकि आमजन को बेहतर और टिकाऊ आधारभूत सुविधाएं मिल सकें।

चुटका परमाणु परियोजना की बैठक

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने चुटका परमाणु परियोजना क्रियान्वयन के लिए की जा रही कार्यवाही समीक्षा की। गोलमेज कक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि चुटका परमाणु परियोजना का क्रियांवयन पहले ही विलंबित है इसलिए आवश्यक है कि हम इसके लिए निर्धारित टाइमलाइन का पालन करें। बैठक में उन्होंने भू-अर्जन, अवार्ड, दोहरे विस्थापन, आर एण्ड आर कालोनी गौंझीमाल की स्थिति, पुनर्वास, टिकरिया- मानेगांव-चुटका सड़क निर्माण सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

छात्रों ने दीवार लेखन से दिया संदेश

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

जन अभियान परिषद जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी एवं ब्लाक समन्वयक संतोष झारिया के मार्गदर्शन में परामर्शदाता रागिनी हरदहा की उपस्थिति में बीएसडब्लू द्वितीय वर्ष के छात्र छात्राओं के द्वारा ईडन गार्डन में जल संरक्षण के विषय पर दीवार लेखन कर पृथक पृथक श्लोगनों जल का बूंद बूंद अनमोल इसे बचाओ तुम, जल संवर्धन कीजिए सारा पुण्य कमा लीजिये जल की सुरक्षा जीवन रक्षा के माध्यम से लोगो को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि जल हमारे जीवन में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और हमें इसे व्यर्थ में न बहाकर इसका संवर्धन करना चाहिए।

रागिनी हरदहा ने बताया की जल का कतरा कतरा मानव से लेकर पशु, पक्षी, पेड़ पौधों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है इसलिए जन अभियान परिषद के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसी के साथ गंगोत्री बड़गैयां ने जल बिना सब सून को अपने शब्दों में कहा कि जल के बिना जीवन कि कल्पना भी नहीं कर सकते इसीलिए जल का उपयोग हमें सोच समझकर जहां आवश्यक हो वहीं करना चाहिए उक्त कार्यक्रम में संतोष कछवाहा, राजेंद्र सिंगौर, चंद्रभान, पूजा तिवारी, दसिया सहित अन्य छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

हादसे में एक की मौत, दूसरा गंभीर

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

उपनगर महाराजपुर में सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं फॉरेस्ट नाका के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान 45 वर्षीय राजकुमार उइके के रूप में हुई है जो मूल रूप से कुरवाही के निवासी थे और वर्तमान में बिंझिया में रह रहे थे। वहीं घायल कमलेश धुर्वे 30 वर्षीय बिंझिया ग्राम पंचायत के वार्ड सदस्य हैं दोनों रिश्ते में चाचा-भतीजा बताए जा रहे हैं वे एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने बेहंगा गांव गए थे कार्यक्रम से लौटते समय देर रात करीब 1 बजे उनकी बाइक को फॉरेस्ट नाका के पास किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी कि राजकुमार उइके ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि कमलेश गंभीर रूप से घायल हो गए घायल कमलेश धुर्वे को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया जहां से जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है जहां उनका इलाज जारी है फिलहाल पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी हुई है।

मंडला टीम बनी उपविजेता, इंदौर में लहराया परचम

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

मप्र फुटबॉल एसोसिएशन के द्वारा अंडर-20 बालक राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगता का आयोजन 12 अप्रैल से 19 अप्रैल तक इंदौर के नेहरू स्टेडियम में किया गया इस प्रतियोगता में मध्य प्रदेश के 16 जिले की टीमो ने भाग लिया फुटबॉल कोच-पंकज उसराठे ने बताया कि इस प्रतियोगिता के लीग मैचों में मंडला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी लीग मैच में जीत दर्ज की। 18 अप्रैल को सेमीफाइनल मैच डीएफए मंडला व डीएफए जबलपुर के बीच खेला गया। इस संघर्षपूर्ण और रोमांचक मैच में मंडला ने जबलपुर को कड़े संघर्ष के बाद एक के मुकाबले दो गोल से शिकस्त दी इस जीत के साथ मण्डला की टीम ने फाइनल में प्रवेश कर इतिहास बन दिया अब डीएफए मण्डला खिताब से महज एक कदम दूर था अंडर-20 बालक राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगता का फाइनल 19 अप्रैल को डीएफए मंडला व डीएफए इंदौर के बीच खेला गया। इस कड़े मुकाबले में निर्धारित समय तक दोनों ही टीम एक दूसरे पर गोल करने में कामयाब नही हुई मैच का निर्णय पेनल्टी किक के द्वारा किया गया पेनल्टी शूट आउट में इंदौर की टीम 3 के मुकाबले 5 गोल से खिताबी जीत दर्ज की फाइनल जीतकर भले ही इंदौर की टीम चैंपियन बनी हो लेकिन मंडला की टीम ने दर्शकों का दिल जीत लिया मंडला टीम के प्रदर्शन को दर्शकों ने खूब सराहा टीम के शानदार प्रदर्शन की बदौलत डीएफए मंडला के 10 खिलाड़ियों का चयन अंडर-20 मध्यप्रदेश नेशनल कैम्प के लिये किया गया। खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन के लिये जिला फुटबॉल संघ अध्यक्ष डॉ. दिलीप शर्मा, जिला खेल अधिकारी विकास खरड़कर, अनिल सोनी, प्रिया नाडकर्णी, संघ के सदस्य राजेश पाठक, भीष्म द्विवेदी, वेदप्रकाश कुलस्ते, सत्य नारायण अग्रवाल, पप्पू शर्मा, सुनील सराफ, चंद्रेश खरे, मतीन ख़ान, दिग्विजय सिंह, शैलेश दुबे, पुरूषोत्तम उसराठे, अभिनव जैन, सैयद जावेद अली, समीर बाजपेयी, अमित अग्रवाल, डॉ. आकाश खत्री, सोना दुबे, त्रिलोक डोगरे, कुशल भवेदी, राजीव धुर्वे, प्रशांत सांडिया, मुसवी हसन, पवन नंदा, देवेंद्र सरोते एवं समस्त सदस्यों व सभी खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएँ प्रेषित की व उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

मूर्ति स्थापना के साथ उल्लास से मनाया गया, परशुराम भगवान का प्राकट्य उत्सव

त्रिदिवसीय धार्मिक अनुष्ठान के साथ निकली शोभायात्रा

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। विप्रो के आराध्य देव भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव नगर के उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रगति शील ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुराम की दिव्य मूर्ति स्थापित की गई। जाहिर है कि समाज के द्वारा नगर के ट्राफिक लाईन श्री हनुमान मंदिर में त्रिदिवसीय धार्मिक अनुष्ठान किया गया था। जहां वेद मंत्रोपचार के साथ भगवान परशुराम जी की अचल प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। जिसके तहत 18 अप्रैल को श्री गणेश पूजन प्रतिष्ठा शाम 6 बजे आहूत हुई। 19 अप्रैल को मंडल स्थापना पूजन, प्रतिमा अधिवास सुबह 9 बजे से आरम्भ किया गया जो सारे दिवस चला। जबकि 20 अप्रैल को देशाटन एवं प्राणप्रतिष्ठा, स्थापना, पूजा, आराधना हवन आरती का कार्यक्रम सुबह 9 बजे से अनवरत जारी रहते हुए दिनभर चलता रहा। यह पहला अवसर है जब नगर में प्रगतिशील ब्राह्मण समाज नैनपुर के संकल्प से भगवान परशुराम जी की मूर्ति स्थापित की गई है। सम्पूर्ण धार्मिक आयोजन नगर के वार्ड 9 ट्राफिक लाईन स्थित श्री हनुमान मंदिर परिसर में सम्पन्न किये गये। श्री परशुराम प्राकट्य अवसर परदेर शाम 6 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमे सभी स्वजातीय विप्र जनों और धर्म प्रेमियों ने अपनी सहभागिता रखी। शोभायात्रा आयोजन स्थल से आरम्भ हुई। जो रेलवे फाटक, मुख्य मार्ग से चकोर तट, उमरिया होकर पुन: आयोजन स्थल में आकर सम्पन्न हुई। इसमे सामाजिक महिला और पुरुषों ने अपनी उल्लसित सहभागिता रखी। शोभायात्रा के उपरांत मंदिर परिसर में ही सामाजिक भोज व प्रसादी वितरण के साथ आयोजन का समापन किया गया।

विवेकानंद स्कूल के परीक्षा परिणाम घोषित

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

माध्यमिक शिक्षा मंडल हाई स्कूल एवं हायर हायर सेकेंडरी स्कूल के वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किये गये । नगर में संचालित संस्था विवेकानंद ज्ञानपीठ समिति के द्वारा संचालित विद्यालय विवेकानंद इंग्लिश मीडियम हायर सेकंडरी के कक्षा बारहवी में प्रथम स्थान हर्षिता श्रीवास 87.8 प्रतिशत द्वितीय स्थान रिया ठाकुर 84.6 प्रतिशत एवं आकाश भांवरे 83.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। इसी तरह दसवीं कक्षा में नैनसी ठाकुर ने 95.2 प्रतिशत, मनीषा झारिया 93.2 प्रतिशत, वंदिता मिश्रा 92.2 प्रतिशत, रुचि रजक 92.6 प्रतिशत ,आकांक्षा साहू 92.2 प्रतिशत, अंक प्राप्त कर विवेकानंद ज्ञानपीट समिति का नाम रोशन किया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण व संस्था के अध्यक्ष प्रवीण खंडेलवाल, उपाध्यक्ष मनीष सोनी, सचिव राकेश शर्मा, कोषाध्यक्ष विकाश शर्मा एवं समिति के सदस्य कमल नारायण जायसवाल, डॉ संतोष चौहान, सुबोध नाहटा, जितेन्द्र खंडेलवाल. नितिन ठाकुस सहित प्राचार्य ज्योति मुदगल एवं सभी शिक्षक शिक्षिकारों की ने सभी छात छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना किया।

ग्रामीणों ने किया श्रमदान

मण्डला। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था आदिवासी जनकल्याण विकास संस्थान द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम जवैधा माल में पेयजल स्त्रोतों की साफ-सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया गया इस दौरान जल स्त्रोतों के आसपास जमा कचरा-गंदगी हटाकर स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया गया।

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति नैनपुर, जिला मण्डला (म.प्र.)

क्र./मंडी/तौलकांटा/ 2026-27/49 नैनपुर,दिनांक-21/4/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

कृषि उपज मंडी समिति नैनपुर घ श्रेणी मंडी द्वारा ई-टेण्डरिंग के माध्यम से स्वयं के व्यय पर बिल्ट ऑपरेट एण्ड ट्रांसफर (बी.ओ.टी.) के तहत संरचना की स्थापना एवं संचालन हेतु वार्षिक प्रीमियम के आधार पर निविदा सिस्टम क्रमांक 2026_MPSAM_501989_1 के अंतर्गत ऑन लाईन निविदायें दिनांक 13.05.2026 को शाम 3.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है । निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई - निविदा के पोर्टल https://mptenders.gov.in पर प्राप्त होगी एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मंडी बोर्ड के पोर्टल www.mpmandiboard.co.in पर भी अवलोकनीय होगी। नोट- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जावेगी ।

सचिव
कृषि उपज मंडी समिति, नैनपुर

संपादकीय

बमवारी विकास दर पर भारी

ईरान युद्ध अब बिल्कुल खत्म होना चाहिए। बहुत विनाश और विध्वंस हो चुका है। बेशक ईरान सार्वजनिक तौर पर कबूल न करे, लेकिन वह कब्रिस्तान-सा हो चुका है। घोर आर्थिक संकट की स्थिति है। दूसरी तरफ अमरीकी कांग्रेस (संसद) का एक मजबूत पक्ष और अमरीका की ही बहुतायत जनता राष्ट्रपति ट्रंप पर युद्ध खत्म करने का चौतरफा दबाव डाल रही हैं। ईरान का परिष्कृत यूरेनियम कब्जाने की नाकामी के कारण दुनिया को 'फिरौती' के लिए विवश नहीं किया जा सकता। गौरतलब यह है कि बीते साल वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर 3.4 फीसदी थी। जनवरी में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने आकलन दिया था कि 2026 में भी कमोबेश विकास-दर 3.4 फीसदी ही रहेगी। अब उसने अपना आकलन संशोधित कर कहा है कि अर्थव्यवस्था घट कर 3.1 फीसदी हो सकती है, लेकिन आईएमएफ के ही मुख्य अर्थशास्त्री का आकलन 2.5 फीसदी तक लुढ़कने का है। आखिर यह गिरावट क्यों है? क्योंकि ईरान युद्ध बुनियादी तौर पर अब भी जारी है और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग की तालाबंदी, नाकाबंदी की गई है। नतीजतन सैकड़ों देशों के तेल-गैस, खाद, अन्य उपयोगी सामानों की आवाजाही ठप है। होर्मुज बंद होने के कारण और तेल-गैस ठिकानों के, ईरानी हमलों में, क्षतिग्रस्त होने के कारण खाड़ी देशों ने उत्पादन ही कम कर दिया है। एक अनुमान है कि 50 करोड़ बैरल तेल का उत्पादन कम किया गया है, जिसकी कीमत 50 अरब डॉलर बताई जा रही है। कोई भी देश एलएनजी होर्मुज के पार नहीं भेज पा रहा है, नतीजतन उर्वरक, अल्युमीनियम, हीलियम, सल्फर आदि की घोर कमी सामने आई है। खाद 300 डॉलर प्रति टन महंगी हो गई है। तांबा और निकल के उत्पादन भी प्रभावित हुए हैं। निकल का इस्तेमाल स्टेनलेस स्टील और सिक्के बनाने में होता है। बहरहाल यदि जंग जारी रही, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर मात्र 2 फीसदी हो सकती है। यदि राष्ट्रपति ट्रंप के भीतर दुनिया के प्रति चिंताएं और सरोकार हैं, तो उन्हें ईरान के साथ सार्थक, ईमानदाराना बातचीत करनी चाहिए। अपने प्रतिनिधिमंडल को ऐसे ही निर्देश देने चाहिए, जिससे समझौता हो सके। ट्रंप को बार-बार ईरान के सभी बिजली संयंत्र, पुल, रेल नेटवर्क को तबाह, बर्बाद करने के बयानों से बचना चाहिए। राष्ट्रपति स्तर का कोई भी व्यक्ति ऐसी भाषा नहीं बोलता। यह साम्राज्यवाद की भाषा है। ट्रंप को शेष दुनिया के विशेषज्ञ और नेतागण 'सनकी' मान रहे हैं, तो उसकी बुनियादी वजह यही है कि वह दुनिया को अपना 'गुलाम' बना लेना चाहते हैं। अमरीका और इजरायल ईरान के करीब 90,000 घर मिट्टी-मलबा कर चुके हैं। सैकड़ों अस्पताल और स्कूल जमींदोज कर दिए गए हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री को भी न जाने विनाश और विध्वंस में क्या सुकून मिलता है या कौनसी सुरक्षा निहित है! ईरान कुल 25 लाख करोड़ रुपए का नुकसान आंक रहा है, लिहाजा अमरीका समेत सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर आदि खाड़ी देशों से भी ईरान मुआवजा मांग रहा है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की रपट है कि ईरान युद्ध से करीब 25 लाख लोग गरीबी की चपेट में आ चुके हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि 51 दिन के बाद अब भी युद्ध समाप्त कर दिया जाए, तो भी तेल-गैस के दाम 2030 से पहले सामान्य स्तर पर लौटना मुश्किल हैं। होर्मुज के सामान्य होने में ही तीन माह लगेंगे। ऐसे में राष्ट्रपति ट्रंप चाहें, तो जंग खत्म हो सकती है। यदि अमरीकी राष्ट्रपति के भीतर कोई 'इनसान' मौजूद है, तो उसे उत्प्रेरक की भूमिका अदा करनी चाहिए और ट्रंप के मानस में इनसानियत के प्रति सोचने का एहसास पैदा करना चाहिए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता: सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं।

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मर्यादाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है।

वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा।

सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मानपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। साररूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यह उसी गति से विनाश का कारण भी बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के विकास के साथ-साथ अपने नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करें। विज्ञान और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन ही वह मार्ग है, जो हमें सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है।

भारत-बांग्लादेश : भर रही दरार

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

भारत और बांग्लादेश संबंध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक रूप से गहरे रहे हैं जो 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की भूमिका से बने हैं। भारत ने 1971 में बांग्लादेश को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दी थी जो द्विपक्षीय संबंधों की आधारशिला बने। नई दिल्ली और ढाका के रिश्ते किसी कूटनीति से कहीं आगे जाते हैं। साझा सीमाएं, साझा नदियां और सांस्कृतिक नजदीकी इन रिश्तों को खास बनाती है। शेख हसीना के तख्ता पलट के बाद भारत और बांग्लादेश में हिन्दुओं की हत्याओं के बाद दोनों देशों के संबंधों में आई दरार अब धीरे-धीरे भरने लगी है। संबंधों में तल्खी के बावजूद भारत ने हमेशा दु:ख-सुख में बांग्लादेश का साथ दिया। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और कच्चे तेल की सप्लाई पर पड़े असर ने दक्षिण एशिया की अर्थववस्थाओं को हिला दिया। ऐसे वक्त में भारत ने 'पड़ोसी प्रथम' नीति को जमीन पर उतारते हुए बांग्लादेश का साथ दिया। बांग्लादेश ने भारत से डीजल सप्लाई बढ़ाने की गुजारिश की थी तब मोदी सरकार ने दोनों देशों के बीच मौजूदा पाइपलाइन के जरिए डीजल की सप्लाई जारी रखी और सप्लाई बढ़ाने का भरोसा भी दिया। यद्यपि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान, स्वर्गीय प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे हैं जिनके शासनकाल में दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट का दौरा देखा गया था लेकिन तारिक रहमान के नेतृत्व में बनी नई सरकार भारत के साथ द्विपक्षी संबंधों को मजबूत बनाने के लिए आगे बढ़ रही है।

भारत ने भी बार-बार साबित किया है कि वह बांग्लादेश का भरोसेमंद साझेदार है। अब खबर यह है कि मोदी सरकार ने वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश का अगला उच्चायुक्त नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति कई मायनों में रणनीतिक मानी जा रही है। इसकी वजह यह है कि पड़ोस के देश में उच्चायुक्त की नियुक्ति पाने वाले त्रिवेदी पहले राजनीतिक व्यक्ति होंगे। इससे पहले पड़ोसी देशों में यह पद भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों को ही दिया जाता रहा है। इस नियुक्ति में कूटनीतिक हल्कों में एक सवाल जरूर खड़ा किया है कि क्या कूटनीति केवल विदेश सेवा के अधिकारियों तक सीमित है या फिर कोई नॉन डिप्लोमैट भी किसी देश का उच्चायुक्त बन सकता है। भारतीय संविधान और विदेश मंत्रालय के नियम सरकार को यह अधिकार देते हैं कि वह किसी भी ऐसे व्यक्ति को मिशन प्रमुख नियुक्त कर सकें जो देशके हितों की रक्षा करने में सक्षम हो। इनका चयन संबंधों को मजबूत बनाने के लिए ही किया जाता है। ऐसी नियुक्तियों के उदाहरण हमें पहले भी मिलते रहे हैं। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने प्रसिद्ध हिन्दी कवि और शिक्षाविद डॉक्टर शिव मंगल सिंह सुमन को नेपाल स्थित भारतीय दूतावास में प्रेस और सांस्कृतिक अटैची के रूप में नियुक्त किया था। डाक्टर सुमन 1956 से 1961 तक काठमांडू में रहे और उन्होंने भारत-नेपाल के बीच सांस्कृतिक संबंधों और साझा विरासत को आगे बढ़ाया।

पत्रकार कुलदीप नायर 1990 के दशक में यूके में भारत के उच्चायुक्त रहे, जो एक गैर-सरकारी और गैर-राजनयिक पृष्ठभूमि से थे। इसी तरह, प्रख्यात विधिवेत्ता और राजनेता डॉ. एल.एम. सिंघवी को भी यूके में उच्चायुक्त के रूप में कूटनीतिक कमान सौंपी गई थी। हाल के वर्षों में देखें तो पूर्व आईपीएस अधिकारी अहमद जावेद को सऊदी अरब में भारत का राजदूत बनाया गया था। यहां तक कि न्यूजीलैंड जैसे देशों में पूर्व सैन्य अधिकारियों (एडमिरल) को भी भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है। दिनेश त्रिवेदी पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं और बांग्लादेश के मामलों की अच्छी समझ रखते हैं। वे बांग्लादेश के साथ सीमा प्रबंधन, अवैध घुसपैठ, व्यापार और सांस्कृतिक मुद्दों की बारीकियां जानते हैं। रेल मंत्री रहते हुएवे बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजैक्ट संभाल चुके हैं। उनका अनुभव देशके नाम आ सकता है। मोदी सरकार ने उनकी नियुक्ति के जरिए दोनों देशों के संबंधों को दोबारा पटरी पर लाने का संकेत दे दिया है। प्राय: देखा गया है कि विदेश सेवा के अधिकारी सरकारी प्रोटोकाल के तहत काम करते हैं और वह नियमों के तहत बंधे होते हैं। जबकि राजनीतिक व्यक्ति किसी दायरे में नहीं बंधते और वह खुलकर काम करते हैं।

हाल ही में बांग्लादेश के विदेशमंत्री खलीलुर रहमान भारत आए थे और उन्होंने गंगाजल संधि पर फिर से बातचीत शुरू की थी और यह भी संकेत दिया था कि बांग्लादेश की विदेशनीति किसी एक देश के खिलाफ नहीं है। चीन के साथ संबंधों को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया था यह जीरो-सम गेम नहीं है और भारत बाहरी पार्टनर नहीं बल्कि अच्छा साझीदार है। माना जा रहा है कि बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त बनने के बाद दिनेश त्रिवेदी, दोनों मुल्कों में ट्रेड और रेल, सड़क कनेक्टिविटी बढ़ाने में अहम योगदान दे सकते हैं। वे बांग्लादेश में चीन के बढ़ते प्रभाव को काउंटर कर भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति को मजबूत कर सकते हैं। ऐसे में दिनेश त्रिवेदी की नियुक्ति सामान्य कूटनीतिक बदलाव नहीं, बल्कि रणनीतिक पुनर्गठन भी हो सकता है। जानकारों का मानना है कि ऐसा करके मोदी सरकार यह दर्शा रही है कि वह पड़ोस में सक्रिय, अनुभवी और राजनीतिक रूप से मजबूत प्रतिनिधि भेजकर संबंधों को नई दिशा देना चाहती है। हालांकि, उसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इस पहल पर बांग्लादेश किस तरह सकारात्मक जवाब देता है। उम्मीद है कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान चीन और भारत के बीच संबंधों में संतुलन बनाकर चलेंगे। भारत बांग्लादेश के विकास में पहले की ही तरह भूमिका निभाने को तैयार है।

जलवायु परिवर्तन से खराब होती मिट्टी की गुणवत्ता

मनाल मोहम्मद

एंटीबायोटिक प्रतिरोध को अक्सर अस्पतालों और खेती में एंटीबायोटिक दवाओं के अत्यधिक प्रयोग से जोड़ कर देखा जाता है। ये दोनों ही मामूली समस्याएं हैं, लेकिन नए शोध से एक और संभावित कारण सामने आया है, जिस पर अब तक बहुत कम ध्यान दिया गया था, वह है जलवायु परिवर्तन से पैदा होने वाला सूखा।

नेचर माइक्रोबायोलॉजी पत्रिका में हाल में छपे एक अध्ययन में यह सामने आया कि जब मिट्टी सूख जाती है, तो वह उन प्राकृतिक प्रक्रियाओं को तेज कर देती है, जो एंटीबायोटिक प्रतिरोध को जन्म देती हैं और उसे फैलाती हैं। यह बताता है कि जलवायु परिवर्तन इस समस्या को और भी बदतर बना सकता है। दरअसल, मिट्टी सूक्ष्मजीवों से भरी होती है। इनमें से कई बैक्टीरिया अपने प्रतिद्वंद्वियों को खत्म करने के लिए स्वाभाविक रूप से एंटीबायोटिक बनाते हैं, जबकि अन्य ऐसे जीन अपने भीतर रखते हैं, जो उन्हें इन हमलों से बचाते हैं और प्रतिरोधी बना देते हैं। नम मिट्टी में बैक्टीरिया अपेक्षाकृत स्थिर वातावरण में रहते हैं, पर जैसे ही मिट्टी सूखने लगती है, पानी छोटे-छोटे अलग-थलग हिस्सों में सिमट जाता है।

ऐसे में, बैक्टीरिया एक-दूसरे के बेहद करीब आ जाते हैं। इससे पोषक तत्व कम हो जाते हैं और प्रतिस्पर्धा बेहद तीव्र हो जाती है। इन हालात में बैक्टीरिया एक-दूसरे पर हमला करने के लिए अधिक एंटीबायोटिक बनाते हैं और खुद को बचाने के लिए अधिक प्रतिरोधी जीन विकसित कर लेते हैं। यह सूखे से प्रेरित प्रतिरोधक क्षमता की होड़ है। वहीं, बैक्टीरिया आपस में जीन का आदान-प्रदान कर सकते हैं, जिसे 'हॉरिजॉन्टल जीन ट्रांसफर' कहा जाता है। इसका मतलब यह है कि मिट्टी में मौजूद बैक्टीरिया के प्रतिरोधी जीन उन बैक्टीरिया तक पहुंच सकते हैं, जो मनुष्यों को भी संक्रमित कर सकते हैं। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि दुनिया के शुष्क क्षेत्रों में अस्पतालों में एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी संक्रमणों का स्तर अधिक होता है। इससे जुड़े कुछ मिट्टी के बैक्टीरिया अस्पताल में पाए जाने वाले खतरनाक रोगाणुओं जैसे कि क्लेबसिएला न्यूमोनिया और स्यूडोमोनास एरुगिनोसा के करीबी हैं।

एंटीबायोटिक प्रतिरोध दुनिया भर में हर साल लाखों संक्रमणों का कारण बनता है, पर पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन भी इसमें अहम भूमिका निभा रहे हैं। यहीं पर 'वन हेल्थ' का विचार आता है, जिसका अर्थ है कि मानव, पशु और पर्यावरण का स्वास्थ्य आपस में एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। ऐसे में, जैसे-जैसे दुनिया भर में सूखा पड़ना सामान्य होता जा रहा है, वैज्ञानिकों को हमारी धरती के नीचे हो रहे बदलावों पर और भी ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होगी।

चुनावी माहौल : पश्चिम बंगाल में पहले चरण से निकलेगी सत्ता की राह!

प्रभाकर मणि तिवारी

पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 23 अप्रैल को राज्य के 16 जिलों की 152 सीटों पर मतदान होना है, लेकिन इनमें खासकर उत्तर बंगाल की 54 सीटें सबसे अहम मानी जा रही हैं। इनके नतीजों से ही तय होगा कि इस बार बंगाल में जीत का सेहरा किसके माथे पर बंधेगा। उत्तर बंगाल में यह चुनाव चाय बागान मजदूरों के अलावा कोच-राजबंशी और कामतापुरी तबके की पहचान की लड़ाई के तौर पर उभरा है। साथ ही इसके नतीजे दार्जिलिंग पर्वतीय क्षेत्र में दशकों पुरानी गोरखा समस्या के राजनीतिक समाधान का रास्ता भी खोल सकते हैं। खास तौर पर भाजपा के लिए मतदान का पहला दौर बेहद अहम है। वर्ष 2021 में उसने जो 77 सीटें जीती थी उनमें से 59 उसे इसी इलाके में मिली थी। अब उसके सामने पहले दौर में उन सीटों पर कब्जा करने या उसे बढ़ाने की गंभीर चुनौती है।

उत्तर बंगाल की 54 सीटों के नतीजे राज्य में सरकार के गठन में अहम भूमिका निभाती रहे हैं। इस इलाके के दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी और अलीपुरदुआर जिलों में फैले आठ सौ से ज्यादा चाय बागानों के करीब 15 लाख मजदूर इलाके की कम से कम 35 सीटों पर निर्णायक हैं।यही वजह है कि तृणमूल कांग्रेस और भाजपा इन मजदूरों को जमीन का मालिकाना हक देने और न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने जैसे वादों के साथ लुभाने की कोशिश कर रही है।

राज्य का चाय उद्योग लंबे अरसे से बदहाली के दौर से गुजर रहा है। कई बागान बरसों से बंद पड़े हैं। अब बागान मजदूरों की नई पीढ़ी पारंपरिक पेशे को छोड़कर दूसरे शहरों में जाकर नए-नए पेशे आअपना रही है। इलाके के चाय बागान मजदूर कुछ साल के अंतराल पर पाला बदलते रहे हैं। यह लोग रोजगार और आधारभूत सुविधाओं के मुद्दे पर राजनीतिक दलों के समर्थन का फैसला करते रहे हैं।

ट्रेड यूनियन आंदोलन मजबूत होने की वजह से लंबे समय तक यह इलाके वाममोर्चा का गढ़ रहे थे। लेकिन 2011 के बाद यहां मजदूरों का रुझान बदला और वो तृणमूल कांग्रेस के समर्थन में उतरने लगे। वर्ष 2011 के विधानसभा चुनाव में में तृणमूल कांग्रेस ने इलाके की 54 में से 28 सीटें जीती थी। वर्ष 2016 में भी इलाके में पार्टी का दबदबा कायम रहा। लेकिन वर्ष 2019 में तस्वीर तेजी से बदली। उस साल हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने इलाके की आठ में से सात लोकसभा सीटें जीत कर अपना वर्चस्व कायम कर लिया। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में राज्य के बाकी हिस्सों में बेहतर प्रदर्शन करने में नाकाम रहने के बावजूद उसने 30 सीटें जीत कर अपना वर्चस्व कायम रखा था। उस साल तृणमूल को 24 सीटों से ही संतोष करना पड़ा था। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने लोकसभा की आठ में से छह सीटों पर कब्जा बरकरार रखा था। कूचबिहार सूट उसके हाथ से निकल गई थी।

इलाके के राजबंशी और कामतापुरी तबके कम से कम 10 सीटों पर निर्णायक स्थिति में हैं। राजबंशी समुदाय की गिनती राज्य में अनुसूचित जनजाति की सबसे बड़ी आबादी के तौर पर होती है। कूचबिहार और आसपास के इलाके में बसे कामतापुरी समुदाय के लोग अपनी पहचान के लिए लंबे समय से अलग राज्य की मांग करते रहे हैं। और इस मांग में हिंसक आंदोलन भी होते रहे हैं।

अब भाजपा ने उनकी समस्या के राजनीतिक समाधान का भरोसा दिया है। पार्टी ने राजबंसी और कामतापुरी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की भी बात कही है। लेकिन ममता बनर्जी का आरोप है कि भाजपा उत्तर बंगाल को बंगाल से काटने की साजिश रच रही है।

दार्जिलिंग पर्वतीय क्षेत्र में भाजपा और तृणमूल अपने स्थानीय सहयोग पर निर्भर हैं। तृणमूल कांग्रेस ने पर्वतीय इलाके की तीनों सीटें अनित थापा के नेतृत्व वाली भारतीय जनमुक्ति मोर्चा के लिए छोड़ दी हैं। दूसरी ओर, भाजपा विमल गुरुंग के नेतृत्व वाली गोरखा मुक्ति मोर्चा के सहयोग से मैदान में है।

कभी अलग गोरखालैंड की मांग में सुर्खियां बटोरने वाले दार्जिलिंग पर्वतीय क्षेत्र में अब इस आंदोलन की गूंज नहीं सुनाई देती। इस मांग में आंदोलन करने वाली स्थानीय पार्टियां भी कई गुटों में बंट चुकी हैं। इस बार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गोरखालैंड की समस्या के राजनीतिक समाधान का भरोसा दिया है। वर्ष 2021 में इलाके की तीनों सीटों पर भाजपा समर्थित उम्मीदवार ही विजयी रहे थे। जहां तक मुद्दों का सवाल है एसआईआर के तहत मतदाता सूची से कटे नाम के अलावा चाय उद्योग की मुश्किलें, मजदूरों की बदहाली और न्यूनतम मजदूरी के अलावा उत्तर बंगाल का विकास, राजबंशी और कर्मचारी के अलावा गोरखा समुदाय की पहचान और उनकी मांगों के राजनीतिक समाधान का मुद्दा ही इस बार चुनाव में छाया हुआ है। अब इनमें परिसीमन का मुद्दा भी जुड़ गया है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी परिसीमन के प्रमुख बनाते हुए अपनी रैलियों में कह रही हैं कि लोकसभा में इससे संबंधित बिल पास होने पर बंगाल का विभाजन तय था और दार्जिलिंग समेत उत्तर बंगाल के कई जिलों का अस्तित्व खत्म हो सकता था।

उत्तर बंगाल में कम से कम 15 सीटें ऐसी हैं जहां हार-जीत का फैसला बहुत कम अंतर से होता रहा है। एसआईआर के बाद चुनावी समीकरण बिगड़ने और बागान मजदूरों का रुझान बदलने के ट्रैक रिकार्ड के कारण इस बार उन सीटों को लेकर सत्ता के दावेदारों की चिंता बढ़ गई है।एकाध फीसदी वोट इधर-उधर होने की स्थिति में भी इनके नतीजे बदल सकते हैं।

देश में मुस्लिम आबादी के लिहाज से सबसे बड़े जिले मुर्शिदाबाद और उससे सटे मालदा में भी पहले चरण में ही मतदान होना है। वर्ष 2021 में मुर्शिदाबाद की 22 में से 20 सीटें तृणमूल कांग्रेस ने जीती थी और दो भाजपा ने। लेकिन एसआईआर के कारण जिले में साढ़े चार लाख से ज्यादा वोटरों के नाम कटने से तृणमूल की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

मालदा जिले के 12 में से पिछली बार आठ सीटें तृणमूल को मिली थी और चार भाजपा को। कभी कांग्रेस का गढ़ रहे इस जिले में पार्टी का खाता तक नहीं खुल सका था। एसआईआर के कारण करीब 2.40 लाख वोटरों के नाम कटने की वजह से इस बार भाजपा को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है और कांग्रेस को खाता खुलने की।

विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के परिवार के असर वाले पूर्वी मेदिनीपुर के साथ ही पश्चिम मेदिनीपुर में भी इसी दौर में मतदान होना है। इनमें वो नंदीग्राम सीट भी शामिल है जिस पर पिछली बार शुभेंदु ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हरा दिया था। परिसीमन के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस के आक्रामक प्रचार की काट के लिए अब भाजपा ने भी अपनी रणनीति में बदलाव किया है। अब वह तृणमूल कांग्रेस पर महिला विरोधी होने का आरोप लगा रही है। भाजपा के एक बड़े नेता कहते हैं कि महिला मुख्यमंत्री के राज में महिलाएं तो पहले से ही सुरक्षित नहीं थी। अब संसद में बिल का विरोध कर तृणमूल कांग्रेस ने साबित कर दिया है कि उसकी कथनी और करनी में अंतर है।

भारत को पृथ्वी की सबसे जादुई जगह ले गया रूस, दुनिया में हड़कंप

नई दिल्ली

भारत से करीब 7000 किमी दूर एक ऐसा इलाका है जहां दुनिया की महाशक्तियों के बीच एक होश उड़ा देने वाली जंग शुरू हो चुकी है। यह वो इलाका है जहां कई बार तापमान -50ए तक गिर जाता है। लेकिन पिछले कुछ सालों में ग्लोबल वार्मिंग के चलते इस इलाके का तापमान बढ़ने लगा है। यहां की बर्फ पिघलने लगी है और इसी की वजह से नए-नए रास्ते और शिपिंग रूट्स दुनिया के सामने आने लगे हैं। इन्हीं पर दावा ठोकने के लिए रूस ने भारत के साथ मिलकर एक ऐसा प्लान बनाया है जिससे इस इलाके का कूटनीतिक तापमान भी बढ़ा दिया है। यह इलाका है आर्कटिक। बर्फ पिघलने की वजह से इस इलाके में नए-नए शिपिंग रूट्स बनने शुरू हो गए हैं। इनमें से एक है नॉर्थ वेस्ट पैसेज वे। दूसरा है ट्रांस पोलर सी रूट और तीसरा है नॉर्थ सी रूट। आज से 20-25 साल बाद यह जगह भारत और दुनिया के लिए सबसे बड़ा खजाना बनने वाली है।

मौजूदा समय में भारत ने इस इलाके में अभी तक सिर्फ एक उंगली रखी है। लेकिन अब यहां पर पर जमाने की बारी आ गई है। भारत यह काम रूस के साथ शुरू भी कर चुका है। इसका ऐलान खुद रूस ने कर दिया है। यह होश उड़ा देने वाली कहानी क्या है? वो आपको आसान भाषा में समझाते हैं। दरअसल आपने खबर पढ़ी होगी कि भारत और रूस के बीच रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स सपोर्ट नाम का एक मिलिट्री एग्रीमेंट हुआ है। इस एग्रीमेंट के तहत भारत और रूस एक दूसरे के देश में एक ही समय पर 3000 तक सैनिक, 10 मिलिट्री एयरक्राफ्ट और पांच युद्धपोतों की तैनाती कर सकते हैं। कई लोगों ने इस खबर को ऐसे पेश किया मानो भारत रूस का साथ देने के लिए यूक्रेन के खिलाफ अपनी सेना उतार देगा। तो वहीं रूस भी भारत के लिए पाकिस्तान पर हमला करने के लिए अपने सैनिक और हथियार भेज देगा।

लेकिन ऐसा कुछ नहीं होने वाला। सबसे पहले तो यह एग्रीमेंट मुख्य रूप से जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज, ट्रेनिंग, ह्यूमैनिटेरियन असिस्टेंस और डिजास्टर रिलीफ ऑपरेशन के लिए किया गया है।

लेकिन इस एग्रीमेंट की सबसे खास बात यह है कि अगर रूस और भारत किसी महत्वपूर्ण चीज को लेकर एक मत हैं तो दोनों एक दूसरे के देश में अपने मिलिट्री एसेट्स की तैनाती कर सकते हैं। आपको बता दें कि इस एग्रीमेंट के तहत भारत और रूस को वो महत्वपूर्ण काम मिल गया है जिसके लिए भारत के सैनिक एयरक्राफ्ट और जंगी जहाज रूस जा सकते हैं। रूस भारतीय सेना को अपने देश में एक ऐसी रणनीतिक जगह पर तैनात करना चाहता है जहां भारत भी घुसने की तैयारी कर रहा है। वैसे तो इस एग्रीमेंट के तहत भारत रूस के 40 से ज्यादा बेसिस का इस्तेमाल कर सकता है। लेकिन आने वाले समय में रूस भारतीय सैनिकों को अपने मरमंस्क इलाके में लाकर बैठा सकता है। रूस इसी इलाके से आर्कटिक में अपनी सबसे बड़ी दावेदारी पेश करता है। इस वक्त आर्कटिक की मोटी बर्फ की तह के नीचे अरबों का खजाना छिपा है।

सऊदी ने ऐसा डांटा, डील छोड़कर भागा पाकिस्तान, 1.5 बिलियन डॉलर का झटका

नई दिल्ली

कंगाली की कगार पर खड़े पाकिस्तान को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगीगी झेलनी पड़ी। जिस सऊदी अरब को पाकिस्तान अपना सबसे बड़ा हमदर्द समझता है। उसी सऊदी ने उसे तगड़ा झटका दिया। दरअसल पाकिस्तान सूडान के साथ 1.5 बिलियन करीब 125 अरब का एक बड़ा रक्षा सौदा करने वाला था। इस डील के तहत पाकिस्तान सूडान को अपने फाइटर जेट्स और हथियार बेचने वाला था। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि इस डील से उसकी डूबती हुई अर्थव्यवस्था को सहारा मिलेगा और दुनिया में उसके हथियारों का डंका बजेगा। लेकिन पेज ये था कि इस पूरी खरीददारी के लिए पैसा सऊदी अरब देने वाला था। सूत्रों के मुताबिक सऊदी अरब ने अब इस डील के लिए फंडिंग देने से साफ मना कर दिया और सिर्फ पैसा ही नहीं रोका बल्कि सऊदी ने पाकिस्तान को सीधे शब्दों में कहा कि इस समझौते को तुरंत खत्म कर दिया जाए। सऊदी के इस कदम के बाद पाकिस्तान को तगड़ा झटका लगा है। हालांकि सऊदी के इस यूटर्न के पीछे दो बड़े कारण माने जा रहे हैं। पहला पश्चिमी देशों का दबाव। अमेरिका और कई यूरोपीय देशों ने रियाद को सलाह दी है कि वह अफ्रीका के प्रॉक्सिमिटी वॉर से दूर रहे। और दूसरा रणनीति में बदलाव। सूडान में सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच भीषण गृह युद्ध चल रहा है। सऊदी अरब अपनी रणनीति बदल रहा है और वह इस खूनी जंग में हथियारों की सप्लाई का जरिया नहीं बनना चाहता। रही बात पाकिस्तान की तो पाकिस्तान के लिए यह झटका इसलिए बड़ा है क्योंकि पिछले साल भारत के साथ हुई झड़प के बाद पाकिस्तान

अपने हथियारों का जमकर प्रचार कर रहा था। उसे लगा था कि सूडान उसके इस झांसे में आ जाएगा और सूडान की डील उसके लिए गेम चेंजर होगी। लेकिन जैसे ही उसके मालिक यानी कि सऊदी अरब ने आंखें दिखाई पाकिस्तान को बिना कुछ कहे डील से पीछे हटना पड़ा। और तो और खबर है कि लीबिया के साथ होने वाले पाकिस्तान की 4 बिलियन की एक और डील अब खतरे में है। वहां भी सऊदी अरब अपनी रणनीति पर दोबारा विचार कर रहा है। कुल मिलाकर पाकिस्तान की हालत फिलहाल ऐसी है कि बिना सऊदी अरब के कर्ज और मदद के उसका गुजारा नामुमकिन है। पिछले साल ही दोनों देशों ने एक डिफेंस पैक साइन किया था। जबजब सऊदी ने पैसे देने से मना कर दिया और डील तोड़ने का हुक्म दिया तो पाकिस्तान के पास जी हुजूर कहने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा।

जापान ने हथियारों के निर्यात से प्रतिबंध हटाये

टोक्यो, (स्पूतनिक)। जापान की सरकार ने अपने हथियार निर्यात नियमों में संशोधन किया है, जिसके तहत हथियारों के निर्यात पर लगायी गयी पाबंदी को हटा लिया गया है। यह जानकारी मंत्रिमंडल के मुख्य सचिव मिनोरू किहारा ने संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने कहा, आज, मंत्रिमंडल की बैठक में हथियार निर्यात के तीन सिद्धांतों में से कुछ में संशोधन करने का निर्णय लिया गया। ये निर्णय हमारे देश के आसपास तेजी से बदलती सुरक्षा स्थिति में जापान की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। हमारे देश और इस क्षेत्र में शांति बनाये रखने के लिए हथियार निर्यात को बढ़ावा देना और सहयोगी देशों की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाना आवश्यक है। हथियार निर्यात जापान के रक्षा उद्योग को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा, (अन्य देशों को) हथियारों के हस्तांतरण को बढ़ावा देने से रक्षा उद्योग और तकनीकी आधार मजबूत होगा।

इमरान खान को एकांत कारावास में रखकर अमानवीय व्यवहार किया जा रहा : अलीमा खान

इस्लामाबाद, (वार्ता)

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान ने आरोप लगाया है कि उनके भाई को एकांत कारावास में रखकर अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है और उन्हें पर्याप्त चिकित्सीय सुविधा नहीं दी जा रही। सुश्री खान द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि इमरान खान को 16 अक्टूबर 2025 से एकांत कारावास में रखा गया है। उन्होंने 2025 में केवल दो बार और फरवरी 2026 में एक बार, वह भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद, अपने बेटों से बात की थी। बयान के अनुसार, उन्हें पढ़ने के लिए किताबें भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं और जो किताबें भेजी गईं, उनमें से केवल तीन ही उन्हें मिल पाईं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरी तरह स्वस्थ श्री खान की आंख में अचानक खून का थक्का (क्लॉट) बन गया, लेकिन उन्हें समय पर चिकित्सा सहायता नहीं दी गयी। दो सप्ताह तक उन्होंने जेल प्रशासन को बताया कि उन्हें दिखाई नहीं दे रहा, इसके बावजूद इलाज में देरी की गई। आरोप है कि अडियाला जेल के अधीक्षक गफूर अंजुम ने विशेषज्ञ डॉक्टर को बुलाने में तीन महीने की देरी की, जिसके कारण आंख को स्थायी नुकसान पहुंचा। परिवार ने आशंका जताई है कि दूसरी आंख में भी ऐसी समस्या हो सकती है। बयान में कहा गया है कि श्री खान ने पिछले कुछ महीनों में कई बार उपचार से असंतोष जताया है और एक इंजेक्शन के बाद मामूली सुधार हुआ, लेकिन उसके बाद कोई प्रगति नहीं हुई।

इस बीच, उनकी पत्नी बुशरा बीबी की आंख में भी समस्या उत्पन्न हुई और हाल ही में उनका ऑपरेशन किया गया है।

परिवार ने मांग की है कि श्री खान को इस्लामाबाद के शिफा अंतरराष्ट्रीय अस्पताल में समुचित जांच और उपचार की सुविधा दी जाए, ताकि बीमारी के कारणों का पता लगाया जा सके।

इस्लामाबाद वार्ता के लिए कोई ईरानी प्रतिनिधिमंडल नहीं गया : रिपोर्ट

तेहरान/इस्लामाबाद, (वार्ता)। अमेरिका के साथ शांति वार्ता के दूसरे चरण के लिए अब तक ईरान का कोई प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के लिए रवाना नहीं हुआ है। ईरान के सरकारी प्रसारक ईरान इस्लामिक गणराज्य ब्रॉडकास्टिंग (इरिब) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इरिब की ओर से जारी बयान में कहा गया, ईरान का कोई भी राजनयिक प्रतिनिधिमंडल अब तक पाकिस्तान के इस्लामाबाद नहीं गया है, चाहे वह मुख्य टीम हो या सहायक टीम, अथवा प्रारंभिक मिशन हो या अनुवर्ती मिशन। ईरान के विदेश मंत्रालय ने भी सोमवार को पुष्टि की कि इस्लामाबाद में प्रस्तावित दूसरे चरण की वार्ता के लिए कोई प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान नहीं जाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि अमेरिका वार्ता को लेकर गंभीर नहीं है और यदि उसने पिछली गलतियों को दोहराया तो उसे निर्णायक जवाब का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन के शब्द और उसके कदमों में स्पष्ट विरोधाभास है, जो उसके अस्थिर रुख को दर्शाता है। उनकी बातों और कार्यों में समानता नहीं है, और ईरान अपने राष्ट्रीय हितों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय करेगा, बघाई ने कहा। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 7 अप्रैल को दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बावजूद अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों और जहाजों पर नाकेबंदी जारी रखने की बात कही है।

ईरान अपनी मांगों से एक इंच भी पीछे नहीं हटा, बोले न्यायपालिका प्रमुख एजेई

नई दिल्ली

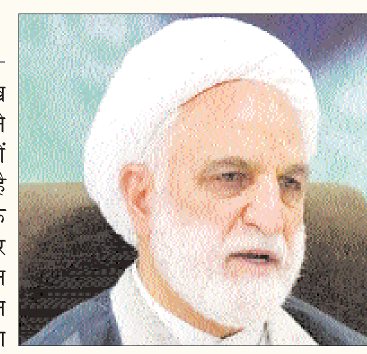

ईरान के न्यायपालिका प्रमुख गुलामहुसैन मोहसेनी एजेई ने कहा है कि देश अपनी मूल मांगों से एक इंच भी पीछे नहीं हटा है और हालिया बाहरी हमलों के खिलाफ पूरा राष्ट्र एकजुट होकर खड़ा रहा। उन्होंने कहा कि ईरान न कभी पीछे हटा है और न हटेगा। ईरानी सरकारी मीडिया आईएसएनए के अनुसार, एजेई ने संघर्ष के दौरान अभूतपूर्व राष्ट्रीय एकता का दावा करते हुए कहा कि समाज के सभी वर्गों ने एकजुट होकर हमलावरों का सामना किया। उनके मुताबिक, पूरा ईरान एक साझा मोर्चे में बदल गया, जिसने लड़ाई लड़ी और देश की रक्षा की। ऐसा उदाहरण हमारे इतिहास में बहुत कम देखने को मिलता है।

एजेई ने स्पष्ट किया कि संघर्ष और शांति से जुड़े सभी निर्णय सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैय्यद अली हुसैनी खामेनेई के अधिकार क्षेत्र में ही लिए जा रहे हैं और देश उन्हीं के निर्धारित ढांचे के तहत आगे बढ़ रहा है।

ईरानी राजदूत बोले, अमेरिकी-इजरायली हमले हमें झुकाने में नाकाम रूस में ईरान के राजदूत काजेम जलाली ने दावा किया है कि हालिया संघर्ष में अमेरिका और इजरायल अपने किसी भी सैन्य लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाए और उनके हमले पूरी तरह विफल रहे। उन्होंने कहा कि ट्रंप युद्ध के दौरान जो हासिल नहीं कर पाए, वह अब बातचीत में भी हासिल नहीं कर पाएंगे। बातचीत का मतलब बराबरी और विन-विन आधार पर समझौता होना चाहिए। अल जजीरा के अनुसार, रूसी अखबार वेदोमोस्ती को दिए साक्षात्कार में जलाली ने कहा कि वाङ्घशगटन को कूटनीतिक मोर्चे पर भी कोई अतिरिक्त सफलता नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा, उन्होंने दावा किया था कि कुछ ही दिनों में पूरे ईरान पर कब्जा कर लेंगे और शासन परिवर्तन कर देंगे। सवाल है कि वे किस लक्ष्य में सफल हुए? किसी में भी नहीं। जलाली के मुताबिक, संघर्ष के दौरान अमेरिका की मांगें भी बदलती रहीं। उन्होंने कहा कि शुरुआत में शासन परिवर्तन की बात करने वाला अमेरिका अंतत~ केवल होर्मुज स्ट्रेट को खोलने तक सिमट गया। यह भी विफल रहा। ईरानी राजदूत ने नौसैनिक नाकेबंदी को भी खारिज करते हुए कहा कि तेहरान की दृढ़ इच्छाशक्ति के सामने ऐसे कदमों का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि युद्ध ने ईरान की एकजुटता को कमजोर करने के बजाय और मजबूत किया है।

आप है ड्रामा पार्टी और केजरीवाल उसके निर्देशक: भाजपा

नयी दिल्ली (वार्ता)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आबकारी नीति से संबंधित मामले को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधा है और उसे ड्रामा पार्टी करार देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उसका निर्देशक बताया है।

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि श्री केजरीवाल ने गत 13 मार्च को न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष अर्जी लगाई और कहा कि हमें आप पसंद नहीं हैं, आप स्वयं ही इस मामले को त्याग दीजिए। इसके बाद इस देश की न्यायपालिका के खिलाफ सोचा समझा षड्यंत्र शुरू हुआ। आप ने न्यायमूर्ति शर्मा के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण सोशल मीडिया पर अभियान चलाया तथा न्यायमूर्ति शर्मा और उनके बच्चों के खिलाफ आरोप लगाए गये।

उन्होंने कहा, श्री केजरीवाल ने इस देश की न्यायपालिका की एक महिला सदस्य पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन न्यायपालिका पर दबाव बनाने की उनकी राजनीति को खारिज करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने मामले को किसी दूसरी पीठ को स्थानांतरित करने की उनकी याचिका को खारिज कर दिया। इससे यह साबित हो गया है कि आप एक ड्रामा कंपनी है और अरविंद केजरीवाल इस कंपनी के निर्देशक हैं।

उन्होंने कहा, दिल्ली उच्च न्यायालय का कल का आदेश श्री केजरीवाल की दबाव बनाने की चालों को साफ तौर पर खारिज कर दिया है और न्यायिक स्वतंत्रता के लिए एक नया पैमाना तय किया है। हम इस फैसले का स्वागत और सराहना करते हैं।

गौरतलब है कि दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने केजरीवाल और अन्य लोगों की याचिका को खारिज करते हुए शराब नीति मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने से इनकार कर दिया था।

संभावित हमलों के मद्देनजर ईरान पूर्ण सतर्कता बरते : न्यायपालिका प्रमुख

तेहरान, (वार्ता)। ईरान के न्यायपालिका प्रमुख गुलामहुसैन मोहसनी एजई ने कहा है कि संभावित अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की आशंका के बीच देश को 100 प्रतिशत तैयार रहना चाहिए। श्री एजई ने फार्स न्यूज एजेंसी द्वारा जारी वीडियो में कहा कि आगे हमलों की प्रबल संभावना है और अमेरिका अपने पिछले प्रयासों में लक्ष्य हासिल करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा, अहंकारी दुश्मन ने अस्तित्व की लड़ाई छेड़ी, लेकिन अपने उद्देश्यों को हासिल नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि ईरान को संभावित नये आक्रमण के खिलाफ पूरी तरह तैयार रहने की जरूरत है। श्री एजई ने ओमान की खाड़ी में ईरानी झंडे वाले एक वाणिज्यिक जहाज को जब्त किए जाने को युद्धविराम का उल्लंघन बताया और कहा कि तेहरान इसका जवाब देगा। उन्होंने अमेरिकी नौसैनिक कार्रवाई, जिसमें जहाज पर चढ़कर उसे निष्क्रिय किया गया, को अवैध और युद्ध अपराध करार दिया। हाल के घटनाक्रमों के बाद ईरानी अधिकारियों ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव को लेकर लगातार चेतावनी दी है, हालांकि विभिन्न पक्षों के दावों में सैन्य घटनाओं को लेकर मतभेद बने हुए हैं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

सारा में मुझे तुरंत जो चीज आकर्षित कर गई, वह थी उसकी 'बॉस लेडी' एनर्जी : भूमिका गुरुंग

अभिनेत्री भूमिका गुरुंग ने बताया है कि सोनी सब के शो इत्ती सी खुशी में सारा सेठी के किरदार के लिये जब उन्हें अप्रोच किया गया, तो सबसे पहले उन्हें उसकी 'बॉस लेडी' एनर्जी ने उन्हें आकर्षित किया।

सोनी सब का शो इत्ती सी खुशी दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो रहा है, जहाँ विराट (रजत वर्मा) और अन्विता (सुम्बुल तौकीर खान) का रिश्ता मज़बूत होता जा रहा है। इसी बीच सारा सेठी की एंट्री होती है। इस किरदार को भूमिका गुरुंग निभा रही हैं, जो कहानी में नया मोड़ ला रही है। आत्मविश्वासी और आकर्षक सारा का इरादा साफ है, वह विराट को अपने पक्ष में करना चाहती है और उसकी मौजूदगी धीरे-धीरे उनके रिश्ते को प्रभावित कर रही है, भावनाओं की परीक्षा ले रही है और समीकरण बदल रही है।

भूमिका गुरुंग ने बताया कि कैसे उन्होंने सारा के जटिल मनोविज्ञान को समझते हुए इस किरदार को निभाया। उन्होंने साझा किया कि यह ग्रे-शेड वाला रोल क्यों खास है और स्क्रीन पर एक मज़बूत, बारीकियों से भरे निगेटिव किरदार को जीवंत करने का उनका अनुभव कैसा रहा।उन्होंने कहा, जब मुझे इस रोल के लिए अप्रोच किया गया, तो सबसे पहले सारा की 'बॉस लेडी' एनर्जी ने मुझे आकर्षित किया। मुझे लगता है कि हर लड़की के अंदर यह ताकत होती है, लेकिन यह हमेशा सामने नहीं आती। सारा उस शक्ति को बिना किसी झिझक के अपनाती है। उसका आत्मविश्वासी, मज़बूत और थोड़ा डराने वाला आभा मेरे लिए कलाकार के तौर पर बेहद रोमांचक थी।

हिट जोड़ी संजू राठौड़ और ईशा मालवीय एक बार फिर साथ लौटे बैंगल्स के साथ

गुलाबी साड़ी और शेकी जैसे चार्टबस्टर्स के साथ अपनी अलग पहचान बनाने के बाद, संजू राठौड़ अपने नए गाने बैंगल्स के साथ एक बार फिर अपने संगीत को नए स्तर पर ले जा रहे हैं। उभरते मराठी पॉप वेव को आकार देने के लिए जाने जाने वाले संजू इस साल अपने बड़े म्यूज़िक प्रोजेक्ट के साथ इस जॉनर को और आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं,जिसका अहम हिस्सा है बैंगल्स। इस गाने में उन्होंने रेगे और मराठी फोक धुनों का मेल किया है, जो इसे एक साथ नया और अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ बनाता है। ईशा मालवीय के साथ दोबारा जुड़ते हुए, शेकी की हिट जोड़ी एक बार फिर वही जादू लेकर आई है जिसने उस गाने को सुपरहिट बनाया था। बैंगल्स दर्शकों को संजू के सिग्नेचर स्टाइल की याद दिलाता है, जिसमें क्रॉस-कल्चरल साउंड और एक दिलचस्प विजुअल वर्ल्ड देखने को मिलता है। कूल वाड़ी की कल्पनाशील दुनिया में सेट यह वीडियो देसी अंदाज़ को मॉडर्न ट्विस्ट के साथ पेश करता है।जहां ग्रामीण भारत की आत्मा एक स्टाइलिश, अर्बन दुनिया में बदलती नज़र आती है। अपने कैची हुक और फील-गुड वाइब के साथ बैंगल्स दर्शकों के दिलों में जगह बनाने के लिए तैयार है। म्यूज़िक वीडियो को और खास बनाते हैं निर्देशन और कोरियोग्राफी की जिम्मेदारी संभालने वाली जोड़ी पियूष-शाज़िया, जबकि म्यूज़िक प्रोड्यूस किया है गौरव राठौड़ (जी-स्पार्क) ने। बैंगल्स एक पसंदीदा जोड़ी को नए अंदाज़ में पेश करता है। संजू राठौड़ ने कहा, बैंगल्स के साथ मैं कुछ ऐसा बनाना चाहता था जो मज़ेदार हो, अपनी जड़ों से जुड़ा हो और तुरंत लोगों को पसंद आए। ईशा मालवीय के साथ दोबारा काम करना हमेशा की तरह खास रहा। पियूष-शाज़िया के साथ काम करने से इस प्रोजेक्ट में एक नई ऊर्जा आई।

कुब्रा सैत ने की अटेंशन डेफिसिट हाइपर एक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) पर खुलकर बात

अभिनेत्री कुब्रा सैत ने हाल ही में अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिए अपने अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) के सफर के बारे में खुलकर बात की और इसे अपनी कमी के बजाय अपना सुपर पावर बताया है । वीडियो में कुब्रा ने बताया कि कैसे सालों की सेल्फ-रिफ्लेक्शन और थेरेपी ने उन्हें अपने मन को बेहतर तरीके से समझने में मदद की। उन्होंने माना कि एडीएचडी के साथ कुछ चुनौतियां जरूर आती हैं, लेकिन इसे अपनाने से उन्होंने अपनी क्रिएटिविटी, फोकस और इंडिविजुअलिटी को नए तरीके से पहचानने में काफी मदद मिली। कुब्रा ने इस पर बात करते हुए अपने कैप्शन में लिखा है, गुड मॉर्निंग, ह्यूमंसज मैं पूरी तरह से एक फंक्शनल एडीएचडी दिमाग हूं। हालांकि मुझे इस बारे में बात करने में वक्त लगा, लेकिन अब ऐसा लगता है कि थेरेपी ने मुझे न सिर्फ क्लैरिटी दी, बल्कि इसने मुझे फोकस करने की क्षमता और अपनी अंदरूनी आवाज़ की खूबसूरती को समझने का नजरिया भी दिया। यही वजह है कि मैं आज पहले से यादा कॉन्फिडेंट और खुश हूं।

कुब्रा ने यह भी साझा किया कि पहले शायद वह अपनी नैचुरल प्रवृत्ति के खिलाफ काम करती थीं, लेकिन अब उन्होंने इस पर विजय पा ली है। इस वीडियो के साथ उन्होंने लोगों को भी अपने अनुभवों को अपनाने और खुलकर साझा करने के लिए प्रेरित किया है। फिलहाल अपने अलग और दमदार काम के लिए जानी जाने वाली कुब्रा सैत ने फिल्मों और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर एक खास पहचान बनाई है और सन ऑफ सरदार 2, ट्रायल और संकल्प जैसे प्रोजेक्ट्स में उनके काम ने उनकी वर्सेटिलिटी को साबित किया है। कुब्रा की यह बात वाकई काबिले गौर है कि एडीएचडी को लेकर उनकी यह ईमानदार बातचीत न सिर्फ मेंटल हेल्थ से जुड़े मुद्दों को सामान्य बनाने में मदद करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि हमारी अलग-अलग खूबियां भी हमारी असली ताकत हो सकती हैं।

आखरी सवाल रचेगी इतिहास, इंडियन साइन लैंग्वेज के साथ आठ मई को रिलीज होने वाली होगी पहली फिल्म

संजय दत्त स्टारर आखरी सवाल सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनकर उभरी है, और दर्शक इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अपनी अनाउंसमेंट के साथ काफी चर्चा बटोरने के बाद, मेकर्स ने हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर फिल्म का टीजर जारी किया, जो दुनिया के सबसे बड़े स्वैच्छिक संगठन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास की एक ऐसी झलक दिखाता है जो पहले कभी नहीं देखी गई।जहाँ यह फिल्म एक लीक से हटकर विषय के साथ आ रही है, वहीं यह अपने अनोखे नजरिए के लिए भी खास है, क्योंकि यह इंडियन साइन लैंग्वेज (भारतीय सांकेतिक भाषा) में उपलब्ध होने वाली पहली हिंदी फीचर फिल्म होगी। आखरी सवाल दर्शकों के लिए सिनेमा देखने के अनुभव को एक नई पहचान देने वाली है। सिनेमा को करोड़ों लोगों तक पहुँचाने की अहमियत को समझते हुए, मेकर्स ने इसे साइन लैंग्वेज (सांकेतिक भाषा) में रिलीज करने का एक बड़ा कदम उठाया है। यह इंडियन साइन लैंग्वेज) में आने वाली पहली हिंदी फीचर फिल्म बन गई है। भारत में लगभग चार से पांच करोड़ लोग दृष्टिबाधित या सुन-बोल पाने में असमर्थ हैं, और यह फिल्म उन तक भी पहुँच पाएगी। पहले दिन से ही फिल्म इंडियन साइन लैंग्वेज में उपलब्ध होगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि यह ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचे और हमारा इतिहास कई और लोगों के लिए सुलभ हो सके। आखरी सवाल का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्ममेकर अभिजीत मोहन वारंग ने किया है।

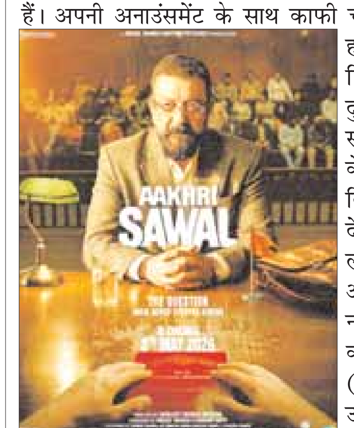

प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत रोटरी क्लब फिनिक्स द्वारा सम्मानित

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। जिले के निवासी और वर्तमान में सागर विश्वविद्यालय में अधिष्ठाता पद पर कार्यरत प्रो दिवाकर सिंह राजपूत को उत्कृष्ट सेवाकार्यों के लिए रोटरी क्लब ऑफ सागर फिनिक्स द्वारा सम्मानित किया गया है. प्रोफेसर राजपूत सत्र 1987-88 से रोटरी क्लब से सक्रिय रूप में जुड़े हुए हैं. डॉ दिवाकर सिंह राजपूत रोटरेक्ट क्लब के संस्थापक सचिव, इंटरेक्ट क्लब के संस्थापक चेयरमैन, रोटरी विलेज कार्प के संस्थापक चेयरमैन, रोटरी क्लब अध्यक्ष रहे हैं और मंडल में भी अपनी सेवायें दे चुके हैं. उन्हें रोटरी अंतर्राष्ट्रीय मंडल 3040 द्वारा श्रेष्ठ प्रोजेक्ट अवार्ड, उत्कृष्ट अध्यक्ष अवार्ड और शिक्षक उत्कृष्टता सम्मान, पोलियो उन्मूलन सम्मान और आर्च क्लूम्फ फेलो अवार्ड आदि से सम्मानित हो चुके हैं. रोटरी क्लब के अतिरिक्त भी उन्हें अनेक पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं. रोटरी क्लब के अधिष्ठापन एवं सम्मान समारोह के अवसर पर सागर सांसद डॉ लता वानखेड़े, रोटरी मंडलाध्यक्ष रो सुशील मल्होत्रा, पूर्व मंडलाध्यक्ष रो महेन्द्र मिश्रा, डिजियाना के सी एम डी रो सुखदेव सिंह, निर्वाचित मंडलाध्यक्ष रो मुकेश साहू की उपस्थिति में संपन्न समारोह में डॉ दिवाकर सिंह को सम्मानित किये जाने पर सभी ने उनको बधाईयाँ दी।

शासकीय प्राथमिक शाला गरगटा में कमियां पाए जाने पर कलेक्टर ने 3 प्राथमिक शिक्षकों को कारण बाताओ नोटिस जारी

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। शासकीय प्राथमिक शाला गरगटा के निरीक्षण के दौरान कमियां पाए जाने पर कलेक्टर सह जिला मिशन संचालक जिला शिक्षा केन्द्र नरसिंहपुर श्रीमती शीतला पटले ने तीन प्राथमिक शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्रीमती पटले द्वारा बुधवार 20 अगस्त को शासकीय प्राथमिक शाला गरगटा का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान शाला में छात्रों की उपस्थिति न्यूनतम पाई गई, शाला में दर्ज 14 में से मात्र 6 छात्र उपस्थित पाए गए और शाला में उपस्थित छात्रों का शैक्षणिक स्तर अत्यंत न्यून पाया गया।

नियम विरूद्ध दोपहिया व ऑटो वाहन चलाने वालों पर हुई कार्यवाही

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती शीतला पटले के निर्देशानुसार नियम विरूद्ध वाहन चलाने वाले दोपहिया एवं ऑटो वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। यह कार्यवाही जिला परिवहन अधिकारी के मार्गदर्शन में उनकी टीम द्वारा की जा रही है। इसी क्रम में जिला परिवहन अधिकारी एवं उनकी टीम ने बुधवार 20 अगस्त और गुरूवार 21 अगस्त को जिले के नरसिंहपुर व गाडरवारा में नियम विरूद्ध वाहन चालकों पर कार्यवाही की गई। जिला परिवहन अधिकारी एवं उनकी टीम द्वारा नरसिंहपुर में पेट्रोल पम्पों का निरीक्षण किया गया। बिना हेलमेट पहने 7 व्यक्तियों पर 3500 रुपये और एक ऑटो ओवरलोड व बिना फिटनेस के चलाने वाले व्यक्ति पर 6 हजार रुपये का जुर्माना लगाया

गया। इसके अलावा गाडरवारा में भी ओवरलोड एवं नियम विरूद्ध वाहन चालने वाले व्यक्तियों पर जुर्माने की कार्यवाही की गई। गाडरवारा में 5 ऑटो वाहन चालक नियम के विरूद्ध चलाते पाए जाने पर उनके ऑटो को जप्त कर कार्यवाही की गई। उल्लेखनीय है कि जिले में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली क्षति को कम करने दो पहिया वाहन चालकों को बार-बार विभिन्न माध्यमों से जागरूक करने के बाद भी उनके द्वारा नियमित रूप से हेलमेट का उपयोग नहीं किया जा रहा है। साथ ही बिना हेलमेट धारण कर दो पहिया वाहन चालकों द्वारा जब सार्वजनिक मार्गों पर सफर किया जाता है, तो किसी भी समय उनकी एवं साथ में बैठी सवारी की जान जोखिम में रहने की प्रबल संभावनाएं रहती है। इन्हीं दुर्घटनाओं को रोकने व अंकुश लगाने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के अंतर्गत जिले की राजस्व सीमा क्षेत्र में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार ऐसे दो पहिया वाहन चालक, जिनके द्वारा हेलमेट धारण नहीं किया है, उन्हें किसी भी पेट्रोल पंप द्वारा पेट्रोल/सीएनजी का प्रदाय नहीं किया जाएगा। इस संबंध में जिला परिवहन अधिकारी श्री रवि बरेलिया ने जिले के सभी दोपहिया वाहन चालकों से अनुरोध किया है कि वे वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर पहने और अपने जीवन को सुरक्षित रखें। उन्होंने कहा कि बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चलाने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध जो चालानी कार्यवाही की जाती है, उस चालानी के पैसे से एक अच्छा हेलमेट खरीदें और अपने जीवन को सुरक्षित बनायें।

हरिसिंह अहिरवार बने असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर रणजीत सिंह शक्तावत ने राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ उदित राज की अनुशंसा व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल की सहमति से युवा नेता हरिसिंह अहिरवार को असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस नरसिंहपुर का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है । श्री अहिरवार लंबे अरसे से कांग्रेस में सक्रियता व निष्ठा के साथ के कई पदों पर ईमानदारी के कार्य करते चले आ रहे है । कांग्रेस द्वारा दिए गए दायित्व पर हरिसिंह अहिरवार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के लक्ष्यों को पूरा करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे , श्रीमती सोनिया गांधी , राहुल गांधी मध्य प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की भावना एवं कांग्रेस पार्टी की विचारधारा के अनुरूप सक्रियता के साथ कार्य करते हुए संगठन एवं कांग्रेस पार्टी को गतिशीलता प्रदान करूंगा और असंगठित कामगारों एवं कर्मचारीयों के कल्याण हेतु अपनी भूमिका सुनिश्चित कर हर मोर्चे पर उनके साथ खड़ा रहूंगा । मेरा मुख्य उद्देश्य कांग्रेस पार्टी को मजबूत करना है व समाज के शोषित-वंचितों की आवाज़ को बुलंद कर उनके हक की लड़ाई लड़ना है।

जिले में अब तक 1070.8 मिमी अर्थात 42.15 इंच वर्षा दर्ज

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार नरसिंहपुर जिले में एक जून से 21 अगस्त तक की अवधि में औसत रूप से कुल 1070.8 मिमी अर्थात 42.15 इंच वर्षा दर्ज की गई है। 21 अगस्त की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 34.4 मिमी अर्थात 1.34 इंच वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 73 मिमी, गोटेगांव में 40 मिमी, करेली में 35 मिमी और तेंदूखेड़ा में 24 मिमी वर्षा आंकी गई है, जबकि गाडरवारा में शून्य वर्षा दर्ज की गई।

पांच दिवसीय निःशुल्क महिला योग शिविर का आयोजन संपन्न

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

महिला पतंजलि योग समिति गाडरवारा द्वारा पतंजलि योग समिति हरिद्वार के महान राष्ट और मानवता के संदेशवाहक योग गुरु स्वामी रामदेव जी के करें योग और रहें निरोग के मंत्र को घर घर पहुंचाने के निर्देशानुसार महिला पतंजलि योग समिति गाडरवारा की तहसील प्रभारी योग गुरु श्रीमती संजू शर्मा द्वारा पांच दिवसीय निशुल्क महिला योग एवं मेडिटेशन शिविर का आयोजन गहोई वैश्य समाज महिला मंडल गाडरवारा की अध्यक्ष श्रीमती रवीना कठल कि उपस्थिति में पुराने सेंट्रल बैंक हाल में किया गया। जिसमें योग, प्राणायाम के साथ महिला स्वास्थ्य से संबंधित विशेष योग, मेडिटेशन, आयुर्वेदिक उपचार एवं मुद्रा के द्वारा स्वास्थ्य लाभ के अभ्यास सिखाए गए । शिविर में लगभग 30 बहनों ने सक्रियता से भाग लेकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया और योग साधकों ने योग करने से उनको हो रही अच्छी स्वास्थ्य सुधार के अनुभव साझा किए । साधकों को निःशुल्क टीवी चैनल आस्था पर जुड़कर योग से संबंधित ज्ञान वर्धन के लिए भी सलाह दी गई। शिविर का समापन गहोई वैश्य समाज महिला मंडल द्वारा योग गुरु श्रीमती संजू शर्मा को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर और आभार प्रदर्शन के साथ किया गया और भविष्य में इसी प्रकार निःशुल्क योग शिविर में अपना अमूल्य समय और ज्ञान प्रदान करने का निवेदन योग गुरु से किया गया ।

कलेक्टर ने की नजूल प्रकरणों की समीक्षा

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिले में नजूल प्रकरणों के समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी राहुल नामदेव धोटे द्वारा समस्त अनुविभागीय अधिकारियों राजस्व के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में कलेक्टर श्री धोटे ने निर्देशित किया कि प्रत्येक सप्ताह आयोजित होने वाली जनसुनवाई से पूर्व नजूल प्रकरणों की अनिवार्य रूप से समीक्षा बैठक आयोजित की जाए जिससे लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने समस्त एसडीएम को निर्देशित किया कि अपने-अपने अनुविभाग अंतर्गत लंबित नजूल प्रकरणों पर विशेष ध्यान देते हुए उनका निराकरण निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित करें साथ ही प्रकरणों के निराकरण में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत करने तथा अनावश्यक विलंब से बचने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह तथा श्रीमती क्षमा सराफ और समस्त एसडीएम उपस्थित रहे।

जिले में आदि कर्मयोगी अभियान का शुभारंभ

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कृष्ट अभियान का शतप्रतिशत सेचुरेशन किया जाएगा

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार आदि कर्मयोगी अभियान का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान में राष्ट्रीय मिशन विशेष रुप से पीएम-जनमन और धरती आबा योजना के माध्यम से जमीनी स्तर पर जनजातीय वर्ग में अमलचूल परिवर्तन लाना है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत जिले में 73 गांवों को सम्मिलित किया गया है। इस योजना का उद्देश्य चयनित जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में जनजातीय परिवारों के लिए 18 विभागों मंत्रालयों की 25 योजनाओं से शत-प्रतिशत संतृप्ति की जाकर जनजातीय समुदायों की सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है। इस अभियान का लक्ष्य शासन के सभी स्तरों पर 3 लाख पथ प्रदर्शकों का एक कैडर विकसित करना, विभिन्न विभागों के मध्य एकीकरण, जनजातीय समुदाय के सशक्तिकरण एवं विकास के लिए आदि सहयोगियों के समूहों का निर्माण, आदि साथियों के माध्यम से आधारभूत आवश्यकताओं की पहचान करना, साथ ही सभी महत्वपूर्ण सेवाओं की संतृप्ति करना है। जनजातीय कार्य विभाग के जिला संयोजक ने बताया कि 7 जिला स्तरीय एवं प्रत्येक विकासखंड में 5 मास्टर ट्रेनर्स का चयन किया गया है।

उक्त अभियान अंतर्गत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शत-प्रतिशत संतृप्ति किया जाना है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत भारत सरकार द्वारा नरसिंहपुर जिले में 73 गांवों को सम्मिलित किया गया है। जिनमें जनपद पंचायत नरसिंहपुर के 27, जनपद पंचायत करेली के 7, जनपद पंचायत गोटेगांव के 21, जनपद पंचायत बाबई चीचली के 11, जनपद पंचायत चांवरपाठा के 5 एवं जनपद पंचायत सांईखेड़ा के 2 ग्राम है। इस योजना का उद्देश्य चयनित जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में जनजातीय परिवारों के लिए 18 विभागों मंत्रालयों की 25 योजनाओं मकान, सड़क, पेयजल, होमस्टे, विपणन केंद्र, उज्जवला योजना, मोबाइल मेडिकल यूनिट, आंगनबाड़ी, पोषण वाटिका, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, छात्रावास, ग्रिड बिजली एवं सोलर कनेक्शन 4 जी मोबाइल कनेक्टिविटी, राशन कार्ड, पीएम जनधन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, जाति प्रमाण-पत्र, पीएम किसान कार्ड से शत- प्रतिशत संतृप्ति की जाकर जनजातीय समुदायों की सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है। कार्य के सफल क्रियान्वयन के लिए चयनित ग्रामों की बसाहटों में व्यक्ति हितग्राही मूलक एवं अधोसंरचना संबंधी सर्वे के लिए ग्रामवार पंचायत सचिव, पीसीओ रोजगार सहायक, उपयंत्री, शिक्षक, पटवारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम सर्वे दल का गठन जिला स्तर से किया गया है तथा जनपद स्तर पर सीईओ जनपद पंचायत को जनपद स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

नवनियुक्त कांग्रेस जिला अध्यक्ष का भव्य स्वागत

वक्ताओं ने संघर्ष का आव्हान किया

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। प्रदेश और राष्ट्रीय नेतृत्व ने मुझ पर जो विश्वास कर जिला कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किया है मैं पूरी निष्ठा और समपर्ण के साथ इस दायित्व का निवर्हन करूंगी। किन्तु हमे सफलता तभी मिलेगी जब कांग्रेस का हर नेता और कार्यकर्ता हमें सहयोग करे। उक्त बात नवनियुक्त जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटैल ने तुलसी मानस भवन में आयोजित स्वागत सम्मान बैठक में कही। जिला कांग्रेस की बैठक को संबोधित करते हुए श्रीमति पटैल ने कहा कि वे कभी संघर्ष करने से पीछे नही रहेंगी। प्रदेश और केन्द्र सरकार की कुनीतियों को उजागर किया जायेगा। जिले में व्याप्त भ्रष्टाचार और अनैतिक गतिविधियों का विरोध किया जायेगा। श्रीमति पटैल ने उनके सम्मान में पूरे जिले से कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मिल रहे समर्थन पर आभार व्यक्त किया। पूर्व ऊर्जा मंत्री एनपी प्रजापति ने कहा कि कांग्रेस का गौरवशाली इतिहास है। हमारे नेताओं ने देश के लिए बलिदान किया और हम सबकों भरोसा है कि श्रीमति पटैल का कार्यकाल कांग्रेस के लिए मील का पत्थर साबित होगा। पूर्व विधायक संजय शर्मा ने कहा कि सुनीता पटैल हमेशा संघर्षशील रहीं और उनको जो जबावदारी मिली है उसका निर्वाहन वे सफलतापूर्वक करेंगी। पूर्व विधायक सुनील जायसवाल ने कहा कि नवनियुक्त जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटैल के नेतृत्व में जिले में भाजपा के संरक्षण में चल रहे अवैध कार्यो और भ्रष्टाचार का पुरजोर विरोध किया जायेगा। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मैथिलीशरण तिवारी ने कहा कि श्रीमति पटैल का चयन निश्चिततौर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भावनाओं के सम्मान को प्रदर्शित करता है। निवर्तमान जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेन्द्र राजपूत ने कहा कि वे हर संभव सहयोग श्रीमति पटैल को करेंगे। श्री राजपूत ने कहा कि उन्होने अपने कार्यकाल में सभी को सम्मान देने की पूरी कोशिश की। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष देवेन्द्र पटैल ने कहा कि हम सब मिलकर संगठन को मजबूत करेंगे और कार्यकर्ताओं को पूरा सम्मान मिलेगा। पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष लाखन ड्क्षसह पटैल ने कहा कि जिले में भाजपा नेताओं के संरक्षण में अवैध गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। लोगों को झूठे केस में फसाया जा रहा है। प्रदेश पदाधिकारी दीवान शैलेन्द्र ड्क्षसह ने कहा कि आज पूरे जिले के कांग्रेस कार्यकर्ता श्रीमति पटैल के अध्यक्ष बनने से उत्साहित हैं। वरिष्ठ नेता सुरेन्द्र पटैल मंझले भैया ने कहा कि भाजपा वोटो की चोरी कर चुनाव जीत रही है। किन्तु हमारे नेता राहुल गांधी ने इसका पर्दाफाश देश के सामने कर दिया है। प्रदेश पदाधिकारी मनीष राय ने कहा कि भाजपा की कुनीतियों को हम सामने लायेंगे। डॉ. संजीव चांदोरकर ने कहा कि आज जिले में अराजकता फैली हुई है। जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रीति मिश्रा ने कहा कि श्रीमति पटैल के अध्यक्ष बनने से महिला वर्ग में खुशी है। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष करेली राजेन्द्र रघुवंशी ने कहा कि श्रीमति पटैल के अध्यक्ष बनने से कांग्रेस को मजबूती मिलेगी। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र पटैल ने शुभकामनाएं देते हुए सहयोग का भरोसा दिया। बैठक का संचालन नीलेश जाट, अजय दुबे एवं आभार प्रदर्शन अतुल चौरसिया ने किया।

पर्यावरण की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए जिले में माटी गणेश सिद्ध गणेश पर कार्यशाला सह प्रशिक्षण आयोजित हो रही

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

विकासखंड चीचली में आयोजित की कार्यशाला में जनप्रतिनिधि, संस्थाएं, विद्यार्थी व आम नागरिक हुए शामिल

राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में पर्यावरण की सुरक्षा व शुद्धता को लेकर मप्र जनअभियान परिषद द्वारा माटी गणेश, सिद्ध गणेश निर्माण कार्यशालाएं सह प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इन कार्यशालाओं सह प्रशिक्षण में परिषद की विभिन्न संस्थाएं, विद्यार्थी और आम नागरिक शामिल हो रहे हैं।

मप्र जनअभियान परिषद विकासखंड चीचली द्वारा जनपद पंचायत चीचली के सभागार में माटी गणेश, सिद्ध गणेश निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री मुकेश मरैया, श्री अनुज प्रताप सिंह, मप्र जनअभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री जयनारायण शर्मा, श्री नरेश कौरव, श्री केएल साहू, श्रीमती नीरू राजपूत, पार्षद, अन्य जनप्रतिनिधि, विकासखंड चीचली के अंतर्गत आने वाली नवीन ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों, नवांकुर संस्थाओं, सीएमसीएलडीपी पाठ्यक्रम के मेंटर्स व विद्यार्थी, माटी कला से जुड़े कार्यकर्ता और आम नागरिकों ने सहभागिता की।

अतिथियों ने कहा कि माटी गणेश, सिद्ध गणेश यह अभियान राज्य शासन के नेतृत्व में सम्पूर्ण प्रदेश के गांव- गांव, सेक्टर स्तर व विकासखंड स्तर पर कार्यशालाएं सह प्रशिक्षण आयोजित कर शुद्ध मिट्टी से निर्मित गणेश जी की मूर्ति बनाकर स्थापित करने के लिए है। पर्यावरण की सुरक्षा व शुद्धता को ध्यान में रखकर जनअभियान परिषद द्वारा लगातार कार्यशालाएं आयोजित कर रही है।

इन कार्यशालाओं के माध्यम से लोगों तक अपनी जमीन की मिट्टी- अपने गणेश यह विचार व्यक्त कर लोगों को मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमाओं की स्थापना करने के लिए प्रेरित कर रही है, जिससे विराजित किए गए मिट्टी से निर्मित गणेश जी की प्रतिमा को विसर्जन के समय किसी भी प्रकार का जल प्रदूषित न हो। प्रशिक्षण सह कार्यशाला के उपरांत विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में शासन द्वारा संचालित योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। अंत में जिला समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद श्री शर्मा ने सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई और मिट्टी गणेश निर्माण कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

गढ़ी टोला में रोका बाल विवाह

मण्डला (स्वतंत्र मत)। *तहसील बिछिया के ग्राम देई के गढ़ी टोला में बाल विवाह की सूचना बाल विवाह प्रतिषेध कंट्रोल रूम को प्राप्त हुई सूचना मिलते ही संबंधित अधिकारियों और पुलिस को तत्काल अवगत कराया गया जिसके बाद महिला एवं बाल विकास विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची टीम ने विवाह स्थल पर पहुंचकर बालिका के माता-पिता एवं परिजनों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से समझाइश दी उन्हें बताया गया कि 18 वर्ष से कम आयु की लड़की तथा 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह कानून बाल विवाह की श्रेणी में आता है जो पूर्णतः प्रतिबंधित है।*

सकुशल दस्तयाब की गई पांच नाबालिग बालिकाएं

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)।

थाना बिछिया क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न ग्रामों से नाबालिक बालिकाओं के गुम होने संबंधी प्राप्त रिपोर्टों पर थाना बिछिया में धारा 137(2) भा.न्याय संहिता के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गए। फरियादियों द्वारा रिपोर्ट में उल्लेख किया गया कि उनकी नाबालिक बालिकाओं को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाया गया है प्रकरणों की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में थाना प्रभारी बिछिया निरीक्षक रंजीत सिंह सैयाम द्वारा विशेष टीमों का गठन कर गुमशुदा बालिकाओं की पतासाजी प्रारंभ की गई प्रारंभिक स्तर पर स्थानीय स्तर पर सघन खोजबीन की गई किन्तु कोई ठोस सुराग प्राप्त नहीं होने पर साक्ष्यों के संकलन हेतु तकनीकी सहायता ली गई प्राप्त लोकेशन के आधार पर पुलिस टीमों को इडुक्की केरल एवं अहमदाबाद गुजरात रवाना किया गया पुलिस टीम द्वारा समन्वित एवं त्वरित कार्यवाही करते हुए इडुक्की केरल से तीन एवं अहमदाबाद गुजरात से एक नाबालिक बालिका को सकुशल दस्तयाब किया गया एक अन्य प्रकरण में थाना मोहगांव पुलिस टीम द्वारा भी केरल राज्य से एक नाबालिक बालिका को सकुशल दस्तयाब किया गया उक्त कार्यवाही में सहायक उपनिरीक्षक सुरेश विजयवार, सहायक उपनिरीक्षक राजेश यादव, आरक्षक गजरुप उद्दे, आरक्षक अजय झारिया एवं सायबर सेल के आरक्षक सूर्यकांत बघेले की भूमिका रही।

कलेक्टर ने सुनी समस्याए

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिला मुख्यालय स्थित जिला योजना भवन में मंगलवार को कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं और शिकायतों से संबंधित कुल 97 आवेदन प्रस्तुत किए कलेक्टर ने सभी आवेदकों की समस्याओं को सुना जिन प्रकरणों का मौके पर समाधान संभव था उन्हें तत्काल निराकृत किया गया शेष आवेदनों के संबंध में उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए जनसुनवाई में विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

अपेक्षा बाजपेयी का उत्कृष्ट प्रदर्शन

मण्डला (स्वतंत्र मत)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कक्षा 10वीं की वार्षिक परीक्षा में स्थानीय छात्रा अपेक्षा बाजपेयी ने शानदार सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है शासकीय हाईस्कूल मांझीपुर में पदस्थ शिक्षक अशोक बाजपेयी एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माधोपुर में कार्यरत शिक्षिका साधना बाजपेयी की सुपुत्री अपेक्षा बाजपेयी जो वर्तमान में ब्रेन चाइल्ड एकेडमी की छात्रा ने परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 500 में से 454 अंक प्राप्त किए इतना ही नहीं उन्होंने सभी विषयों में विशेष योग्यता डिस्टिंक्शन हासिल कर परिवार का नाम रोशन किया। अपनी सफलता का श्रेय देते हुए उन्होंने शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से ही परीक्षा की तैयारी गंभीरता से शुरू कर दी थी नियमित रूप से लगभग 10 से 12 घंटे अध्ययन कर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया उनका लक्ष्य इंजीनियरिंग के क्षेत्र में आगे बढ़ना है और वे जेईई संयुक्त प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश पाना चाहती हैं।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. /अ-6/वर्ष 2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार फौती के आधार पर नामांतरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 12/05/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक/धारकों के नाम/ पिता/माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
5	कंदेली	36	877 वर्गफुट	कृष्णाबाई पत्नि रामचरन मनोज कुमार आ. रामचरन श्रीवास सा.रामवार्ड करेली	मनोज कुमार आ. रामचरन श्रीवास सा. रामवार्ड करेली

इश्तहार आज दिनांक 13/4/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
नरसिंहपुर

कटनी रेलवे स्टेशन प्रकरण पर कांग्रेस का आरोप

नाबालिगों को जबरन उतारने पर उठे सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिला कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला ने कटनी रेलवे स्टेशन पर 11 अप्रैल 2026 को हुई घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि पटना-पुणे एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे लगभग 167 नाबालिग बच्चों को मानव तस्करी के संदेह में बिना ठोस प्रमाण के जबरन उतार लिया गया, जबकि ये बच्चे अपने परिजनों की सहमति से महाराष्ट्र के लातूर में शिक्षा प्राप्त करने हेतु जा रहे थे। एड. अमित शुक्ला ने कहा कि बिना समुचित जांच एवं विधिक प्रक्रिया का पालन किए इस प्रकार की कार्रवाई न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि बच्चों के मौलिक अधिकारों एवं न्यायालय के स्थापित दिशा-निर्देशों का भी उल्लंघन है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई दिनों से बच्चों को उनके परिजनों से दूर रखा गया है, जिससे उनकी मानसिक स्थिति प्रभावित हो रही है।

उन्होंने प्रशासन पर यह भी गंभीर आरोप लगाया कि बच्चों को समुचित देखभाल एवं पर्याप्त, गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, जो कि मानवाधिकारों का स्पष्ट हनन है। जिला कांग्रेस कमेटी ने मांग की है कि सभी बच्चों को शीघ्र उनके परिजनों को सौंपा जाए, उनके लिए उचित भोजन, स्वास्थ्य एवं रहने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही, आवश्यकता पड़ने पर न्यायालय की शरण लेकर बच्चों को न्याय दिलाने की कार्यवाही भी की जाएगी। एड. अमित शुक्ला ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस मामले में उचित कार्यवाही नहीं की गई, तो जिला कांग्रेस कमेटी आंदोलन करने के साथ-साथ न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए भी बाध्य होगी। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष अमित शुक्ला, मारूफ अहमद हनीफ, वरिष्ठ कांग्रेस नेता, उपाध्यक्ष हाजी गुलाम जाफर, सेवादल अध्यक्ष मंगल सिंह, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष आफताब अहमद चोखे भाईजान, श्याम यादव, रणजीत सिंह, अर्जुन सिंह, इमरान खान, विंदेश्वरी पटेल, रमाकांत दीक्षित, जाकिर हुसैन, लिप्पू भाईजान, डॉ. खान, राघव सोनी, हर्षित मिश्रा सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे एवं सभी ने एक स्वर में प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की।

अजय सिंह राहुल भैया का कटनी दौरा

कटनी (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अजय सिंह राहुल भैया सोमवार को कटनी पहुंचे। इस दौरान वरिष्ठ विधायक अजय सिंह राहुल भैया पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के घर पहुंच कर उनसे सौजन्य मुलाकात कर पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया। पूर्व कटनी आगमन पर चाका बायपास पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ नेता का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल भैया पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के घर पहुंचे। सबसे पहले पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कृषि मंडी सदस्य मोहन बत्रा के निवास पर पहुंचे। जहां उनका आत्मीय स्वागत किया गया था। इस अवसर पर वरिष्ठ विधायक अजय सिंह ने पार्टी को और अधिक मजबूत करने की बात कही। इसके पश्चात वे महिला कांग्रेस नेत्री मंजू निषाद के आवास पर पहुंचे थे जहां उनका आतिशबाजी के बीच गर्मजोशी से स्वागत किया गया था। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पार्टी को मजबूत बनाना ही हम सब का प्रमुख उद्देश्य है। शहर के प्रतिष्ठित श्री राम ज्वेलर्स व्यवसाई सुरेश सोनी के प्रतिष्ठान पर पहुंचे जहां उनका आत्मीय स्वागत किया गया था। इसके बाद राकेश जैन कक्का निवास पर पहुंचे यहां उन्होंने कहा कि पार्टी किसे टिकट देती है ये पार्टी का मामला है हम सबको पार्टी के लिए काम करना है जिससे आगामी समय पर प्रदेश में कांग्रेस कांग्रेस सरकार बनाई जा सके इसके लिए सभी को मिलजुलकर पार्टी हित में कार्य करना होगा। इसके बाद पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष करण सिंह चौहान, ठाकुर गुमान सिंह, रुस्तम भाई, लिप्पू भाई के निवास पर पहुंचे। इसके बाद वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह राहुल भैया आस्था प्लाजा स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंचे और पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर कहा कि बहुत से वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ता घरों पर बैठे हैं ऐसे में संभाग वार दौरा कर पार्टी कार्यकर्ताओ को पार्टी मजबूत करने के लिए दौरा कर रहा हूं जिससे पार्टी जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत हो सके। उन्होंने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला प्रभारी बीरेंद्र द्विवेदी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह, शहर कांग्रेस अध्यक्ष अमित शुक्ला, वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ महेन्द्र सिंह चौहान, नीरज सिंह बघेल, पप्पू बाजपेयी, रुस्तम भाईएबीएम तिवारी, शैलेन्द्र शुक्ला, डॉ के एल जैन, प्रियदर्शन गौर, प्रेम बत्रा, कल्लू दास बैरागी, नारायण निषाद, जितेन्द्र सिंह, महिला कांग्रेस अध्यक्ष रजनी वर्मा, माधुरी जैन, सौम्या राधेंलिया, नरेंद्र सैनी, अजय गर्ग, चिंतामणि तिवारी, नदीम खान, आंनद मिश्रा, अजय जयसवानी, जित्तू गुप्ता, सुशील जायसवाल, राजेश जाटव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आरएन भारती के पदोन्नति पर सम्मान एवं स्वागत

कटनी (स्वतंत्रमत)। टैक्स बार एसोसिएशन, कटनी द्वारा होटल अरिंदम में 17 अप्रैल को आयोजित कार्यक्रम में आयकर विभाग के संयुक्त आयकर आयुक्त आर. एन. भारती के पदोन्नती का सम्मान एवं स्वागत किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डायरेक्टर सुशील शर्मा, संजय गुप्ता के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम में वक्ताओं ने भारती के अनुभव और कार्यशैली की सराहना करते हुए कर प्रशासन को अधिक पारदर्शी और सुगम बनाने पर जोर दिया। इस दौरान करदाताओं से जुड़ी समस्याओं, रिटर्न फाइलिंग, नोटिस प्रक्रिया और नए प्रावधानों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। भारती ने अपने संबोधन में कहा कि विभाग करदाताओं को बेहतर सेवाएं देने और प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने टैक्स प्रोफेशनल्स से सहयोग की अपील करते हुए समय पर और सही जानकारी उपलब्ध कराने पर बल दिया। इस अवसर पर हरीश नारंग, विनय मिश्रा, सचिन सुलभ सहित अनेक सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन किया गया और भविष्य में ऐसे संवाद कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

रेलवे जीएम दिलीप कुमार सिंह ने किया जबलपुर-मानिकपुर रेल खंड का विंडो निरीक्षण

कटनी में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कटनी (स्वतंत्रमत)

पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह मंगलवार को जबलपुर से मानिकपुर रेल खंड के निरीक्षण पर निकले। विशेष रैक के माध्यम से विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए जीएम दोपहर में कटनी पहुंचे, जहाँ उन्होंने रेलवे के सुरक्षा मानकों और परिचालन संबंधी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की।

सुरक्षा और संचालन पर विशेष जोर

निरीक्षण के दौरान जीएम ने ट्रैक की गुणवत्ता, सिग्नलिंग प्रणाली और ओएचई लाइनों का बारीकी से अवलोकन किया।

कटनी पहुंचने पर उन्होंने स्थानीय रेल अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। इस चर्चा के मुख्य बिंदु निम्नलिखित रहे:- सुरक्षा मानक: ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी पहलुओं की जांच। समयबद्धता:- यात्री ट्रेनों के संचालन में देरी को कम करने और समय पालन में सुधार के निर्देश। अधोसंरचना:- जारी विकास कार्यों की प्रगति और आगामी मानसून को देखते हुए तैयारियों पर चर्चा। महाप्रबंधक ने फील्ड अधिकारियों और पर्यवेक्षकों से बातचीत करते हुए स्पष्ट किया कि रेल संचालन में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए। उन्होंने संरक्षा से जुड़े उपकरणों के रखरखाव और कर्मचारियों की कार्यकुशलता को बढ़ाने पर विशेष बल दिया। उल्लेखनीय है कि जबलपुर से मानिकपुर तक का यह विंडो निरीक्षण रेल खंड की वर्तमान स्थिति को समझने और यात्रियों को दी जाने वाली सुविधाओं को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया गया था। इस दौरान मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उनके साथ मौजूद रहे।

रंगोली सजाकर, आरती उतारकर आर्यिका संघ की अगवानी

कटनी (स्वतंत्रमत)। परम पूज्य समाधिस्थ आचार्य 108 विद्यासागर महाराज एवं आचार्य 108 समय सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्या 105 गुरूमति माता, 105 दृढ़मति माता का शास्वत तीर्थ सम्मेद शिखर में चर्तुमास होने के पश्चात झारखण्ड, बिहार, उत्तर प्रदेश तीर्थ क्षेत्रों की वंदना के पश्चात डीपीएस स्कूल में अहारचर्या के बाद चेतनोदय तीर्थ क्षेत्र में रात्रि विश्राम के पश्चात दिगम्बर जैन समाज पंचायत महासभा एवं विद्यासागर नवयुवक मण्डल के तत्वाधान धर्मशोभा यात्रा चेतनोदय तीर्थक्षेत्र से प्रारंभ होकर प्रात: गाटरघाट, आजाद चौक, शेर चौक, खेरमाई मढिया चौक से होते हुये झंडा बाजार स्थित बड़े जैन मंदिर में पहुंचकर धर्मसभा के रूप में परिवर्तित हुई। शोभायात्रा में आगे धर्मध्वज लिये अश्वारोही बैण्ड पार्टी, डीजे के बाद आर्यिका संघ के पीछे श्रावक श्राविकाएं जय जयकार के नारे एवं भजन गाते चल रहे थे। जगह-जगह रंगोली सजाकर आरती उतारकर आर्यिका संघ की अगवानी की गई। पंचायत अध्यक्ष संजय जैन ने बतलाया कि नगर में प्रथम बार एक साथ 34 आर्यिका माताओं को नगर आगमन हुआ है। पंचायत उपाध्यक्ष सिंघई पंचम जैन ने सधर्मी बन्धुओं, माताओं बहनों से धर्मलाभ लेने की अपील की।

प्रशासन की सजगता से रुके 3 बाल विवाह

अक्षय तृतीया पर सक्रिय निगरानी, समय रहते हुई कार्रवाई

कटनी (स्वतंत्रमत)

अक्षय तृतीया के अबूझ मुहूर्त पर संभावित बाल विवाहों की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय रहा। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देशन में गठित कोर ग्रुप की मुस्तैदी के चलते जिले में तीन बाल विवाह समय रहते रुकवाए गए। इनमें एक मामला शहर का और दो मामले ढीमरखेड़ा क्षेत्र के हैं। कलेक्टर के निर्देश पर बहुस्तरीय कार्ययोजना के तहत एसडीएम की अध्यक्षता में कोर टीमों का गठन किया गया था तथा जिला एवं विकासखंड स्तर पर

कंट्रोल रूम स्थापित कर निगरानी तंत्र को मजबूत किया गया। इसी के चलते सूचना मिलते ही टीमों ने त्वरित कार्रवाई की। कटनी शहर में महिला एवं बाल विकास विभाग और कोतवाली थाना की संयुक्त टीम ने एक नाबालिग बालिका (16 वर्ष) का विवाह रुकवाया। अधिकारियों ने परिजनों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की जानकारी देते हुए चेतावनी दी, जिसके बाद परिजन बालिका के 18 वर्ष पूर्ण होने के बाद ही विवाह करने पर सहमत हुए। वहीं ढीमरखेड़ा के ग्राम संकुई में दो ऐसे विवाह रुकवाए गए, जिनमें वर की आयु 21 वर्ष से कम थी। प्रशासनिक टीम ने समझाइश देकर परिजनों से कानूनी आयु पूर्ण होने के बाद ही विवाह कराने की सहमति ली। प्रशासन की इस सजगता से बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति पर प्रभावी रोक लगाने में सफलता मिली है। अधिकारियों ने आगे भी इस तरह की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने की बात कही है।

नदी की सफाई कर दिया पानी बचाने का संदेश

ढीमरखेड़ा के दैगवां गांव में आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)

मानव जीवन विकास समिति के सचिव एवं पर्यावरणविद निर्भय सिंह के नेतृत्व में सरकार की मंशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 को सफल बनाने कटनी जिले का ढीमरखेड़ा ब्लॉक के दैगवां गांव में महानदी में साफ-साफई पानी को स्वच्छ रखने एवं पानी बचाने का संदेश दिया गया। नदी नालों का पानी व्यर्थ नहीं बह जाये इसके लिए सभी से आग्रह किया गया। भूमि का जल स्तर बढे इसके लिए जगह जगह बारिस के पहले हमें बोरी बंधान, ट्रैंच, कंटूर, डेम एवं चैक डेम बनाकर पानी को रोका जा

सकता है। यह भी बताया गया की जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य है अधिक से अधिक पानी बचाने का प्रयत्न करें ताकि गर्मी के दिनों में पर्याप्त पानी की उपलब्धता हो सके। बहते पानी को रोककर भूमिगत जल स्तर तो बढ़ेगा साथ ही साथ मवेशियों को, पशु पक्षी एवं जंगली जानवरों को गर्मियों के दिन पर पानी पीने के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा। सभी से आग्रह किया गया की ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस अभियान में शामिल कर पानी बचाने का जरूर प्रयास करें। पानी है अनमोल रतन ऐसे बचाने करे जतन के साथ नारे की आवाज गूंजी। जल ही जीवन है, जल नहीं तो कल नहीं सभी साथियों ने जल बचाने का संकल्प लिया। समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से महानदी की साफ-सफाई का कार्य किया गया इस अवसर पर समिति कार्यकर्ता मनीषा सिंह धुर्वे, अशोक सिंह धुर्वे, सुरेश कुमार दुबे, उत्तम सिंह धुर्वे, ग्राम विकास समिति अध्यक्ष पंजाब सिंह कुलस्ते, हुकुम सिंह धुर्वे, माहु सिंह धुर्वे, समनू सिंह धुर्वे सहित अन्य लोगों की उपस्थिति रही।

अनियंत्रित होकर पलटा पानी का टैंकर

स्टेट हाईवे 14 पर घंटों लगा रहा जाम, टला बड़ा हादसा

कटनी (स्वतंत्रमत)। स्टेट हाईवे 14 पर स्थित रैपुरा शराब दुकान के सामने शाम 6 बजे उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक तेज रफ्तार पानी का टैंकर अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गया। इस

हादसे के बाद हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई, जिससे राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। चश्मदीदों के मुताबिक ट्रैक्टर को मोडते समय पानी का टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। जैसे ही वह रैपुरा शराब दुकान के पास पहुंचा, चालक ने नियंत्रण खो दिया और टैंकर बीच सड़क पर ही पलटा दिया। गनीमत यह रही कि जिस वक्त टैंकर पलटा, उसके आसपास कोई अन्य छोटा वाहन या राहगीर मौजूद नहीं था, वरना एक बड़ी जनहानि हो सकती थी। हादसे के तुरंत बाद हाईवे पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। शराब दुकान के सामने टैंकर पलटने से दोनों तरफ से आने वाले ट्रकों और बसों के पहिए थम गए। यह क्षेत्र आमतौर पर काफी व्यस्त रहता है और शराब दुकान के पास अक्सर लोगों की आवाजाही बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गनीमत रही कि टैंकर किसी दुकान या भीड़ की तरफ नहीं गया, वरना कई परिवारों के चिराग बुझ सकते थे। वही आक्रोशित लोगों ने शराब दुकान को स्टेट हाईवे 14 से हटाने की मांग की है और कहां है कि इस प्रकार भविष्य में कोई घटना घटित होती है तो इसकी संपूर्ण जवाबदारी शराब दुकान ठेकेदार की होगी।

गुम बालिका को खोज कर परिजनों चेहरे में लौटाई मुस्कान

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनव विश्वकर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के नेतृत्व में थाना माधवनगर अंतर्गत चौकी निवार पुलिस ने गुम बालिका को ढूंढ कर

परिजनों के सुपुर्द किया। 07 जनवरी को फरियादिया संजी बाई पति सुशील कोल उम्र 40 वर्ष निवासी निवार पहाड़ी थाना माधव नगर का चौकी उपस्थित आकर जुवानी रिपोर्ट दर्ज करवाई कि इसकी लड़की घर से बिना बताए कहीं चली गई है कि रिपोर्ट पर अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना में 20 अप्रैल को दस्तयाब कर परिजनों के सुपर्द किया गया।

29वीं महाआरती 26 अप्रैल दिन रविवार को

कटनी। कुलदेवी महालक्ष्मी जी एवं भगवान श्री अग्रसेन जी की महाआरती का क्रम निरंतर जारी है। महाआरती समाज में एक सकारात्मक ऊर्जा के साथ ही श्रृद्धा-भक्ति और समाज को एक जूट करने में सहायक सिद्ध हो रहा है। भगवान श्री अग्रसेन जी के आदर्शों को आत्मसात कर एक-ईट एक-रुपये के सिद्धांत को अपनाकर समाज कल्याण की दिशा में भी अग्रसर हो रहा है। महाआरती में अग्रबंधु जजमानी कर पुण्य लाभ भी अर्जित कर रहे हैं। 29वीं महाआरती की जजमानी विष्णु, संजय, आशीष अग्रवाल परिवार द्वारा की जा रही है। आइए हम सब महाआरती में शामिल होकर इस एतिहासिक पल के साक्षी बनें और महाआरती समूह द्वारा प्रारंभ इस अभिनव पहल से समाज को गौरान्वित करें।

उत्कृष्ट अंकों से बढ़ाया परिवार और शहर का मान

कटनी (स्वतंत्रमत)

कमल नयन गुप्ता, पिता:- रामकृष्ण गुप्ता, माता:- पूजा गुप्ता, पता:- द्वारिका सिटी मकान नं. बी-14 कटनी, सीबीएससी १०वीं में 96 प्रतिशत, स्कूल:- स्प्रींग वैली पब्लिक स्कूल कनाडिया रोड इंदौर, नयन गुप्ता, पिता:- कन्हैया गुप्ता, माता:- कंचन गुप्ता, पता:- द्वारिका सिटी मकान नं. बी-14 कटनी, स्टेटस:- क्लास एंव ऑल सेक्सन में फस्ट सीबीएससी ९वीं में 95.2 प्रतिशत, स्कूल:- सेंट पॉल सीनियर सेकेण्डरी स्कूल कटनी, नाम:- राधवी गुप्ता, पिता:- रामकृष्ण गुप्ता, माता:- पूजा गुप्ता, पता:- द्वारिका सिटी मकान नं. बी-14 कटनी, स्टेटस:- क्लास में फस्ट सीबीएससी ५वीं में 94.0 प्रतिशत, स्कूल:- सेंट पॉल सीनियर सेकेण्डरी स्कूल कटनी म.प्र। आपका परिणाम आपकी प्रतिभा और कड़ी मेहनत का प्रमाण है। आपके भविष्य के प्रयासों के लिए मम्मी, पापा, दादा, दादी, नाना, नानी एवं समस्त परिवार की ओर से शुभकामनाएँ और आगे भी इसी प्रकार मेहनत करते रहें जिससे और भी छात्र आपसे प्रेरित हों और आगे बढ़े।

कलेक्टर कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में सुन रहे लोगों की समस्याएं

अधिकारियों को दे रहे निराकरण के निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर आशीष तिवारी कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में सुन रहे लोगों की समस्याएं। अधिकारियों को दे रहे निराकरण के निर्देश। कलेक्टर अब तक 68 आवेदकों की समस्याओं और शिकायतों को सुन कर निराकरण के निर्देश दे चुके हैं। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा, संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल, एसडीएम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी, जिला प्रबंधक लोकसेवा दिनेश विश्वकर्मा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी मौजूद हैं।

एलएसजी के टॉप आर्डर को आर्चर से रहना होगा सावधान

लखनऊ (वार्ता)

आईपीएल 2026 में हार की हैट्रिक लगा चुकी लखनऊ सुपर जॉयंट्स (एलएसजी) अपने घर में बुधवार को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) का सामना करेगी। लगातार चार जीत के साथ शानदार शुरुआत करने वाली आरआर ने भी पिछले दो मैचों में लगातार हार झेली है। हालांकि, इसके बावजूद आरआर की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है, लेकिन एलएसजी नौवें स्थान पर है। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए छह में से चार मैच आरआर ने जीते हैं। इकाना स्टेडियम में दोनों टीमों की अब तक एक ही भिड़ंत हुई है जिसमें आरआर ने आसानी से जीत दर्ज की थी। आईपीएल 2025 से अब तक एलएसजी ने अपने घर में नौ में से सात मैच गंवाए हैं तो आगामी मैच से पहले उनके ऊपर भारी दबाव होगा।

एलएसजी के टॉप ऑर्डर की परीक्षा लेंगे आर्चर- इस सीज़न लगातार तीन मैच हो चुके हैं जिनमें जोफ्रा आर्चर ने पहले ओवरों पर ही विकेट निकाले हैं। अब उनका सामना एलएसजी के उस टॉप ऑर्डर से होगा जो इस सीजन काफ़ी संघर्ष करती दिख रही है। इस सीजन पावरप्ले में आर्चर ने छह पारियों में 8.6 की इकॉनमी के साथ छह विकेट चटकाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक-रेट 11 का रहा है। एलएसजी का टॉप आर्डर इस सीजन काफ़ी ख़राब फ़ॉर्म में दिख रहा है। मिचेल मार्श ने इस सीज़न 134 और ऋषभ पंत ने 136 की स्ट्राइक-रेट से रन बनाए हैं। मार्श ने छह पारियों में 155 रन बनाए हैं और अब तक एक भी अर्धशतक नहीं लगा सके हैं। पंत ने एक अर्धशतक तो लगाया है, लेकिन इस सीजन अब तक केवल 147 रन ही बना पाए हैं। एडन मारक्रम टीम के सबसे अच्छे बल्लेबाज़ नज़र आए हैं जिन्होंने छह पारियों में 160 की स्ट्राइक-रेट से 162 रन बनाए हैं।

क्या आरआर के ओपनर्स को परेशान करेंगे प्रिंस- आरआर के ओपनर बल्लेबाज़ों ने इस सीजन धमाकेदार प्रदर्शन किया है और खास तौर से पावरप्ले में उन्होंने काफ़ी तेज़ी से रन बनाए हैं। अब उनका सामना प्रिंस यादव से होगा जो इस सीजन शानदार गेंदबाज़ी कर रहे हैं। इस सीज़न वैभव सूर्यवंशी ने 248 की स्ट्राइक-रेट से रन बनाए हैं और हर दूसरी गेंद पर बाउंड्री लगाते हैं। सूर्यवंशी केवल एक ही बार पावरप्ले में आउट हुए हैं। दूसरी ओर यशस्वी जायसवाल ने इस सीज़न 156 की स्ट्राइक-रेट से रन बनाए हैं और हर चौथी गेंद पर बाउंड्री लगा रहे हैं। प्रिंस ने नई और पुरानी दोनों गेंदों से अब तक लगातार प्रभावित किया है। प्रिंस ने इस सीज़न पावरप्ले में छह पारियों में पांच विकेट निकाले हैं और सबसे ख़ास बात ये है कि उनकी इकॉनमी केवल 7.6 की रही है। प्रिंस ने 11 की स्ट्राइक-रेट से विकेट निकाले हैं। अच्छी गति से गेंदबाज़ी करने वाले प्रिंस निश्चित तौर पर शुरुआत में ही क्रम ओपनर्स को परेशान कर सकते हैं।

खराब फ़ॉर्म से जूझ रहे पराग की और बढ़ेंगी मुश्किलें- आरआर के कप्तान रियान पराग इस सीजन लगातार फ़ॉर्म के लिए जूझ रहे हैं और छह पारियों में उनके बल्ले से 122 की स्ट्राइक-रेट से केवल 61 रन निकले हैं। एलएसजी के दो अनुभवी गेंदबाज़ों आवेश ख़ान और मोहम्मद शमी का उनके ख़िलाफ़ रिकॉर्ड शानदार रहा है तो उनकी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। शमी के ख़िलाफ़ पराग ने आईपीएल में पांच पारियों में 124 की स्ट्राइक-रेट से केवल 21 रन बनाए हैं और तीन बार उनका शिकार बन चुके हैं। दूसरी ओर आवेश के ख़िलाफ़ चार पारियों में पराग दो बार आउट हो चुके हैं। इस दौरान पराग ने 100 की स्ट्राइक-रेट से केवल 16 रन ही बनाए हैं।

दोनों टीमों को बल्ले से सुधारनी होगी फ़िनिशिंग- एलएसजी और आरआर दोनों ही आख़िरी के ओवरों का लाभ लेने में विफल साबित हो रहे हैं। आख़िरी चार ओवरों का महत्व सबसे अधिक रहता है, लेकिन ये दोनों ही टीमें इस अवधि में दिशा भटक जा रही हैं। इस सीजन 17 से 20 ओवरों के बीच सबसे कम रन-रेट वाली टीमों की बात की जाए तो आरआर (8.8) पहले स्थान पर है। एलएसजी का रन-रेट भी इस अवधि में 9.6 रहा है जो ख़राब तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन अन्य टीमों को देखते हुए अब ये भी साधारण लगने लगा है। यदि 17 से 20 ओवर के बीच सबसे अधिक विकेट गंवाने वाली टीमों की बात करें तो एलएसजी दूसरे स्थान पर जिन्होंने 14 विकेट गंवाए हैं। आरआर ने इस अवधि में 9 विकेट गंवाए हैं और संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। एसआरएच ने इस सीज़न 17 से 20 ओवर के बीच सर्वाधिक 21 विकेट गंवाए हैं।

काशी पहुंचे क्रिकेटर रिंकू सिंह, बाबा विश्वनाथ के दरबार में टेका माथा

वाराणसी (वार्ता)। धार्मिक नगरी काशी में भारतीय क्रिकेट टीम और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के स्टार बल्लेबाज रिंकू सिंह तथा मछलीशहर सांसद प्रिया सरोज ने मंगलवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने अपने परिवार तथा देश की खुशहाली, सुख-समृद्धि और सफलता की कामना की। रिंकू सिंह के मंदिर पहुंचने की सूचना मिलते ही उन्हें देखने के लिए प्रशंसकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। उनके आगमन को देखते हुए काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। मंदिर परिसर और आसपास पुलिस बल तैनात रहा, ताकि दर्शन-पूजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। क्रिकेटर रिंकू सिंह जैसे ही मंदिर पहुंचे, लोगों ने 'हर-हर महादेव' के जयघोष के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। प्रशंसकों में उनके साथ फोटो खिंचवाने और एक झलक पाने की उत्सुकता साफ दिखाई दी। दर्शन-पूजन के बाद रिंकू सिंह ने लोगों का अभिवादन स्वीकार किया और हाथ मिलाकर सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अल्काराज, सबालेंका ने लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स में टॉप अवॉर्ड जीते

मैड्रिड (वार्ता)

स्पेनिश टेनिस प्लेयर कार्लोस अल्काराज को 2026 लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स में वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर चुना गया। अल्काराज ने साइकलिस्ट तादेज पोगाकर, जिन्होंने 2025 में अपना चौथा टूर डी फ्रांस जीता था, और कई दूसरी रेस जीती थीं, और अपने मुख्य टेनिस राइवल, जानिक सिनर जैसे कैंडिडेट्स को हराया। टेनिस को एक और कामयाबी तब मिली जब आर्यना सबालेंका को वर्ल्ड स्पोर्ट्सवुमन ऑफ़ द ईयर चुना गया। उन्होंने कहा, इस समय स्पोर्ट्स में बहुत सारी मजबूत, महान और इंस्पायरिंग महिलाएं हैं, उन्होंने एक ऐसे कमरे में शुक्रिया अदा किया जहां बहुत सारे स्टार्स थे। यह सेरेमनी लगातार दूसरे साल मैड्रिड में हुई, जिसमें टेनिस प्लेयर नोवाक जोकोविच और चीनी फ्रीस्टाइल स्कीयर गु ऐलिंग प्रेजेंटिंग ड्यूटी पर थे। गु ने अपनी नई भूमिका की तुलना स्कीइंग से करते हुए कहा कि दोनों से उनके पेट में तितलियाँ दौड़ जाती हैं। एफसी बार्सिलोना के स्पेन इंटरनेशनल खिलाड़ी लैमिन यामल को वर्ल्ड यंग स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ़ द ईयर चुना गया, गु ने अपनी जीत का एक कारण यह बताया कि उनका पूरी पीढ़ी पर असर पड़ा है। यामल ने कहा, मुझे उम्मीद है कि इससे मुझे आगे बढ़ने में मदद मिलेगी, क्योंकि अभी लंबा रास्ता तय करना है। एक और फुटबॉल जीत हुई जब यूरोपियन चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन को लॉरियस वर्ल्ड टीम ऑफ़ द ईयर का अवार्ड मिला, जिसमें उन्होंने इंग्लैंड महिला फुटबॉल टीम और भारत महिला क्रिकेट टीम जैसे अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराया। वर्ल्ड कमबैक ऑफ़ द ईयर का अवार्ड मौजूदा यूएस मास्टर्स गोल्फ चैंपियन रोरी मैक्लरॉय को मिला, जिन्होंने यूरोप को यूनाइटेड स्टेट्स में राइडर कप जीतने में भी मदद की थी। मैक्लरॉय ने कहा, मैं कई बार बाल-बाल बचा, लेकिन इससे मुझे और मेहनत करना और कभी हार न मानना सिखाया और पिछले साल ऑगस्टा में इसका इनाम मिला। उन्होंने दो हफ़्ते से भी कम समय पहले अपना मास्टर्स टाइटल बरकरार रखा था। फ़ॉर्मूला वन वर्ल्ड चैंपियन लैंडो नोरिस वर्ल्ड ब्रेकथ्रू ऑफ़ द ईयर के विनर रहे, इस कैटेगरी में चीन के यू ज़िदी भी नॉमिनीज़ में से एक थे। वर्ल्ड स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ़ द ईयर विद अ डिसेबिलिटी ब्राज़ील के पैरालंपिक स्विमर गैब्रियल अराउजो बने, जबकि क्लोई किम को 2019 और 2020 में लगातार जीत के बाद तीसरी बार वर्ल्ड एक्शन स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ़ द ईयर चुना गया। स्पोर्टिंग इंस्पिरेशन अवॉर्ड रियल मैड्रिड और बायर्न म्यूनिख के पूर्व मिडफील्डर टोनी क्रूस के लिए था, जिनकी एक एकेडमी है और वे अपने देश जर्मनी में बीमार बच्चों के साथ काम करते हैं। उन्होंने अपनी एक्सेप्टेंस स्पीच में कहा, अगर हम सब एक हो जाएं और मिलकर काम करें, तो हम सब एक बड़ा कदम आगे बढ़ा सकते हैं।

स्केचर्स क्रिकेट टीम में शामिल हुए सूर्यकुमार यादव

मुंबई (वार्ता)

स्केचर्स, द कम्फर्ट टेक्नोलॉजी कंपनी, सूर्यकुमार यादव को साइन करके अपने क्रिकेट सफर को तेज कर रही है-जो इंडियन क्रिकेट टीम के सबसे काबिल और असरदार बैट्समैन में से एक हैं और हाल ही में 2026 टी 20 वर्ल्ड कप चैंपियन बने हैं। अपनी कंसिस्टेंसी, शांत और मैच जिताने वाले परफॉर्मेंस के लिए मशहूर, सूर्यकुमार यादव अब स्केचर्स क्रिकेट फुटवियर में खेल रहे हैं और क्रिकेट और दूसरे परफॉर्मेंस फुटवियर कलेक्शन को सपोर्ट करने वाले ब्रांड के मार्केटिंग कैंपेन में शामिल होंगे। इस एसोसिएशन पर बात करते हुए, टीम इंडिया के टी20 वर्ल्ड कप कैप्टन, सूर्यकुमार यादव ने कहा, स्केचर्स के सबसे ऊंचे लेवल पर, आराम आपको फोकस्ड और कंसिस्टेंट रहने में मदद करने में अहम रोल निभाता है।

महिला टी-20 रैंकिंग में भारत और दक्षिण अफ्रीका की खिलाड़ियों की बड़ी छलांग

दुबई (वार्ता)

भारत की ओपनर शेफाली वर्मा डरबन में दूसरे टी20 में 38 बॉल में 57 रन बनाने के बाद आईसीसी महिला टी-20 बैटिंग रैंकिंग में दो स्लॉट ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर आ गई हैं। ओपनर ने दो छक्के और चार चौके मारे, लेकिन यह उनकी टीम को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं था क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने मैच आठ विकेट से जीत लिया। मेजबान टीम वीकेंड की शुरुआत में छह विकेट से मिली जीत के बाद पांच मैचों की सीरीज़ में 2-0 से आगे है, इस हफ्ते मैच डरबन से जोहान्सबर्ग शिफ्ट हो रहे हैं। वर्मा की तरक्की से वेस्टइंडीज की कैप्टन हेली मैथ्यूज एक स्लॉट ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गई हैं। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पहले मैच में 33 बॉल में नाबाद 47 रन बनाए थे, जिससे उन्हें दो स्लॉट ऊपर चढ़कर जॉइंट 11वें नंबर पर जगह मिली है। दक्षिण अफ्रीका की कैप्टन लॉरा वोल्वार्ट अब तक सीरीज़ में सबसे ज्यादा 105 रन बना चुकी हैं, उन्होंने पहले दो मैचों में 51 और 54 रन बनाए थे। वह बैट्समैन में पांचवें स्थान पर बनी हुई हैं। लिस्ट में दूसरी रैंकिंग में एनेरी डर्कसेन और सुने लुस शामिल हैं। डर्कसेन अपने दूसरे मैच में नाबाद 44 रन बनाने के बाद 18 स्लॉट ऊपर चढ़कर 33वें स्थान पर आ गईं, जबकि लुस की 46 गेंदों में 57 रन की पारी ने उन्हें पिछले हफ्ते के 43वें स्थान से 35वें स्थान पर पहुँचाया और उनके करियर के बेस्ट 508 रेटिंग पॉइंट्स हैं। ऑलराउंडर क्लो ट्रायोन पहले मैच में 18 रन बनाकर नाबाद रहीं और दूसरे मैच में 22 रन देकर तीन विकेट लेकर ऑलराउंडर्स में चार स्लॉट ऊपर चढ़कर जॉइंट-11वें स्थान पर पहुँच गई, बैट्समैन्स की लिस्ट में एक स्लॉट ऊपर चढ़कर 59वें स्थान पर पहुँच गईं और बॉलर्स में तीन स्लॉट ऊपर चढ़कर 38वें स्थान पर पहुँच गईं। लेफ्ट-आर्म स्पिनर नॉनकुलुलेको म्लाबा टी 20 बॉलिंग रैंकिंग में जॉइंट-छठे स्थान पर आ गईं, उन्होंने किंग्समीड में अपने होम स्टेडियम में दूसरे मैच में 17 रन देकर एक विकेट लिया। आखिर में, अयाबोंगा खाका शुरुआती मैच में 16 रन देकर तीन विकेट लेने के बाद आठ स्थान ऊपर चढ़कर 25वें स्थान पर आ गईं।

चोटिल आयुष म्हात्रे आईपीएल से बाहर

चेन्नई (वार्ता)

चेन्नई सुपर किंग्स को मंगलवार (21 अप्रैल) को बड़ा झटका लगा जब आयुष म्हात्रे हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण आईपीएल 2026 के बाकी मैचों से बाहर हो गए। सीएसके ने कन्फ़र्म किया है कि 18 साल के इस खिलाड़ी की चोट के लिए 6-12 हफ़्ते के रिहैबिलिटेशन पीरियड की जरूरत होगी, जिससे वह कॉम्पिटिशन से बाहर हो गए हैं। 18 अप्रैल को हैदराबाद में एसआरएच के खिलाफ बैटिंग करते समय दूसरा रन लेने की कोशिश में इस युवा खिलाड़ी को अपनी बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी हुई देखी गई। आउट होने से पहले उन्हें मैदान पर कुछ बार ध्यान देने की जरूरत पड़ी, और वापस आते समय, रामकृष्ण घोष और फिजियो टॉमी सिमसेक ने उन्हें मैदान से बाहर जाने में मदद की। इसके बाद सोमवार को बैटर का स्कैन हुआ ताकि यह पता चल सके कि उसकी चोट कितनी गंभीर है। म्हात्रे की गैरमौजूदगी में सीएसके की संभावनाओं को बहुत नुकसान होगा क्योंकि पांच बार की चैंपियन टीम पहले से ही टूर्नामेंट में लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही है। अपने पहले तीन गेम हारने के बाद, सीएसके ने अगले दो गेम जीते और हाल ही में हैदराबाद में हार गई। म्हात्रे अब तक 177.87 के शानदार स्ट्राइक रेट से उनके टॉप स्कोरर रहे हैं। सीएसके को कुछ दिन पहले ही एक झटका लगा था जब सीमर खलील अहमद टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही उन्होंने नाथन एलिस को भी चोट के कारण खो दिया था और डेवाल्ड ब्रेविस भी शुरुआती गेम में नहीं खेले थे।

चावल, दाल, तेल में नरमी, गेहूं और चीनी के भाव बढ़े

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल का औसत भाव टूट गया। चावल के साथ दालों और खाद्य तेलों में भी गिरावट रही। वहीं, गेहूं और चीनी के दाम बढ़ गये। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 11 रुपये गिरकर 3,832 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं तीन रुपये महंगा हुआ और 2,783 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत पांच रुपये बढ़ गयी। दाल-दलहनों में नरमी रही। उड़द दाल की औसत कीमत 14 रुपये घट गयी। मूंग दाल 12 रुपये और मसूर दाल आठ रुपये सस्ती हुई। चना दाल का भाव सात रुपये और तुअर दाल का तीन रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जुलाई का पाम ऑयल वायदा 63 रिंगिट चढ़कर 4,561 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.82 प्रतिशत की मजबूती के साथ 69.87 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल की औसत कीमत 35 रुपये और वनस्पति की 28 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। सोया तेल 23 रुपये और मूंगफली तेल 16 रुपये सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल 14 रुपये और सरसों तेल छह रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 16 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। वहीं, चीनी दो रुपये महंगी हुई। दाल चना 7673.66 रुपये, मसूर काली 8080.20 रुपये, मूंग दाल 10160.65 रुपये, उड़द दाल 10793.48 रुपये, तुअर दाल 11250.43 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2782.62 रुपये और चावल 3832.41 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3264.78 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4302.53 रुपये और गुड़ 4991.99 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 17865.74 रुपये, मूंगफली तेल 18797.13 रुपये, सूरजमुखी तेल 17456.34 रुपये, सोया तेल 14832.46 रुपये, पाम ऑयल 13399.30 रुपये और वनस्पति 14862.46 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

जूनिपर ग्रीन एनर्जी ने शुरू की पहली एफडीआरआई परियोजना की कमीशनिंग

अहमदाबाद (वार्ता)। जूनिपर ग्रीन एनर्जी ने देश के पहले फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी (एफडीआरई) परियोजना की कमीशनिंग शुरू कर दी है। कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह एकीकृत परियोजना 259 मेगावॉट पी सोलर, 280 मेगावॉट विंड और 200 मेगावॉट आवर बैटरी स्टोरेज एनर्जी सिस्टम (बीईएसएस) को जोड़ता है, जो राजस्थान और गुजरात में फैला हुआ है। इसे केंद्र सरकार की प्रमुख एफडीआरई गाइडलाइंस के तहत इस तरह डिजाइन किया गया है कि ग्रिड की जरूरत के अनुसार भरोसेमंद, स्थिर और समय पर स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध करायी जा सके। जूनिपर ग्रीन एनर्जी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकुश मलिक ने बताया कि देश की पहली एफडीआरआई परियोजना की कंपनी की मजबूत कार्य क्षमता, तकनीकी समझ और हरित ऊर्जा के भविष्य को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। एफडीआरई सिर्फ एक परियोजना नहीं है, बल्कि यह कंपनी की उस सोच को सामने लाने का माध्यम है कि भारत भविष्य में अपनी ऊर्जा जरूरतों को आगे कैसे पूरा करेगा। केंद्रीय बिजली मंत्रालय ने जून 2023 में एफडीआरई के दिशा-निर्देश जारी किये थे। इसमें सोलर, विंड और बैटरी स्टोरेज को एक ही परियोजना में जोड़ने के लिए कहा गया है, ताकि बिजली वितरण कंपनियों की मांग के अनुसार तय समय पर बिजली दी जा सके। पारंपरिक नवीकरणीय ऊर्जा के मुकाबले एफडीआरई तय और जरूरत के अनुसार उपलब्ध रहता है। यह पहली बार कोयला आधारित बिजली का एक स्वच्छ और भरोसेमंद विकल्प बनकर सामने आया है। कंपनी ने कहा है कि उत्तर भारत में गर्मी बढ़ने के साथ बिजली की मांग भी रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है।

नयी दवा कंपनी रे नियो फार्मा ने परिचालन शुरू किया

मुंबई, (वार्ता)। देश के फार्मा क्षेत्र में अपने पदार्पण के घोषणा करते हुए रे नियो फार्मा ने आधिकारिक तौर पर अपने परिचालन की शुरुआत कर दी है। कंपनी ने मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि एक लचीले और आधुनिक बिजनेस मॉडल पर आधारित कारोबार के साथ वह 90 से अधिक फॉर्मूलेशन की एक विस्तृत श्रृंखला पेश कर रही है, जो सामान्य बीमारियों से लेकर विशेष उपचार क्षेत्रों तक फैली हुई है। इसके साथ ही, कई नये और उन्नत फॉर्मूलेशन पर भी काम जारी है। रे नियो फार्मा की स्थापना पटनी कंप्यूटर्स के प्रवर्तक परिवार से ताल्लुक रखने वाले अमित पटनी ने की है। उनके पास विनिर्माण, स्वास्थ्य अवसंरचना, ऊर्जा और वित्त जैसे क्षेत्रों का अनुभव है। कंपनी एंटीबायोटिक्स, डायबिटीज, गैस्ट्रो-इंटेस्टाइनल, दर्द एवं ऑर्थोपेडिक उपचार, एलर्जी और श्वसन रोग, हृदय रोग, चर्म रोग और प्रोटीन पंप इन्हिबिटर्स जैसी विभिन्न प्रकार दवाएं बना रही है। उसका फोकस ब्रांडेड जेनेरिक उत्पादों पर है। कंपनी का वितरण नेटवर्क बिहार, झारखंड, ओडिशा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली-एनसीआर, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में है। कंपनी का दावा है कि वह देश की लगभग 55-60 प्रतिशत आबादी तक अपनी पहुंच बना रहा है। श्री पटनी ने कहा, हम फार्मास्यूटिकल्स को सिर्फ एक साधारण व्यवसाय के रूप में नहीं देखते; बल्कि इसे स्वास्थ्य सेवा के जरिये राष्ट्र निर्माण के प्रयास के रूप में देखते हैं। हमारा मानना है कि स्वास्थ्य सेवाओं का भविष्य सिर्फ विज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवीय मूल्यों से भी गहराई से जुड़ा है।

शेयर बाजारों में तेजी जारी, एक फीसदी चढ़ा सेंसेक्स

मुंबई

अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप मिलने की उम्मीद में मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में तेजी देखी गयी और प्रमुख सूचकांक करीब एक फीसदी ऊपर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 753.03 अंक (0.96 प्रतिशत) चढ़कर 79,273.33 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 211.75 अंक यानी 0.87 प्रतिशत ऊपर 24,576.60 अंक पर रहा। यह दोनों सूचकांकों का इस साल 05 मार्च के बाद का उच्चतम स्तर है। अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए आगे की वार्ता के उद्देश्य से भारतीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका गया है। निवेशकों को उम्मीद है कि इस समझौते के लागू होने से दोनों देशों के लिए नये अवसर खुलेंगे और द्विपक्षीय व्यापार बढ़ेगा। बाजार में आज चौतरफा लिवाली देखी गयी। निवेशकों ने मझौली तथा छोटी कंपनियों में भी विश्वास दिखाया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.47 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.88 प्रतिशत चढ़ा। फार्मा और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों की हल्की गिरावट को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों के सूचकांक ऊपर रहे। एफएमसीजी समूह का सूचकांक ढाई प्रतिशत, रियल्टी का दो प्रतिशत और निजी बैंकिंग समूह का डेढ़ फीसदी ऊपर बंद हुआ। वित्त, मीडिया, सार्वजनिक बैंकिंग, आईटी और रसायन समूहों के सूचकांक भी मजबूती में रहे। एनएसई में जिन 3,436 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें 2,088 के शेयर हरे निशान में जबकि 1,245 के लाल निशान में रहे। अन्य 103 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंत में अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 23 के शेयर ऊपर बंद हुए। ट्रेंट में 3.55 प्रतिशत की तेजी रही। हिंदुस्तान यूनीलीवर का शेयर 3.13 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक का 2.41, बजाज फाइनेंस का 2.28 और एचडीएफसी बैंक का 2.04 प्रतिशत की बढ़त में रहा। इटरनल और एक्सिस बैंक दोनों में 1.79 प्रतिशत, आईटीसी में 1.36, टीसीएस में 1.24, बजाज फिनसर्व में 1.20, एशियन पेंट्स और अडानी पोर्ट्स दोनों में 1.07, और अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.02 प्रतिशत की तेजी रही। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एलएंडटी, कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी ऊपर बंद हुए। बीईएल का शेयर सबसे अधिक 1.33 प्रतिशत टूट गया। टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एनटीपीसी में भी गिरावट रही। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 0.89 प्रतिशत, हांगकांग का हैंग सेंग 0.48 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.07 प्रतिशत चढ़ गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.47 प्रतिशत ऊपर था जबकि ब्रिटेन के एफटीएसई में 0.13 फीसदी की गिरावट रही।

वैश्विक पहचान बना रहा संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क : मंत्री टेटवाल

फिलीपींस के 24 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने ग्लोबल स्किल पार्क के कौशल मॉडल को गहराई से समझा

युवाओं को रोजगार से जोड़ने में मध्यप्रदेश का सशक्त स्किलिंग इको सिस्टम बना मिसाल

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क में मध्यप्रदेश के कौशल विकास मॉडल की व्यापक और प्रभावी प्रस्तुति उस समय देखने को मिली, जब फिलीपींस की तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास प्राधिकरण के 24 सदस्यीय उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान का विस्तृत भ्रमण कर इसकी कार्यप्रणाली, प्रशिक्षण व्यवस्था और उद्योग-आधारित दृष्टिकोण को गहराई से समझा। यह दौरा प्रदेश में विकसित हो रहे कौशल तंत्र की वैश्विक स्वीकार्यता और बढ़ती विश्वसनीयता का स्पष्ट संकेत बना।

कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य युवाओं को ऐसी आधुनिक और रोजगारोन्मुखी कौशल से जोड़ना है, जिससे वे सीधे रोजगार प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क देश का पहला पूर्णतः संचालित बहु-कौशल प्रशिक्षण केंद्र है, जो अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। मंत्री श्री टेटवाल एवं प्रतिनिधि मण्डल के बीच स्मृति चिन्हों का आदान-प्रदान हुआ।

यहाँ प्रशिक्षित युवा देश और विदेश में रोजगार प्राप्त कर रहे

मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने कहा कि यह संस्थान आज एशिया स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है और विभिन्न देशों के प्रतिनिधि यहाँ आकर इसकी कार्यप्रणाली को समझ रहे हैं तथा अपने देशों में इस प्रकार के संस्थान स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यहाँ प्रशिक्षित युवा देश और विदेश में रोजगार प्राप्त कर रहे हैं, जो इस मॉडल की प्रभावशीलता को दर्शाता है। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में 1200 क्षमता वाले छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है तथा बढ़ती मांग को देखते हुए समान क्षमता के नए छात्रावास का विस्तार किया जा रहा है।

प्रशिक्षण की व्यावहारिकता एवं गुणवत्ता की सराहना

कार्यक्रम की शुरुआत संत शिरोमणि रविदास जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने से हुई, जिसके बाद प्रतिनिधिमण्डल एवं संस्थान के कोर्स हेड एवं प्रिंसिपल हेड द्वारा एक-दूसरे को पद और भूमिका का परिचय दिया गया। सीईओ गिरीश शर्मा द्वारा संस्थान की उपलब्धियों और संरचना के संबंध में जानकारी दी गयी। प्रतिनिधि मण्डल को ऑडियो-विजुअल के माध्यम से संस्थान की विकास यात्रा और उपलब्धियों से अवगत कराया गया। प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्य परिसर एवं सिटी परिसर की विभिन्न अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, ऑडिटोरियम, मीडिया कक्ष, पुस्तकालय और जीवन कौशल क्लब का भ्रमण किया गया। प्रतिनिधियों ने लाइव प्रदर्शन देखे और विद्यार्थियों से संवाद करते हुए प्रशिक्षण की व्यावहारिकता एवं गुणवत्ता की सराहना की।

करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ का शुभारंभ

इस दौरान करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ का शुभारंभ किया गया। साथ ही लीडरशिप मास्टर क्लास में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र एवं प्रोत्साहन वाउचर प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में अंकित प्रजापति को इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने सिटी परिसर में प्रिसिजन इंजीनियरिंग से संबंधित सीएनसी एवं पारंपरिक प्रयोगशालाओं का गहन अवलोकन किया। हब एवं स्पोक मॉडल के अंतर्गत विभिन्न औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा प्रस्तुति दी गई, जिसमें विकेन्द्रीकृत प्रशिक्षण प्रणाली को स्थानीय उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप संचालित किए जाने की जानकारी साझा की गई।

आगामी वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की जानकारी साझा की

संवाद सत्र में प्रशिक्षण प्रक्रियाओं, पाठ्यक्रम संरचना, उद्योग सहभागिता और प्लेसमेंट व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा हुई। संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. गिरीश शर्मा ने आगामी वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की जानकारी साझा की, वहीं प्रतिनिधिमंडल ने भी अपने क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क को प्रस्तुत किया, जिससे दोनों पक्षों के बीच ज्ञान और श्रेष्ठ प्रथाओं का आदान-प्रदान हुआ।

इस अवसर पर उन्नत नेटवर्किंग एवं प्रणाली प्रशासन पाठ्यक्रम के अंतर्गत सिस्को नेटवर्किंग अकादमी का शुभारंभ किया गया, जो वैश्विक स्तर की प्रशिक्षण सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

प्रतिनिधिमंडल और अधिकारियों के बीच सार्थक संवाद

कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागृह में आयोजित दोपहर भोज के दौरान प्रतिनिधिमंडल और अधिकारियों के बीच सार्थक संवाद हुआ। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझा और विशेष रुचि दिखाई।

कार्यक्रम के अंत में प्रतिनिधिमंडल द्वारा वृक्षारोपण किया गया, जो सहयोग और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के प्रमुख सचिव मनीष सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल में तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास प्राधिकरण के निदेशक गिल्बर्ट एम. कास्त्रो, स्टीफन आई. सीज़र, एशियन विकास बैंक की शिक्षा क्षेत्र की प्रधान परियोजना अधिकारी पूनम शर्मा भाम्बरी तथा आईपीई ग्लोबल के सदस्य सहित अन्य प्रतिनिधि शामिल रहे।

सशस्त्र सेना झंडा निधि में योगदान, राष्ट्र भक्ति की सशक्त अभिव्यक्तिः पटेल

भोपाल (स्वतंत्र मत)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि करूणा और दया मानव का मूल स्वभाव है। दान अंतर्रात्मा की आवाज है। यह आत्मीय भाव से की गयी सहयोग की पहल है। इस भावना को जरूरतमंदों की सेवा में लगाने में ही जीवन की सार्थकता है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र सेना झंडा कोष में उदार योगदान हमारे सैनिकों और उनके परिवारों का केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति की सशक्त अभिव्यक्ति है। झंडा निधि में सहयोग राष्ट्र सेवा में समर्पित वीरों के प्रति हमारे कर्तव्य पालन का अवसर है। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रदेशवासियों का आहवान किया कि सैनिक कल्याण के लिए अपनी क्षमता के अनुसार अधिक से अधिक दान दें। साथ ही अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। राज्यपाल श्री पटेल मंगलवार को समामेलित विशेष निधि प्रबंध समिति की बैठक उपरांत लोकभवन में आयोजित सशस्त्र सेना झंडा निधि में विशेष योगदान देने वालों के अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने लक्ष्य से अधिक राशि संग्रहण के लिए संभागायुक्त जबलपुर धनंजय सिंह भदौरिया, हरदा कलेक्टर सिद्धार्थ जैन, अलीराजपुर कलेक्टर नीतू माथुर, नीमच कलेक्टर हिमांशु चंद्रा और दानदाताओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव गृह के.सी. गुप्ता, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, सचिव गृह विभाग शिल्पा गुप्ता, जी.ओ.सी. मध्यप्रदेश मेजर जनरल संजय गौतम, ब्रिगेडियर शरद नायर और विकास बत्रा सहित सैनिक कल्याण बोर्ड मध्यप्रदेश के पदाधिकारी, प्रबंध समिति के सदस्य मौजूद थे। राज्यपाल श्री पटेल ने अभिनंदन समारोह में निर्धारित लक्ष्यों से अधिक राशि एकत्र करने वाले जिलों की सराहना की। सैनिक कल्याण प्रयासों में सहभागी सभी उपक्रमों, संगठनों और व्यक्तिगत दानदाताओं का आभार भी जताया। राष्ट्रीय सम्मेलन में विगत वर्ष सशस्त्र बलों के पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिये उत्कृष्ट योगदान के लिए मध्यप्रदेश को सम्मानित किए जाने की बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल प्रशासनिक दक्षता का परिचायक नहीं, बल्कि हमारे समाज की जागरूकता, संवेदनशीलता और देशभक्ति का प्रतीक है। इसके लिए सभी संभाग आयुक्तों, कलेक्टरों तथा प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी और आशा जताई कि यह प्रयास निरंतर आगे भी जारी रहेंगे।

राज्यपाल ने दानदाताओं का सम्मान कर भरपूर दान का प्रदेशवासियों से किया आहवान

जनसुनवाई में 163 आवेदनों पर हुई सुनवाई

दमोह (स्वतंत्र मत)। मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने आवेदकों से क्रमवार उनके आवेदन लेकर संबंधित अधिकारियों को तत्परता से निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की बातों को बड़ी गंभीरता से सुना साथ ही इस जनसुनवाई में जिला स्तरीय अधिकारियों से कहा कि वह हर जनसुनवाई में इसी तरह मौजूद रहकर आवेदकों की समस्याओं का यथासंभव स्थल पर निराकरण करें अन्यथा निर्धारित समय सीमा में निराकृत कर अवगत कराये। इस अवसर पर एक दिव्यांगजन ने दमोह आने पर बस का किराया शासन के निर्देशानुसार कराए जाने हेतु आवेदन दियाए कलेक्टर श्री यादव ने तत्काल ही संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा सभी पात्र दिव्यांग जनों को इस तरह की व्यवस्था का लाभ सुनिश्चित कराया जाए। इसी तरह बटियागढ़ और जबेरा क्षेत्र से आए किसानों का सीमांकन का और बॅटवारा प्रकरण का त्वरित निराकरण हेतु संबंधित तहसीलदारों को दिशा निर्देश देते हुए कार्रवाई कर अवगत कराने के लिए कहा गयास जनसुनवाई में विद्युत बिलों के संबंध में प्राप्त आवेदनों का कार्यपालन यांत्रिक विद्युत मंडल श्री साहू को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 10 व्यारमा में आयोजित जनसुनवाई में जिले के दूरदराज क्षेत्रों से आये हितग्राहियों की समस्याओं को सुना। इस दौरान सामान्य जनसुनवाई में 163 आवेदनों पर सुनवाई करते हुये संबंधित अधिकारियों को समय.सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 9 आधार अपडेशन, 120 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही जनसुनवाई के दौरान कुछ सामूहिक आवदेन भी दिए गए। इस दौरान एडीएम मीना मसराम, एसडीएम रचना प्रजापति, लोकसेवा प्रबंधक चक्रेश पटेल सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

30 तक तेन्दूपत्ता तोड़ने के लिए निषिद्ध क्षेत्र घोषित

दमोह।

भारतीय वन अधिनियम 1927 एवं उसके अंतर्गत बनाये गये नियम जैव विविधता संरक्षण एवं पोषणीय कटाई नियम 2005 के नियम 4 के प्रावधानो के अंतर्गत दमोह जिले के पूर्ण क्षेत्र को 30 अप्रैल तक की अवधि के लिए तेन्दूपत्ता तोड़ने के लिए निषिद्ध क्षेत्र घोषित किया जाता है। उक्त जानकारी वन मंडल अधिकारी ईश्वर जरांडे द्वारा दी गई है।

पारिवारिक संस्कृति व प्रेम, शांति, सद्भावना रथ को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिखाई हरी झण्डी

प्रेम, शांति और विश्व बंधुत्व का संदेश लेकर गांव-गांव तक पहुंचेगा दिव्य रथ

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रीवा में ब्रह्मकुमारी संस्थान द्वारा संचालित किए जा रहे पारिवारिक संस्कृति व प्रेम, शांति एवं सद्भावना रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अभियान समाज में प्रेम, शांति और भाईचारे की भावना को सशक्त करेगा तथा प्रदेश में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा। प्रेम, शांति और विश्व बंधुत्व का संदेश लेकर गांव-गांव तक भ्रमण करने वाले रथ से एकता, प्रेम, सद्भावना व नशामुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजागृति रथ में स्थापित 12 ज्योतिर्लिंगों के दिव्य स्वरूपों की पूजा-अर्चना की। रीवा के राजनिवास सर्किट हाउस में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने ब्रह्मकुमारी संस्थान द्वारा चलाए जा रहे जन जागरण अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पावन और आध्यात्मिक कार्य प्रदेश में विश्व बंधुत्व की भावना जागृत करने में सहायक सिद्ध होगा। ब्रह्मकुमारी संस्थान की भोपाल जोन की डायरेक्टर बीके निर्मला के निर्देशन में जन जागरण अभियान अंतर्गत ज्योतिर्लिंग रथ रीवा जिले में महाशिवरात्रि 2027 तक भ्रमण करेगा। कार्यक्रम में जिला भाजपाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता सहित ब्रम्हकुमारी संस्थान के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जनगणना से मिलेगा सटीक डेटा : राज्यमंत्री पटेल

स्वगणना फार्म भरने की अपील

दमोह (स्वतंत्र मत)।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग के राज्यमंत्री लखन पटेल ने कहा कि प्रदेश में जनगणना की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इसके अंतर्गत उन्होंने स्वयं आज स्व गणना फार्म भरकर इसकी शुरुआत की। उन्होंने बताया कि यह फॉर्म बेहद सरल और सहज है जिसमें लगभग 34 प्रश्नों के उत्तर देने होते हैं। राज्यमंत्री पटेल ने कहा फॉर्म में घर की स्थिति, कमरों की संख्या, कच्चा या पक्का मकान, उपलब्ध सुविधाएं और शौचालय जैसी सामान्य जानकारियां पूछी जाती हैं जिन्हें आसानी से भरा जा सकता है। उन्होंने इसे डिजिटलाइजेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय कदम बताया।

उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक स्वगणना फॉर्म भरे जा रहे हैं जबकि 1 मई से प्रगणक द्वारा जानकारी एकत्र की जाएगी। यदि नागरिक समय पर स्वयं फॉर्म भर लेते हैं तो आगे की प्रक्रिया और भी सरल हो जाएगी। राज्यमंत्री पटेल ने बताया यह पूरी प्रक्रिया डिजिटल है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को एक आईडी मिलेगी। इस आईडी के माध्यम से उसकी सभी जानकारी सुरक्षित रूप से दर्ज रहेगी और आवश्यकता पड़ने पर आसानी से उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि जनगणना के बिना देश और प्रदेश की योजनाओं का सही निर्माण संभव नहीं है। आगामी समय में जनगणना पूरी होने के बाद जनसंख्या और विभिन्न वर्गों के आंकड़ों के आधार पर योजनाएं बनाकर विकास को गति दी जा सकेगी। उन्होंने सभी नागरिकों से स्व गणना फॉर्म शीघ्र भरने और इस महत्वपूर्ण कार्य में सहयोग देने की अपील की।

प्रज्ञा शर्मा ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त किए

हटा (स्वतंत्र मत)। रिटायर शिक्षक सरमन शर्मा की नातिन ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा कक्षा दसवीं में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर नाम रोशन किया गया है, इनके पिता अरुण शर्मा भी शिक्षक हैं एवं इनकी माता नीता शर्मा ग्रहणी है। इनकी इस उपलब्धि पर स्कूल प्राचार्य एवं स्टाफ ने हर्ष व्यक्त किया है।

अक्षय तृतीया पर लीनेस क्लब का सेवा एवं जनजागरूकता अभियान

दमोह (स्वतंत्र मत)। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर लीनेस क्लब द्वारा जटाशंकर धाम में सेवा संस्कार एवं सामाजिक जागरूकता से ओत-प्रोत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंदों के बीच ठंडाई, शीतल पेय, सत्तू के पैकेट तथा ताजे फलों का वितरण किया गया। संचालन अंशुल शर्मा के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में संपन्न हुआ। अक्षय तृतीया के अवसर पर पारंपरिक रूप से होने वाली गुड्डा-गुड़िया विवाह की परंपरा को भी सामाजिक संदेश से जोड़ा गया। क्लब सदस्यों ने बताया कि इस परंपरा के माध्यम से स्थानीय गरीब एवं मेहनतकश परिवारों द्वारा बनाए गए पारंपरिक सामानों की खरीदारी कर उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान किए जा सकते हैं। साथ ही समाज को यह संदेश भी दिया गया कि बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त कर बच्चों को शिक्षा एवं उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर लीनेस क्लब की प्रदेश डायरेक्टर रोजी बघ्गा ने कहा अक्षय तृतीया केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि सेवा, दान और समाज को सही दिशा देने का अवसर भी है। हमें जरूरतमंदों की सहायता करते हुए बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध जागरूकता फैलानी चाहिए। जब समाज जागरूक होगा, तभी सच्चे अर्थों में प्रगति होगी।

केवल वे मामले ही उच्च स्तर पर आए जो स्थानीय स्तर पर निपटाए नहीं जा सकते : कलेक्टर

जनसुनवाई में अधिकारियों से कहा संवेदनशील प्रशासन ही जनता का विश्वास जीतता है

दमोह (स्वतंत्र मत)।

नवागत कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, जिम्मेदार और जनकेंद्रित बनाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की संवेदनशीलता और जनता का विश्वास ही उसकी वास्तविक विश्वसनीयता है। यदि लोगों को यह भरोसा नहीं होगा कि उन्हें यहाँ न्याय मिलेगा तो वे अपनी समस्याएं लेकर प्रशासन के पास क्यों आएंगे। छोटी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान आवश्य होना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कई छोटी-छोटी समस्याएं जो ग्राम पंचायत, तहसील या अनुभाग स्तर पर ही सुलझाई जा सकती हैं, वे अनावश्यक रूप से जिला स्तर तक पहुंच रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत, तहसील, अनुभाग स्तर के मामलो का समाधान उसी स्तर पर होना चाहिए, इससे आमजन का समय और अनावश्यक खर्च दोनों बचेंगे। उन्होने सभी अधिकारियों को आवेदनों पर गंभीरता से विचार करने और समय-सीमा में समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन की जिम्मेदारी केवल समस्याएँ सुनना नहीं बल्कि लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाना है। उन्होंने राजस्व और नगरीय निकायों को कैंप लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा टीएल बैठक आयोजित की जाएगी जिसमें अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए जाएंगे। साथ ही राजस्व अधिकारियों और नगरीय निकायों को अपने अपने स्तर पर कैंप लगाने के निर्देश भी दिए गए हैं ताकि लोगों को जिला मुख्यालय तक भटकना न पड़े। उन्होने आमजन से आग्रह किया कि वे अपनी समस्या के अनुसार पहले संबंधित स्तर ग्राम पंचायत/तहसील/अनुभाग पर आवेदन दें। यदि वहां समाधान नहीं मिलता तब ही जिला स्तर पर आएँ। इससे जिम्मेदारी तय करना आसान होगा और लापरवाही पर कार्रवाई भी संभव होगी।

उन्होने सभी एसडीएम, नगरीय निकायों के सीएमओ और शहरी विकास अभिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पहले कैंप लगाएं। इन कैंपों में पटवारी, पंचायत अधिकारी और अन्य विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहेंगे ताकि अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा सके। प्रशासन का उद्देश्य है कि छोटे-छोटे कार्यों के लिए लोगों को जिला मुख्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। केवल वे मामले ही उच्च स्तर पर भेजे जाएंगे जो स्थानीय स्तर पर निपटाए नहीं जा सकते है। इस व्यवस्था से कार्यों में तेजी आएगी और आम जनता को राहत मिलेगी।

कलेक्टर यादव ने उदाहरण देते हुए बताया कि कई शिकायतें जैसे-नालियों पर अतिक्रमण, सफाई व्यवस्था में लापरवाही ऐसी समस्याएँ हैं जिन्हें स्थानीय स्तर पर ही सुलझाया जा सकता है। इन मामलों में लोगों को जिला स्तर तक आने के लिए मजबूर करना उचित नहीं है। उन्होने कहा उनका मुख्य उद्देश्य है कि लोगों की समस्याओं का त्वरित और न्यायपूर्ण समाधान हो, जिससे वे संतुष्ट रहें और प्रशासन के प्रति उनका विश्वास बना रहे। गर्मी के मौसम में गर्मी से बचाव के लिये कलेक्टर कार्यालय के बाहर शिकायतकर्त्ताओं के लिये पीने के लिये पानी की व्यवस्था के साथ मट्ठे की व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण/ हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुभाषनगर महाराजपुर जबलपुर स्थित भूखण्ड क्रमांक एम.आई.जी. - 102 श्री राजनाथ विश्वकर्मा पिता श्री जवाहर लाल विश्वकर्मा के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 16.03.2017 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड श्री राजनाथ विश्वकर्मा पिता श्री जवाहर लाल विश्वकर्मा के द्वारा पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 08.12.2025 के माध्यम से श्रीमती शारदा लोधी पति श्री आलोक कुमार लोधी को विक्रय किया है। श्रीमती शारदा लोघी पति श्री आलोक कुमार लोधी द्वारा उक्त भवन स्वयं के नाम करने हेतु आवेदन / दस्तावेज इस कार्यालय में लीज हस्तांतरण हेतु प्रस्तुत किया गया है। यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त सम्पत्ति के लीज हस्तांतरण बाबत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि उपरांत लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति / दावा मान्य नही होगा ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

नाम सुधार सूचना

मैं शिल्पी पवार उम्र 49 वर्ष पति अरुण सिंह पवार निवासी म.नं. 1180, जहांगीराबाद, राईट टाउन जबलपुर जिला जबलपुर म.प्र. की निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करतू हूं कि-
1. यह कि मैं उपरोक्त पते पर निवास करती हूं, तथा मेरा आधार संख्या 7605 8258 7168 है। 2. यह कि मेरे नाम से जारी पासपोर्ट संख्या N7403571 में मेरा नाम SHILPI SINGH PAWAR दर्ज है, जबकि मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड, मतदाता परिचय पत्र में मेरा नाम SHILPI PAWAR दर्ज है। 3. यह कि SHILPI SINGH PAWAR एवं SHILPI PAWAR उक्त दोनों नाम मेरे याने एक ही महिला के हैं। अतः शिल्पी पवार के नाम से जाना एवं पहचाना जावें। 4. यह कि मेरा नाम जो मेरे पासपोर्ट में SHILPI SINGH PAWAR दर्ज है,जिसके स्थान पर मैं आधार कार्ड के आधार पर SHILPI PAWAR दर्ज कराना चाहती हूं, जिस हेतु शपथ पत्र प्रस्तुत है।

गलत नाम- शिल्पी सिंह पवार
SHILPI SINGH PAWAR
सही नाम - शिल्पी पवार
SHILPI PAWAR

➤ किराए के कमरे में रहती थी मृतका, आनंद कॉलोनी की घटना

बीमारी से तंग आकर बीएससी की छात्रा ने दी जान

जबलपुर। कोतवाली थाना अंतर्गत आनंद कॉलोनी (बल्देवबाग) में रहने वाली एक 18 वर्षीय छात्रा ने मंगलवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान स्वर्णलता वरमैया के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि छात्रा लंबे समय से बीमार थी, जिस कारण उसने आत्महत्या कर ली।

➤ जिला प्रशासन की ताबड़तोड़ कार्यवाही, लगाया अर्थदण्ड

अवैध उत्खनन पर दर्ज हुए 136 प्रकरण

जबलपुर। जिले में रेत खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने राजस्व, खनिज एवं पुलिस बल द्वारा निरंतर छापामार कार्यवाही की जा रही है। अलग-अलग स्थानों पर दबिश देते हुए इस वर्ष जिला प्रशासन की टीम ने 136 प्रकरण दर्ज करते हुए अर्थदण्ड लगाया है।

➤ पाटन के ग्राम टिमरी में चोरी की वारदात

सोता रह गया परिवार ट्रैक्टर चुरा ले गये चोर

जबलपुर। पाटन के ग्राम टिमरी क्षेत्र में चोरी की वारदात सामने आई है। बाड़े में खड़े दो ट्रैक्टरों में से चोरों ने पुराने को हाथ तक नहीं लगाया और सीधे नए चमचमाते ट्रैक्टर को स्टार्ट कर फरार हो गए, इस मामले में किसान नरेन्द्र कुमार साहू ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराने के साथ ही चोरों पर 50 हजार रुपए का इनाम रखा है।

पालोमी घोष का अभिनय देख मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

हितकारिणी डेंटल कॉलेज में हुआ नाटक का मंचन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

एकल अभिनय में दक्ष बंगाल की बालिका पालोमी घोष ने मंगलवार को हितकारिणी डेंटल कॉलेज अपने अभिनय की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंगलवार को हितकारिणी डेंटल कॉलेज में हुए आयोजन में थिएटर आर्टिस्ट पॉलोमी घोष द्वारा हेलेन केलर के जीवन पर आधारित नाटक का मंचन किया गया, जिसमें हितकारिणी के डेंटल कॉलेज एवं इंजीनियरिंग तथा आर्किटेक्चर के छात्र-छात्रा उपस्थित रहे । कोलकाता की मशहूर थिएटर आर्टिस्ट पालोमी घोष द्वारा उक्त नाटक के माध्यम से सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। उन्होंने हेलेन केलर के जीवन पर आधारित नाटक का मंचन कर छात्र-छात्राओं को बताया की किस तरह छोटी सी आयु में हेलेन केलर का बीमारी के दौरान आंखों की रोशनी, कानों में सुनाई ना देना तथा बोल नहीं पाना जैसी स्थिति हो गई थी। लेकिन इसके बाद भी हेलेन द्वारा जीवन में संघर्ष करते हुए अपने आप को स्थापित किया।

कठिन परिस्थितियों में भी की पढ़ाई

उन्होंने इन कठिन परिस्थितियों में भी संघर्ष करते हुए ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी कर एक सफल लेखिका बनी। उनके इस जीवन के संघर्ष को सभी छात्र-छात्राओं के बीच नाटक के माध्यम से अपने अभिनय द्वारा सभी को प्रेरित किया। और उन्होंने उसे जीवंत कर दिखाया।

आज हितकारिणी नर्सिंग कॉलेज में होगा नाटक का मंचन

विवेचना रंगमंच एवं हितकारिणी सभा विद्या परिषद के संयुक्त प्रयास से हुआ यह थिएटर कार्यक्रम सफलता पूर्वक मंचन किया गया । इस कार्यक्रम में हितकारिणी विद्या परिषद के मंत्री जयेश सिंह राठौर, हितकारिणी डेंटल कॉलेज के डायरेक्टर राजेश धीरावानी, डीन रोहित तिवारी, रजिस्ट्रार श्री केसवानी तथा संयोजक राजीव श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे। सभी छात्र-छात्राओं ने उनके इस शानदार परफॉर्मेंस के लिए उन्हें बधाई दी। इसी कड़ी में आज बुधवार को पालोमी घोष द्वारा प्रात: 11 बजे से हितकारिणी नर्सिंग कॉलेज में थिएटर नाटक का मंचन आयोजित किया जाएगा।

हमेशा के लिए बंद हुआ सिहोरा स्थित समपार फाटक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रेल मंडल के सिहोरा यार्ड क्षेत्र में स्थित समपार फाटक संख्या 336 के स्थान पर रोड ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। 17 अप्रैल को लोक निर्माण मंत्री द्वारा उक्त रोड ओवर ब्रिज का विधिवत उद्घाटन करने के बाद से सड़क यातायात उक्त ब्रिज से सुचारू रूप से संचालित हो रहा है। इसी क्रम में समपार फाटक संख्या 336 को 23 अप्रैल की शाम पांच बजे से अच्छे सड़क यातायात के लिए स्थायी रूप से बंद किया जा रहा है जनसामान्य उक्त समपार फाटक का उपयोग न करें तथा आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में निर्मित रोड ओवर ब्रिज का ही उपयोग करें। बता दे कि हाल ही में मंत्री राकेश सिंह द्वारा ओवर ब्रिज का लोकार्पण किया गया था।

बाबू के कहने पर रिश्वत की राशि लेने गया पंप अटेंडेंट लोकायुक्त के हत्थे चढ़ा

ठेकेदार से 14 हजार की रिश्वत लेते जबलपुर लोकायुक्त टीम ने दबोचा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर लोकायुक्त ट्रैप दल ने मंगलवार को छिंदवाड़ा के परासिया लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग से जुड़े एक पंप अटेंडेंट को 14 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। उक्त कार्रवाई दोपहर करीब 2 बजे खजरी रोड स्थित एक चाय की दुकान पर की गई। जिसमें जांच दल ने आरोपी बाबू संदेश गजभिये व पंप अटेंडेंट दर्पण मिश्रा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

ये है पूरा मामला– इस मामले में लोकायुक्त पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आवेदक सौरभ मिश्रा 38 वर्ष निवासी ग्राम अंबाडा तहसील परासिया ने पीएचई विभाग में निर्माण कार्य का ठेका लिया था। काम का करीब 30 प्रतिशत पूरा होने पर उसके खाते में 4 लाख 11 हजार 665 रुपए आए, आरोप है कि इसके बाद विभाग में कार्यपालन यंत्री के कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 संदेश गजभिये ने 6 प्रतिशत कमीशन के हिसाब से लगभग 25 हजार रुपए रिश्वत की मांग की। जिसकी शिकायत पीड़ित ने जबलपुर लोकायुक्त पुलिस में की। सत्यापन के दौरान बाबू संदेश गजभिये ने आवेदक सौरभ मिश्रा को पंप अटेंडेंट दर्पण मिश्रा से संपर्क करने को कहा। जिसके बाद मंगलवार को लोकायुक्त टीम ने योजनाबद्ध तरीके से आरोपी दर्पण मिश्रा को रिश्वत की राशि लेते हुए रंगे हाथ धर दबोचा, जो कि बाबू संदेश गजभिये के कहने पर ले रहा था। उक्त कार्रवाई निरीक्षक सुश्री शशिकला मस्कुले, निरीक्षक जितेंद्र यादव, उप निरीक्षक शिशिर पांडेय सहित लोकायुक्त जबलपुर की टीम शामिल रही।

सिविल सेवा केवल एक नौकरी नहीं बल्कि देश सेवा का सर्वोच्च माध्यम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यवक्ता के रुप में अभिषेक पिल्ले ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये कहा कि सिविल सर्विस की तैयारी के लिए बेहतर रणनीति और टाइम मैनेजमेंट बहुत जरुरी है। करेंट अफेयर्स के साथ ही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, आर्ट एण्ड कल्चर की जानकारी भी आवश्यक है। अभिषेक पिल्ले द्वारा सिविल सेवा की तैयारी के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर प्रो. अरुण शुक्ल ने सिविल सेवाओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुये कहा कि सिविल सेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि देश सेवा का सर्वोच्च माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. महेन्द्र कुशवाहा, डॉ. तरुणेन्द्र साकेत, कु. प्रियंका शर्मा के साथ महाविद्यालय के लगभग 42 विद्यार्थी उपस्थित रहें।

हाईकोर्ट में पेश हुए विधायक संजय पाठक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भाजपा विधायक संजय पाठक मंगलवार को हाईकोर्ट में पेश हुए। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने व्हिसलब्लोअर आशुतोष दीक्षित को इस मामले में कोर्ट की सहायता करने की अनुमति दी है। साथ ही अगली सुनवाई की तारीख 14 मई तय की गई है। सुनवाई के दौरान संजय पाठक ने अगली पेशी से छूट की मांग की, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। अब उन्हें 14 मई को भी कोर्ट में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा। व्हिसलब्लोअर आशुतोष मनु दीक्षित की ओर से हाईकोर्ट में सीनियर एडवोकेट देवदत्त कामत और राजेंद्र सिंह उपस्थित हुए, इंटरवेंशन एप्लीकेशन मूव की गई थी। इस पर उन्होंने दलील दी कि वे याचिकाकर्ता हैं, इसलिए उन्हें भी सुना जाए। कोर्ट ने कहा कि वे औपचारिक रूप से इंटरवेंशन एप्लीकेशन दाखिल न करें, बल्कि मौखिक रूप से इस मामले में कोर्ट की सहायता कर सकते हैं। इस दौरान राजेंद्र सिंह ने कहा कि मामला बेहद गंभीर है, यही कारण है कि हाईकोर्ट ने इसे स्वत: संज्ञान में लिया है। गौरतलब है कि पिछली सुनवाई में विधायक ने मामले पर बिना शर्त माफी मांगी थी।

रिकॉर्ड समय में ब्रेकडाउन सुधारने वाले लाइन स्टाफ का सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने अपने कर्मचारियों की कार्यकुशलता और कर्तव्यपरायणता को प्रोत्साहित करते हुए छैगांव में पदस्थ लाइन स्टाफ अर्जुन कारले और आउटसोर्स कर्मी शिवपाल निकुम को पुरस्कृत किया है। जबलपुर स्थित मुख्यालय में आयोजित एक गरिमामय समारोह में दोनों कर्मियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सिल्वर मेडल, प्रशस्ति पत्र और नकद राशि प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि दीपावली के पावन पर्व पर जब पूरा प्रदेश रोशनी में डूबा था, तब 220 केवी छैगांव-खंडवा सर्किट क्र मांक-2 में अचानक तकनीकी खराबी (ब्रेकडाउन) आ गई थी। इससे खंडवा क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति ठप होने का बड़ा संकट खड़ा हो गया था। त्योहार के समय बिजली गुल होने की गंभीरता को समझते हुए अर्जुन कारले और शिवपाल निकुम ने तत्काल मोर्चा संभाला।

मात्र 86 मिनट में सुधारा ब्रेकडाउन– अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में दोनों कर्मियों ने गजब की फुर्ती दिखाते हुए फेल हुई डिस्क इंसुलेटर को महज 1 घंटे 26 मिनट में बदल दिया। आमतौर पर इस प्रक्रिया में अधिक समय लगता है, लेकिन इनकी दक्षता के कारण लाइन को न्यूनतम समय में फिर से ऊर्जीकृत कर दिया गया, जिससे खंडवा में दीपावली का उत्सव निर्बाध रूप से जारी रहा। इनके इस साहसी और सराहनीय प्रयास के लिए जबलपुर मुख्यालय में विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता एवं ट्रांसमिशन लाइन विशेषज्ञ एन. जी. टिकेकर, प्रबंध संचालक सुनील तिवारी और मुख्य अभियंता डीके अग्रवाल ने दोनों को सम्मानित किया।

हितकारिणी डेंटल कॉलेज ने लगाया नि:शुल्क दंत परीक्षण शिविर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल की टीम द्वारा मंगलवार को नगर निगम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गोविंदगंज में सेवा भारती महाकौशल द्वारा आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में सक्रिय सहभागिता की गई। शिविर में 7 सदस्यीय दंत चिकित्सकों की विशेषज्ञ टीम द्वारा 45 लाभार्थियों का नि:शुल्क दंत परीक्षण किया गया, जिसमें दंत क्षय, मसूड़ों की बीमारियों, दांतों में दर्द, मुख संक्रमण एवं अन्य मौखिक रोगों की पहचान कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी सेवाएं प्रदान की गईं। शिविर के दौरान जरूरतमंदों को आवश्यकता अनुसार टूथपेस्ट एवं अन्य दंत स्वच्छता उत्पादों का नि:शुल्क वितरण भी किया गया, जिससे उन्हें अपने दांत एवं मुख स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा सके। हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के निदेशक डॉ. राजेश धीरावाणी एवं अधिष्ठाता डॉ. रोहित मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित इस गतिविधि में पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग की डॉ. अंकिता सिंह सहित अन्य दंत चिकित्सकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर आयोजक संस्था द्वारा हितकारिणी डेंटल कॉलेज की टीम को उनके सराहनीय कार्य हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कप्तान ने जनसुनवाई में सुनीं आम जनता की समस्याएं

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आम जनता की शिकायतों और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय ने शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में कुल 95 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें अधिकांश मामले पारिवारिक विवाद (पति-पत्नी), जमीनी विवाद, मारपीट और सायबर अपराधों से संबंधित थे। पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय ने प्रत्येक शिकायतकर्ता की बात को ध्यानपूर्वक सुना और उन्हें जल्द से जल्द वैधानिक कार्यवाही का आश्वासन दिया। पुलिस कप्तान ने जनसुनवाई में प्राप्त सभी शिकायतों को संबंधित थाना प्रभारियों और राजपत्रित अधिकारियों को भेजते हुए निर्देशित किया कि इनका निराकरण निर्धारित समय सीमा के भीतर किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और पीड़ितों को न्याय दिलाना प्राथमिकता होनी चाहिए।

किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा दिव्यांग छात्रों से भेदभाव

दिव्यांग बच्चों को स्कूल से निकालने पर मप्र हाईकोर्ट हुई सख्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

दिव्यांग बच्चों को स्कूल से बाहर किए जाने के मामले में मप्र हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। हाईकोर्ट ने साफ कहा कि बच्चों के साथ किसी भी तरह का भेदभाव न सिर्फ गलत है, बल्कि किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं किया जाएगा। दरअसल यह मामला शहर के विजडम वैली स्कूल और जीडी गोयनका स्कूल से जुड़ा है। इन पर आरोप है कि स्पेशल (दिव्यांग) बच्चों को स्कूल से बाहर किया जा रहा था। जिसकी शिकायत सामने आने के बाद इस मुद्दे पर जनहित याचिका दायर की गई। मप्र हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा की डिवीजन बेंच ने तत्काल प्रभाव से दिव्यांग बच्चों को निकाले जाने पर रोक लगा दी। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी को आदेश दिया कि जबलपुर के सभी स्कूलों में पढ़ रहे विशेष बच्चों को लेकर विस्तृत रिपोर्ट पेश की जाए। मामले की अगली सुनवाई 29 अप्रैल तय की गई है। याचिकाकर्ता सौरभ सुबैया की ओर से दायर याचिका में बताया गया कि जबलपुर में करीब 50 सरकारी और 200 निजी स्कूल संचालित हो रहे हैं, जहां बड़ी संख्या में दिव्यांग छात्र पढ़ते हैं। इनमें कई बच्चे ऐसे हैं जो न बोल सकते हैं और न ही सुन सकते हैं।

स्पेशल एजुकेटर नहीं, कानूनों का पालन अधूरा

याचिका में यह भी बताया गया कि स्कूलों में आज भी विशेष शिक्षक नियुक्त नहीं हैं। जबकि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 और शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत यह अनिवार्य है। इन कानूनों का पालन न होना पूरी तरह अवैधानिक है। हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता शिवेंद्र पाण्डेय ने कोर्ट को बताया कि निजी स्कूलों द्वारा स्पेशल बच्चों को बाहर करना सीधे उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। इस पर कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए तुरंत हस्तक्षेप किया।

मनमानी पर लगेगी लगाम

याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि मप्र हाईकोर्ट का यह अंतरिम आदेश कई मायनों में अहम माना जा रहा है। इससे न सिर्फ समावेशी शिक्षा को मजबूती मिलेगी, बल्कि निजी स्कूलों की मनमानी पर भी लगाम लगेगी। साथ ही दिव्यांग बच्चों के अधिकारों की न्यायिक सुरक्षा को लेकर एक मजबूत संदेश गया है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**